वॉयस ऑफ लखनऊ

सच, सिर्फ सच

मंगलवार, 04 अगस्त, 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 22, अंक 28, पेज 12, 3.50 रुपये

www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

सेंसेक्स में 544 अंकों की उछाल

वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने के बीच कच्चे तेल के दाम में नरमी से बीएसई सेंसेक्स 544 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी 391 अंक के लाभ में रहा। } 10

भारत-उज्बेकिस्तान को व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य रखना चाहिए: गोयल

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान को अगले तीन वर्ष में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य रखना चाहिए। } 10

भागवत जेन जेड व अल्फा से करेंगे संवाद

मुंबई में 6 को आईआईयूएमएन की वार्षिक चैंपियनशिप कॉन्फ्रेंस का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

मुंबई। राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के नेतृत्व में हुए विरोध-प्रदर्शन के कारण केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के कुछ दिन बाद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत छह अगस्त को मुंबई में जेन अल्फा और जेन जेड छात्रों से संवाद करेंगे। भागवत, नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर (एनएमएसीसी) में इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस (आईआईयूएमएन) की वार्षिक चैंपियनशिप कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन समारोह को संबोधित करेंगे। यह कार्यक्रम संगठन की 15वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में देशभर के 100 से अधिक शहरों से 15 से 19 साल की आयु के 2,000 से अधिक छात्र शामिल होंगे। जेन अल्फा 2010 से 2024 के बीच जन्मे बच्चे हैं, जबकि जेन जेड से अभिप्राय 1997 से 2012 के बीच जन्मी पीढ़ी से है। संघ प्रमुख के संबोधन से आईआईयूएमएन के वार्षिक चैंपियनशिप कॉन्फ्रेंस की शुरुआत होगी, जिसमें छात्र स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। उद्घाटन समारोह दुनिया को जोड़ने में युवाओं की भूमिका: भारतीय तरीका विषय पर आधारित होगा। प्रधान ने 25 जुलाई को केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था।

नीट प्रश्नपत्र लीक: प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ केस वापस ले सकती हैं सरकारें

उच्चतम न्यायालय ने कहा, बशर्ते उनका गंभीर और जघन्य अपराधों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड न हो

एजेंसी

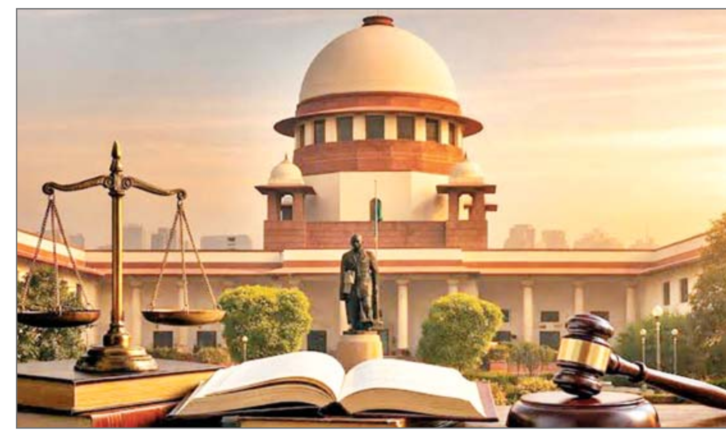

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को स्पष्ट किया कि दिल्ली और अन्य राज्यों की सरकारें राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक के विरोध में प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को कानून के अनुसार बंद कर सकती हैं या उन्हें वापस ले सकती हैं, बशर्ते उनका गंभीर और जघन्य अपराधों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं हो।

न्यायालय का यह स्पष्टीकरण केंद्र सरकार के उस बयान के बाद आया है जिसमें केंद्र ने कहा था कि वह नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में दिल्ली में 20 जुलाई को हुए संसद मार्च समेत अन्य प्रदर्शनों में शामिल छात्रों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं करने को लेकर गंभीर है, बशर्ते उनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं हो। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिनमें कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के नेतृत्व में हुए आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस की ज्यादतियों का आरोप लगाया गया था। अदालत ने कहा, यह स्पष्ट किया जाता है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) दिल्ली और कोई भी अन्य राज्य सरकार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को बंद करने या वापस लेने के लिए स्वतंत्र होंगी... बशर्ते कि उनका आपराधिक रिकॉर्ड नहीं हो। यहां आपराधिक रिकॉर्ड से आशय सिर्फ गंभीर और जघन्य अपराधों से है। मामले की सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शुरुआत में शीर्ष अदालत को बताया कि छात्रों के खिलाफ प्राथमिकी वापस लेने के संबंध में केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को लागू करने के तरीके को लेकर कुछ भ्रम की स्थिति थी। मेहता ने कहा, प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के संबंध में क्या किया जाना चाहिए, इसे लेकर कुछ भ्रम की स्थिति थी। मुझे अदालत को यह सूचित करने का निर्देश दिया गया है कि है कि सरकार अपनी इस प्रतिबद्धता को लेकर गंभीर है। जिन लोगों का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है... उन्हें छोड़कर, बाकी सभी मामलों का समाधान किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गंभीर और जघन्य अपराधों में शामिल 2,700 से अधिक लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी वापस नहीं ली जाएंगी। मेहता ने कहा कि उन्होंने इस प्रतिबद्धता को लागू करने के लिए ...शेष पृष्ठ 10 पर

संक्षेप

लाल किला समेत कई स्कूलों में बम रखने की मिली धमकियां

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में लाल किला, महापौर कार्यालय और कई स्कूलों को सोमवार सुबह ईमेल के जरिए बम रखे होने की धमकियां मिलीं, जिसके बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब तक ली गई तलाशी के दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार, सुबह 9.07 बजे एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ, जिसके बाद दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ते, श्वान दस्ते और अग्निशमन सेवा की टीमें स्कूलों और ईमेल में उल्लिखित अन्य स्थानों पर पहुंचीं। उन्होंने कहा कि स्कूल परिसरों को खाली करा लिया गया और अच्छी तरह से जांच की गई। उन्होंने कहा कि अब तक कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया है। विद्यालयों ने संदेश के माध्यम से अभिभावकों को सूचित किया कि स्कूलों को धमकी मिली है और सभी छात्रों को सुरक्षित निकाल लिया गया है।

असम बाढ़ पीड़ितों को मिली 160 करोड़ की अंतरिम राहत

गुवाहाटी। असम सरकार ने इस वर्ष की बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित 75 हजार से अधिक परिवारों के लिए लगभग 160 करोड़ रुपये की अंतरिम राहत की पहली किस्त सोमवार को जारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 85 हो गई है। रविवार को तीन और लोगों की मौत की पुष्टि हुई जबकि बाढ़ प्रभावित लोगों की संख्या घटकर लगभग 1.36 लाख रह गई है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ऊपरी असम के सर्वाधिक प्रभावित जिलों के दौरे पर हैं। उन्होंने डिब्रूगढ़ से अंतरिम राहत की पहली किस्त जारी की। अधिकारियों के अनुसार, शिवसागर, चराइदेव, जोरहाट और गोलाघाट जिलों में जिन लगभग 75,000 परिवारों के मकान गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं।

जिनका राम मंदिर निर्माण में योगदान नहीं, वही कर रहे चंदे की बात

आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए आयोग जल्द न्यूनतम मानदेय होगा सुनिश्चित: मुख्यमंत्री

विशेष संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए कहा कि राज्य सरकार एक से डेढ़ सप्ताह के भीतर आउटसोर्स आयोग लागू करेगी, जिससे आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए न्यूनतम मानदेय सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा बहुओं, रसोइयों और ग्राम चौकीदारों के मानदेय को भी बेहतर बनाने की दिशा में सरकार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मुद्दे पर कहा कि जिन लोगों ने राम मंदिर निर्माण के लिए एक पैसा भी नहीं दिया, वही आज चंदे की बात कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर निर्माण का विरोध करने वाले आज राजनीतिक लाभ के लिए इस मुद्दे को उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने संबंधित विभाग को हर हाल में पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ स्थानों पर पोर्टल संबंधी तकनीकी समस्या आई थी, जिसे दूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के हित में अनेक योजनाएं लागू हुई हैं। उत्तर प्रदेश में अतिरिक्त सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हुआ है और किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 3.23 लाख करोड़ रुपये से अधिक गन्ना मूल्य भुगतान किया जा चुका है और अधिकांश चीनी मिलें समय पर किसानों के खातों में भुगतान कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानमंडल लोकतांत्रिक विमर्श का सर्वोच्च मंच है और सभी जनप्रतिनिधियों को सदन में सकारात्मक एवं स्वस्थ चर्चा करनी चाहिए। उन्होंने विपक्ष से नकारात्मक राजनीति छोड़कर प्रदेश के विकास और 25 करोड़ जनता के हित में सहयोग करने की अपील की। मुख्यमंत्री ...शेष पृष्ठ 10 पर

योगी ने आलम बदी समेत पूर्व 21 सदस्यों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्तमान विधानसभा के सदस्य आलम बदी के निधन पर मानसून सत्र के पहले दिन शोक जताया। सीएम ने 21 पूर्व सदस्यों को भी अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम ने कहा कि उम्र के इस पड़ाव पर भी आलम बदी जी की राजनीतिक सक्रियता हर जनप्रतिनिधि को प्रेरित करती थी। उनका निर्वाचित होना यह दर्शाता है कि जनप्रतिनिधि के रूप में यदि हम जनता व क्षेत्र के प्रति समर्पित रहें तो आयु मायने नहीं रखती। नेता सदन योगी आदित्यनाथ ने बताया कि वर्तमान विधानसभा के सदस्य आलम बदी का निधन बीती 23 जुलाई को हो गया। उनकी आयु 90 वर्ष से अधिक थी। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। आलम बदी सदन के वरिष्ठ और सबसे वयोवृद्ध सदस्य थे। उनका जन्म 16 मार्च 1936 को आजमगढ़ के बिंदवल में हुआ था। वर्तमान विधानसभा में वे पांचवीं बार सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए थे। वे सर्वप्रथम 1996 के मध्यावधि चुनाव में चुने गए थे। इसके पश्चात 2002, 2012, 2017 व 2022 में निर्वाचन क्षेत्र निजामाबाद ...शेष पृष्ठ 10 पर

मानसून सत्र के पहले दिन विपक्ष का जोरदार हंगामा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र की शुरूआत सोमवार को हंगामे के साथ हुई। विधानसभा में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ विधायक आलम बदी के निधन पर शोक प्रस्ताव पारित करने के बाद कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई, जबकि विधान परिषद में पहले ही दिन विपक्ष ने सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरते हुए जोरदार हंगामा किया। सदन की कार्यवाही की शुरूआत राष्ट्रगीत वंदेमातरम से हुई। सदन में पूरा वंदेमातरम गीत गाया गया।

समाजवादी पार्टी के सदस्य राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मुद्दे को लेकर वेल में पहुंच गए और नारेबाजी शुरू कर दी। हंगामे के कारण उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का संबोधन कई बार बाधित हुआ। शोर-शराबे के चलते सभापति को कार्यवाही कई बार स्थगित करनी पड़ी। हालांकि, लगातार विरोध के बीच उपमुख्यमंत्री ने अपना वक्तव्य पूरा किया। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के विधायकों ने विधान भवन परिसर में प्रदर्शन कर राज्य सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरा। विपक्ष ने श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी, नीट परीक्षा, छात्रों पर लाठीचार्ज, खाद संकट, शिक्षक भर्ती, कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। विधान भवन के पोर्टिको में सुबह करीब 10:10 बजे शुरू हुआ प्रदर्शन लगभग 45 मिनट तक चला। विपक्षी विधायक हाथों में तख्तियां लेकर पहुंचे और सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाए। प्रदर्शन के दौरान टीन की प्रतीकात्मक दान पेटी भी लाई गई। तख्तियों पर चढ़ावा चोर गद्दी छोड़, नीट है या चीट है, 68,500 शिक्षक भर्ती में आरक्षण लागू करो और भाजपा हटाओ, बिटिया बचाओ‡ जैसे नारे लिखे थे। समाजवादी पार्टी के विधायक डॉ. आरके वर्मा ने आरोप लगाया कि सरकार जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा से बचने के लिए केवल चार दिन का सत्र चला रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष सदन में राम मंदिर चढ़ावा, खाद संकट, पेपर लीक, छात्रों पर लाठीचार्ज, कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे उठाएगा। सपा विधायक कमाल अख्तर ने किसानों को पर्याप्त खाद नहीं मिलने और बिजली के निजीकरण का मुद्दा उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र कम से कम 15 दिन का होना चाहिए ताकि जनहित के सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हो सके। इससे पहले विधानसभा की ...शेष पृष्ठ 10 पर

रेडियो के जरिये जन-जन से जुड़ेगा उत्तराखंड : धामी

देहरादून में ओहो 89.2 एफएम का आगाज, सीएम ने किया शुभारंभ

प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की लोकभाषाओं, सांस्कृतिक परंपराओं और स्थानीय प्रतिभाओं को व्यापक श्रोताओं तक पहुंचाने के लिए देहरादून में ओहो रेडियो 89.2 एफएम की शुरूआत हुई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बल्लूपुर में रेडियो स्टेशन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि तकनीक के तेजी से बदलते दौर में भी रेडियो की पहुंच और प्रभाव कायम है। स्थानीय स्तर पर लोगों की बात को सामने लाने और जनहित के विषयों पर संवाद तैयार करने में एफएम रेडियो प्रभावी भूमिका निभा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रेडियो लंबे समय से समाज में सूचना और जागरूकता का भरोसेमंद माध्यम रहा है। इसका दायरा मनोरंजन से कहीं आगे है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक चेतना और नागरिक जिम्मेदारियों से जुड़े संदेशों को सरल भाषा में लोगों तक पहुंचाने की क्षमता रेडियो को खास बनाती है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट और सोशल मीडिया के विस्तार के बाद भी रेडियो की सहज उपलब्धता और स्थानीय श्रोताओं से सीधा जुड़ाव इसकी उपयोगिता बनाए हुए है। उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाने के लिए एफएम रेडियो को प्रभावी माध्यम बनाया जा सकता है। स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों, शिक्षा के अवसरों, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, महिला एवं बाल ...शेष पृष्ठ 10 पर

गुजरात में भाजपा को मिली जीत, बिहार व एमपी में लगा झटका

बांकी उपचुनाव में प्रशांत किशोर से हारे भाजपा के नीरज कुमार

पटना। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार नीरज कुमार को 19,324 मतों के अंतर से हराकर जीत दर्ज की। निर्वाचन आयोग के अनुसार, सभी 32 चरणों की मतगणना पूरी होने के बाद प्रशांत किशोर को 64,151 मत मिले जबकि भाजपा के नीरज कुमार को 44,827 मत प्राप्त हुए। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की उम्मीदवार रेखा कुमारी 14,273 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। अन्य उम्मीदवारों में प्रगतिशील जनता पार्टी के मनोरंजन कुमार श्रीवास्तव को 973, राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के तनवीर आलम को 864, भारतीय आम अवाम पार्टी के प्रदीप कुमार को 781, भारतीय जवान किसान पार्टी के बैजनाथ प्रसाद को 383, निर्दलीय उम्मीदवार ...शेष पृष्ठ 10 पर

गुजरात की मांजलपुर सीट पर भाजपा फिर कायम

वडोदरा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुजरात के वडोदरा जिले की मांजलपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में सोमवार को जीत दर्ज कर यह सीट अपने पास बरकरार रखी। भाजपा उम्मीदवार सतीश गोविंदभाई पटेल ने कांग्रेस के उम्मीदवार एवं पूर्व मंत्री भीखाभाई रबारी को 30,630 मतों से हराया। निर्वाचन आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, मतगणना के सभी 20 दौर पूरे होने के बाद पटेल को 55,481 मत मिले, जबकि रबारी को 24,851 मत प्राप्त हुए। भाजपा के गढ़ माने जाने वाले इस निर्वाचन क्षेत्र में केवल यही दो उम्मीदवार मैदान में थे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इस सीट पर।,00,754 मतों के रिकॉर्ड अंतर से जीत दर्ज की थी। इस बार पार्टी की जीत का अंतर उससे कम रहा। उपचुनाव में जीत के बाद मतदाताओं का आभार ...शेष पृष्ठ 10 पर

दतिया उपचुनाव में कांग्रेस के घनश्याम सिंह जीते

दतिया। मध्यप्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में सोमवार को कांग्रेस के उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार आशुतोष तिवारी को 6,016 मतों पराजित कर दिया। जिला निर्वाचन अधिकारी और दतिया के जिलाधिकारी स्वप्निल वानखड़े ने पीटीआई-भाषा को बताया कि कांग्रेस प्रत्याशी ने 6,016 मतों से जीत दर्ज कर ली है। उन्होंने बताया कि 15वें और आखिरी दौर की मतगणना के बाद घनश्याम सिंह को 66757 से अधिक मत मिले, जबकि तिवारी को 60741 से अधिक मत प्राप्त हुए। आजाद समाज पार्टी के उम्मीदवार दामोदर यादव को 22527 मत मिले हैं जो तीसरे स्थान पर हैं। रुझानों में जीत के संकेत मिलते ही भोपाल स्थित कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय में जश्न की शुरुआत हो गई और पार्टी कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाईं।

विशेष खबर बीबीडी ग्रुप की चेयरपर्सन श्रीमती अलका दास गुप्ता, प्रेसिडेंट विराज सागर दास, वाइस प्रेसिडेंट देवांशी दास और सोनाक्षी दास ने बाबूजी को श्रद्धासुमन अर्पित कर किया नमन

पूर्व मुख्यमंत्री बाबू बनारसी दास की 41वीं पुण्यतिथि पर अर्पित की गयी श्रद्धांजलि

अनिल कुमार सिंह

- बाबू बनारसी दास जी ने अपना पूरा जीवन देश व प्रदेश की जनता को किया समर्पित : विराज सागर दास
- बुलंदशहर में भी याद किये गये बाबूजी

लखनऊ। डॉ. अखिलेश दास गुप्ता फाउंडेशन के तत्वावधान में सोमवार को यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बाबू बनारसी दास की 41 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

इस अवसर पर बीबीडी ग्रुप की चेयरपर्सन श्रीमती अलका दास गुप्ता, बीबीडी ग्रुप के प्रेसिडेंट विराज सागर दास, वाइस प्रेसिडेंट देवांशी दास और सोनाक्षी दास ने बाबू बनारसी दास की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया। साथ ही बुलंदशहर में भी बाबू बनारसी दास जनसेवा ट्रस्ट ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, महान स्वतंत्रता सेनानी बाबू बनारसी दास जी की 41वीं पुण्यतिथि पर उनको याद किया और इस अवसर पर दूर-दूर से आये सम्मानित लोगों ने उनको पुष्पांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर बाबू जी के परिजनों, समर्थकों व अनुयायियों की मौजूदगी में विक्रमादित्य मार्ग स्थित कोठी में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बीबीडी परिवार के सदस्यों ने बाबू जी को श्रद्धांजलि अर्पित कर न केवल उन्हें याद किया बल्कि उनके बताये रास्ते पर चलने का संकल्प भी लिया। शिक्षा एवं खेल जगत के प्रमुख लोगों ने भी बाबू बनारसी दास की पुण्यतिथि पर भावभीनी ...शेष पृष्ठ 10 पर

C M Y K

राम मंदिर चढ़ावा मुद्दे पर विप में विपक्ष का हंगामा

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के मानसून सत्र के पहले दिन श्रीराम मंदिर के दानपात्र से चढ़ावे की कथित चोरी के मुद्दे पर जोरदार हंगामा हुआ। समाजवादी पार्टी ने नियम-105 के तहत कार्यस्थगन प्रस्ताव देकर मामले पर चर्चा की मांग की। नेता सदन एवं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के जवाब देने के लिए खड़े होते ही सपा सदस्य वेल में पहुंच गए और नारेबाजी शुरू कर दी, जिसके चलते सभापति को सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि जिन लोगों ने राम मंदिर निर्माण के लिए एक पैसा भी चंदा नहीं दिया, वही आज चंदा चोरी की बात कर रहे हैं। उन्होंने विपक्ष से बाबरी आंदोलन के दौरान जुटाए गए चंदे का भी हिसाब मांगा और कहा कि राम मंदिर के मुद्दे पर राजनीति उचित नहीं है।

इससे पहले नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव और सदस्य किरण पाल कश्यप ने नियम-105 के तहत कार्यस्थगन प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए आरोप लगाया कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के दानपात्र से हुई चोरी वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार का मामला है तथा इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। विपक्ष का आरोप था कि पुलिस ने केवल निचले स्तर के कर्मचारियों पर कार्रवाई की है, जबकि पूरे मामले कीजांच नहीं कराई गई। हंगामे के दौरान समाजवादी पार्टी के सदस्य नारेबाजी करते हुए सदन के फर्श पर आ गए, जिससे कार्यवाही बाधित हुई। बाद में सदन की कार्यवाही पुनः शुरू हुई।

इसी दौरान सदस्य राज बहादुर सिंह चंदेल ने शिक्षक नेताओं, कर्मचारियों और सेवानिवृत्त शिक्षकों को भी राज्य सरकार की निःशुल्क एवं कैशलेस चिकित्सा योजना में शामिल करने की मांग उठाई।

आज पेश होगा योगी सरकार का पहला अनुपूरक बजट

लखनऊ। उप्र विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को योगी सरकार वित्तीय वर्ष 2026-27 का पहला अनुपूरक बजट पेश करेगी। करीब 40 हजार करोड़ रुपये के इस बजट में आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में वृद्धि सहित कई महत्वपूर्ण घोषणाओं की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार, सरकार आशा और आंगनबाड़ी कार्यकताओं के बढ़े हुए मानदेय के लिए अतिरिक्त बजटीय प्रावधान कर सकती है। इसके अलावा शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में पहले की गई बढ़ोतरी के बाद अब अधिवक्ताओं के एक बड़े वर्ग को कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने के लिए भी अतिरिक्त धनराशि आवंटित किए जाने की संभावना है। अनुपूरक बजट में मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना के तहत छात्रवृत्ति राशि बढ़ाने के लिए भी अतिरिक्त बजट का प्रावधान किया जा सकता है। साथ ही आगरा-लखनऊ-पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेस-वे, झांसी लिंक एक्सप्रेस-वे, जेवर लिंक एक्सप्रेस-वे, फरुर्खाबाद लिंक एक्सप्रेस-वे, मेरठ-हरिद्वार एक्सप्रेस-वे और विंध्य क्षेत्र की प्रस्तावित परियोजनाओं को गति देने के लिए अतिरिक्त धनराशि मिलने की उम्मीद है। सरकार औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए बुंदेलखंड डिफेंस कॉरिडोर, डेटा सेंटर पार्क, लॉजिस्टिक्स पार्क तथा जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जुड़ी परियोजनाओं के लिए भी अतिरिक्त बजट का प्रावधान कर सकती है।

किसानों की समस्याओं को लेकर सपा विधायकों ने किया प्रदर्शन

- सपा के विरोध के बीच सदन 15 मिनट के लिए स्थगित

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। विधानसभा में मानसून सत्र की शुरुआत सोमवार को हंगामेदार रही। समाजवादी पार्टी के सभी विधायकों ने किसानों की समस्याओं, खाद की कमी, बढ़ती महंगाई, भ्रष्टाचार, महिलाओं के साथ बढ़ते अपराध की घटनाओं, अयोध्या में श्री राम मंदिर में चढ़ावा चोरी, नीट पेपर समेत अन्य भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक समेत अन्य मुद्दों को लेकर विधानसभा भवन स्थित पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के समक्ष धरना- प्रदर्शन किया।

लाल टोपी लगाकर हाथों में पोस्टर लेकर सभी विधायक पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के पास पहुंचकर धरने पर बैठ गये। सपा विधायकों ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारे लगाए। धरना-प्रदर्शन में चंदा चोर, गद्दी छोड़। प्रभुराम का धन भाजपा ने किया गबन, नीट है या चीट है के नारे गूंजते रहे। धरना-प्रदर्शन में नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय, नेता विरोधी दल विधान परिषद लाल बिहारी यादव सहित सभी विधायक शामिल हुए।

अवैध खनन पर डिजिटल शिकंजा, 24 घंटे निगरानी से 756 करोड़ की वसूली

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए योगी सरकार ने तकनीक आधारित एकीकृत खनन निगरानी तंत्र (आईएमएसएस) को और मजबूत किया है। इस डिजिटल निगरानी प्रणाली के जरिए खनन क्षेत्रों पर 24 घंटे नजर रखी जा रही है। विभाग के अनुसार इस व्यवस्था से अब तक 756 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली की जा चुकी है।

भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की सचिव एवं निदेशक माला श्रीवास्तव ने बताया कि आईएमएसएस के तहत खनन क्षेत्रों की जियो-फेंसिंग, कैमरा युक्त वे-ब्रिज, खनिज परिवहन वाहनों पर आरएफआईडी माइन टैग तथा राजमार्गों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आईओटी आधारित स्वचालित चेकगेट स्थापित किए गए हैं। इस पूरी व्यवस्था की निगरानी लखनऊ स्थित अत्याधुनिक कमांड सेंटर से की जा रही है। कमांड सेंटर में स्थापित डिसीजन सपोर्ट सिस्टम के माध्यम से अवैध गतिविधियों की पहचान होते ही संबंधित मामलों में तत्काल ई-नोटिस जारी किए जा रहे हैं, जिससे कार्रवाई की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनी है। प्रदेश में वर्तमान में 62 स्वचालित चेकगेट संचालित हैं, जबकि दो नए चेकगेट निर्माणाधीन हैं।

इसके अलावा 75 आरएफआईडी रीडर और एम-चेक ऐप के माध्यम से निगरानी को और मजबूत किया गया है। अब तक 1.53 लाख से अधिक खनिज परिवहन वाहनों पर आरएफआईडी माइन टैग लगाए जा चुके हैं, जिससे उनकी ऑनलाइन ट्रैकिंग संभव हो रही है। विभाग के अनुसार 16 जुलाई 2026 तक आईएमएसएस के माध्यम से 2.41 लाख से अधिक ई-नोटिस जारी किए गए हैं। इन नोटिसों के आधार पर 998 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि निर्धारित की गई, जिसमें से अब तक 756 करोड़ रुपये से अधिक की वसूली हो चुकी है।

यूपीसीडा का दोगुना बजट मंजूर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने औद्योगिक विकास को नई गति देने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को लगभग दोगुना करने की मंजूरी दे दी है। सोमवार को लोक भवन में अपर मुख्य सचिव एवं यूपीसीडा बोर्ड के अध्यक्ष आलोक कुमार की अध्यक्षता में आयोजित 51वीं बोर्ड बैठक में औद्योगिक निवेश, नए औद्योगिक क्षेत्रों के विकास और आधारभूत ढांचे के विस्तार से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों में नए औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिए भूमि अधिग्रहण एवं भूमि क्रय संबंधी प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। साथ ही फतेहपुर की कताई मिल, संधिनावा औद्योगिक क्षेत्र तथा अयोध्या के त्रिशुंडी औद्योगिक क्षेत्र के ले-आउट को भी स्वीकृति प्रदान की गई। इससे इन क्षेत्रों में नियोजित औद्योगिक विकास और निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

नलकूप बिजली कनेक्शन की प्रक्रिया हुई आसान व पारदर्शी

- टीसी से हटेगा गैर-आपूर्ति वाली सामग्री का मूल्य, किसानों पर कम होगा आर्थिक बोझ

लखनऊ। प्रदेश की योगी सरकार लगातार किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करने की दिशा में कदम उठा रही है। इसी क्रम में प्रदेश के किसानों को निजी नलकूप विद्युत संयोजन प्राप्त करने में होने वाली अनावश्यक भागदौड़ और विलंब को समाप्त करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड ने नई व्यवस्था लागू की है। सरकार के इस निर्णय से किसानों को निर्माण सामग्री के लिए बार-बार विद्युत भंडार कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी और निजी नलकूपों का विद्युतीकरण अधिक सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से हो सकेगा।

यूपीपीसीएल के वितरण निदेशक ज्ञानेंद्र धर द्विवेदी ने बताया कि निजी नलकूप विद्युत संयोजन को लेकर दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। पहले निर्णय के तहत संयोजन के लिए आवश्यक निर्माण सामग्री की किट यथासंभव एकमुश्त उपलब्ध कराई जाएगी। इससे किसानों को अलग-अलग सामग्री के लिए बार-बार भंडार केंद्रों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। साथ ही सामग्री की उपलब्धता के कारण संयोजन कार्य में होने वाले अनावश्यक विलंब को भी कम किया जा सकेगा। जबकि दूसरे महत्वपूर्ण निर्णय के तहत ऐसी विकेन्द्रीकृत निर्माण सामग्री, जिसकी आपूर्ति निगम की ओर से नहीं की जा रही है, उसका मूल्य किसानों से धन मांगपत्र यानी टीसी के माध्यम से नहीं लिया जाएगा। इसमें क्रॉस आर्म होल्डिंग क्लैम्प, स्टे क्लैम्प, एफ-ब्रैकेट, 11 केवी टीपीएमओ सेट, 11 केवी थ्री-फेज फ्यूज सेट, टॉप टी-ऑफ क्लैम्प, एमएस नट-बोल्ट एवं वॉशर, एलटी शैकल इंसुलेटर, डी-क्लैम्प, एलटी क्लैम्प, डेंजर बोर्ड, बार्ब्ड वायर, स्टोन पैड और एक्सएलपीई आर्मर्ड केबल सहित अन्य आवश्यक सामग्री शामिल होगी। हालांकि इन सामग्रियों का मूल्य प्राक्कलन में शामिल नहीं किया जाएगा, लेकिन किसानों की सुविधा के लिए उनकी आवश्यक मात्रा और अनुमानित लागत का उल्लेख किया जाएगा। इससे आवेदक को पहले से यह जानकारी रहेगी कि संयोजन के लिए किन सामग्रियों की जरूरत होगी और उनकी अनुमानित लागत कितनी हो सकती है। इस संबंध में यूपीपीसीएल के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने सभी वितरण निगमों के प्रबंध निदेशकों को निर्देश जारी कर दिए हैं। नई व्यवस्था के तहत निजी नलकूप आवेदकों को जारी किए जाने वाले धन मांगपत्र यानी टीसी के साथ नियम एवं शर्तें भी संलग्न की जाएंगी। इससे किसानों को पूरी प्रक्रिया की स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी और उन्हें किसी प्रकार की असमंजस की स्थिति का सामना नहीं करना पड़ेगा।

अपराधियों पर कार्रवाई व जनसमस्याओं के निस्तारण में शिथिलता बर्दाश्त नहीं : सीएम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सावन के पहले सोमवार को धार्मिक अनुष्ठान व मानसून सत्र के शासकीय दायित्वों के बीच भी जनसेवा को सर्वोपरि रखा। उन्होंने सोमवार सुबह की शुरुआत जनता दर्शन से की। प्रदेश के कई जनपदों से आए सभी लोगों से उन्होंने एक-एक कर मुलाकात की। उनके प्रार्थना पत्र लिए और अधिकारियों को प्रेषित करते हुए, समयबद्ध निस्तारण का निर्देश दिया। पुलिस से जुड़े मामलों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपराधियों पर कार्रवाई और जनसमस्याओं के निस्तारण में शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी।

जनता दर्शन में पुलिस से जुड़ी कई शिकायतें मिलीं, जिस पर मुख्यमंत्री काफी सख्त रहे। उन्होंने कहा कि अपराधियों पर कार्रवाई और आरोपियों की गिरफ्तारी में शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी। आरोपियों की गिरफ्तारी न होने और मुकदमे में दबाव जैसी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने शासन स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन जनपदों में ऐसे मामले अधिक आ रहे हैं, वहां के पुलिस कप्तान की जवाबदेही तय की जाए। सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी समस्या का शीघ्रता से निराकरण किया जाए।

मुख्यमंत्री ने राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने पारिवारिक विवादों के समाधान के लिए पहले परस्पर संवाद और फिर विधिक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की समस्याओं का निस्तारण तत्परता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता से किया जाए। हर समस्या का समाधान गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए।

विद्यालयों से घर-घर पहुंचेगा राष्ट्रभक्ति का संदेश, 'हर घर तिरंगा' अभियान शुरू

- 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस'
- प्रतियोगिताएं, प्रभात फेरियां, तिरंगा यात्राएं और जनजागरूकता कार्यक्रम होंगे आयोजित

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के विद्यालय इस बार राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और जनभागीदारी के सबसे बड़े केंद्र बनेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने 14 अगस्त के 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' और 15 अगस्त तक चलने वाले 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' को विद्यालयों के माध्यम से जनआंदोलन का स्वरूप देने की व्यापक तैयारी पूरी कर ली है। बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग ने इसके लिए विस्तृत कार्ययोजना जारी करते हुए प्रदेशभर के विद्यालयों में विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अभियान के माध्यम से राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता, संविधान के प्रति सम्मान और तिरंगे के गौरव का संदेश घर-घर पहुंचाया जाएगा।

अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार अभियान का उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस को जनभागीदारी, राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय चेतना का व्यापक जन अभियान बनाना है। इसके अंतर्गत सभी बेसिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में निर्धारित कार्यक्रमों का समयबद्ध आयोजन सुनिश्चित किया जाएगा। प्रत्येक गतिविधि में विद्यार्थियों की अधिकतम भागीदारी, सामुदायिक सहयोग और राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। 14 अगस्त को प्रदेश के सभी विद्यालयों में 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मनाया जाएगा।

विद्यार्थियों को भारत विभाजन की ऐतिहासिक परिस्थितियों, उसके मानवीय प्रभाव तथा राष्ट्रीय एकता के महत्व से परिचित कराया जाएगा। विद्यालयों में विशेष व्याख्यान, परिचर्चा, प्रदर्शनी और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होंगे, ताकि नई पीढ़ी इतिहास से सीख लेकर राष्ट्रीय अखंडता, सामाजिक समरसता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति संवेदनशील बने। 15 अगस्त तक चलने वाले 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' के अंतर्गत विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया जाएगा। विद्यालय अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार का केंद्र बनेंगे और स्थानीय समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करेंगे, ताकि तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रगौरव का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में निबंध, चित्रकला, प्रश्नोत्तरी, देशभक्ति गीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रभात फेरी, तिरंगा यात्रा तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

विद्यार्थियों को राष्ट्रीय ध्वज संहिता, संविधान में निहित मूल कर्तव्यों तथा राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की भूमिका से भी परिचित कराया जाएगा, ताकि उनमें राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व और गौरव की भावना और अधिक सशक्त हो। अभियान से जुड़ी गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार डिजिटल एवं सोशल मीडिया माध्यमों से भी किया जाएगा। विद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि कार्यक्रमों के फोटो एवं वीडियो निर्धारित माध्यमों पर साझा किए जाएं। साथ ही विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को 'हर घर तिरंगा' अभियान के आधिकारिक डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया जाएगा। संदीप सिंह, बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान नई पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और संविधान के प्रति सम्मान के संस्कार विकसित करने का सशक्त माध्यम है। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक विद्यार्थी तिरंगे के सम्मान, स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों और विकसित भारत के संकल्प से जुड़े।

प्राचीन धरोहरों को संवार कर पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

लखनऊ। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि लखनऊ मंडल के धार्मिक स्थलों, ऐतिहासिक धरोहरों और पुरातात्विक स्थलों को विकसित कर प्रदेश में पर्यटन को नई गति दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्यटन विकास से जुड़ी परियोजनाओं को तय समय सीमा में पूरा किया जाए, ताकि आस्था और विरासत से जुड़े स्थलों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल सके।

पर्यटन मंत्री ने सोमवार को मंडलायुक्त लखनऊ सभागार में लखनऊ मंडल के अंतर्गत आने वाले जिलों में संचालित पर्यटन एवं संस्कृति विभाग की परियोजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना और विधानसभा वार प्राप्त पर्यटन विकास प्रस्तावों की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि 1.50 करोड़ रुपये तक की लागत वाली विकास परियोजनाओं को आगामी नवंबर तक हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के शुभारंभ के अवसर पर क्षेत्रीय सांसद, विधायक और विधान परिषद सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

भाजपा ने जनता के विश्वास को ठगा : अखिलेश यादव

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को बयान जारी कर कहा कि भगवान को नचाने का अहंकार रखने वालों को भगवान ने ही नचा दिया। अपने को भगवान से ऊपर समझने वालों को भगवान ने चलती गाड़ी से नीचे उतार दिया है और साथ ही उनके घमंड का बुखार भी। उन्होंने कहा कि ये युवाओं की एकता और उनके अभिभावकों के आक्रोश का संयुक्त परिणाम है क्योंकि वोट चोरी, पेपर चोरी, चढ़ावा-चंदा-दान चोरी, नौकरी चोरी, आरक्षण चोरी, कमीशनखोरी, पीडीए पर अत्याचार, घोर भ्रष्टाचार, महंगाई की मार, मिलावट के सरकारीकरण, माताओं-बेटियों तक का अपमान, देश के जेन जी पर हर तरह से प्रहार भाजपा ने इन सभी तरीकों से जनता के विश्वास और आस्था तक को ठगा है।

अखिलेश यादव अब तो भाजपा वाले भी अपने ही किसी का इस्तीफा मांगेंगे क्योंकि जो अपनी ही विधानसभा हार गये उनके भरोसे नाव कैसे पार होगी। दरअसल ये हार उनकी है जिन्होंने उनको चुना था या कहे संगठन पर अपनी मर्जी की तरह थोपा था। अब तो कोई ये भी नहीं कह सकता है कि भाजपा में इस्तीफे नहीं होते हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि सबसे ज्यादा खुश तो उप्र में वो हैं, जिनको पीडीए समाज का होने की वजह से राष्ट्रीय स्तर का पद न देकर राज्य स्तर का पद दिया गया था। आज तो वो भी मुस्कुराकर पूछ रहे हैं रू 5 बड़ा या 7। वैसे जनता ये भी कह रही है कि जब राष्ट्रीय अध्यक्ष विधानसभा नहीं जिता पाये तो राज्य-अध्यक्ष तो विधानसभा लड़वा भी नहीं पाएंगे। ये डबल इंजन की डबल हार है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की हार मतलब बदलाव की शुरूआत! भाजपा की सबसे सुरक्षित और परंपरागत सीटें भी अब उनकी हार नहीं बचा पाएंगी। अब भाजपा का संकट हार से बढ़कर इस बात का होगा कि उनका टिकट लेने वाला ड्रोन और दूरबीन से भी ढूंढे नहीं मिलेगा।

आसपा व भाजपा के नेताओं ने ली कांग्रेस की सदस्यता

- कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी राजेन्द्र पाल गौतम के समक्ष ग्रहण की पार्टी की सदस्यता

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। कानपुर नगर एवं कानपुर देहात, लखनऊ के युवाओं एवं पदाधिकारियों ने आजाद समाज पार्टी और भारतीय जनता पार्टी छोड़कर कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय में प्रदेश प्रभारी राजेन्द्र पाल गौतम के समक्ष पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश कांग्रेस के ज्वाइनिंग प्रभारी नितिन शर्मा ने सदस्यता ग्रहण करने वालों को विधिवत कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलायी।

आजाद समाज पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने वालों में प्रमुख रूप से कानपुर ग्रामीण के फौजी भारत भूषण संखवार पूर्व जिलाध्यक्ष आजाद समाज पार्टी के नेतृत्व में सैंकड़ों युवाओं, महिलाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की जिनमें कानपुर देहात के प्रदीप संखवार पूर्व जिलाध्यक्ष आजाद समाज पार्टी, सुनील कोरी पूर्व कानपुर महानगर अध्यक्ष, रमाशंकर अम्बेडकर, धीरेन्द्र अम्बेडकर, रामकृपाल संखवार, राजेश राघव निषाद, राजेन्द्र कुमार संखवार, अमित कुमार संखवार, रवीन्द्र नाथ, पंकज गौतम, नीरज गौतम, सुरेन्द्र कुमार संखवार, सीताराम संखवार, एडवोकेट नौसाद आलम, अमन सैनी, विक्रम, अनमोल गौतम, शैलेन्द्र, नितीश कुमार, मो. अकरम, मोहम्मद बाबू, मोहम्मद मुजीब, अनुज प्रकाश, पंकज कुमार, मनोज कुमार कोरी, एडवोकेट संजय कोरी आदि आजाद समाज पार्टी के पदाधिकारियों ने अपने सैंकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

इसी क्रम में कानपुर नगर के भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा छोड़कर उप्र कांग्रेस कमेटी की निवर्तमान प्रदेश सचिव अर्चना राठौर के नेतृत्व में प्रांजुल पाण्डेय, आशीष यादव, आलोक तिवारी, विनय यादव आदि ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

इसी प्रकार जनपद लखनऊ के युवा विशाल यादव ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। राजेन्द्र पाल गौतम ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने वालों का पार्टी में स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि जिस प्रकार लगातार भारी संख्या में विभिन्न दलों को छोड़कर प्रदेश के हर जनपद से हर वर्ग के युवा, महिलाएं कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं उससे पार्टी को मजबूती मिलेगी।

2027 में पुनः एनडीए सरकार बनाने का लिया गया संकल्प

रायबरेली। रालोद के राष्ट्रीय महासचिव एवं केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य अनिल दुबे का सोमवार को रायबरेली आगमन पर पार्टी पदाधिकारियों और प्रमुख कार्यकर्ताओं द्वारा ढोल-नगाड़ों और फूल-मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। इसके बाद आयोजित 'चाय पर जन संवाद' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने उपस्थित जनसमूह और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने संगठन की मजबूती पर बल देते हुए कहा कि रालोद का एक-एक कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा के साथ जमीन पर काम कर रहा है। उन्होंने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अभी से प्राण प्राण से जुटने

के लिए स्पष्ट रूप से कहा, वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में पुनः प्रचंड बहुमत के साथ एनडीए की सरकार बनाने के लिए रालोद पूरी तरह से कृतसंकल्पित है। केंद्र और राज्य की लोककल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। 'चाय पर जन संवाद' के दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों और कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुना और उनके त्वरित निस्तारण का भरोसा दिया। इस अवसर पर रालोद के प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह, जिलाध्यक्ष समरजीत सिंह, क्षेत्र के प्रमुख पदाधिकारी, युवा रालोद के नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संगठन के पेंच कसने में जुटा रालोद

- संगठन विस्तार और महिला सहभागिता पर विशेष मंथन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। रालोद के प्रदेश मुख्यालय पर सोमवार प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय एवं कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अनुपम मिश्रा की उपस्थिति में प्रदेश के समस्त क्षेत्रीय अध्यक्षों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने की रणनीति तय करना रहा। बैठक अत्यंत सकारात्मक एवं सफल रही। प्रदेश के सभी क्षेत्रीय अध्यक्षों ने उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता निभाई तथा संगठन की वर्तमान स्थिति और भविष्य की कार्योयोजना पर गंभीरता से चर्चा की।

बैठक के दौरान क्षेत्रीय अध्यक्षों से उनके-अपने क्षेत्रों के संगठनात्मक कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। इसके साथ ही सभी क्षेत्रीय अध्यक्षों की लिखित परीक्षा भी आयोजित की गई, जिसके माध्यम से उनके क्षेत्र की संगठनात्मक जानकारी, स्थानीय परिस्थितियों तथा कार्यप्रणाली की समझ का आकलन किया गया।

कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अनुपम मिश्रा ने प्रत्येक क्षेत्रीय अध्यक्ष से व्यक्तिगत रूप से उनके अब तक के कार्यकाल की समीक्षा की। उन्होंने सभी क्षेत्रीय अध्यक्षों को निर्देशित किया कि महिलाओं को अधिक से अधिक जिम्मेदारियां देकर संगठन में उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय ने कहा कि रालोद आगामी समय में संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के लिए निरंतर समीक्षा बैठकों का आयोजन करेगा। उन्होंने सभी क्षेत्रीय अध्यक्षों को निर्देशित किया कि अपने क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी जिलों, शहरों एवं महानगर इकाइयों का विस्तार करते हुए संगठन को चुस्त-दुरुस्त बनाया जाए।

कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अनुपम मिश्रा ने कहा कि संगठन में कार्य करने वालों को ही प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक पदाधिकारी के कार्यों की नियमित समीक्षा होगी तथा संगठन की मजबूती के लिए जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने क्षेत्रीय अध्यक्षों से उनके क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न राजनीतिक एवं संगठनात्मक मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में सभी क्षेत्रीय अध्यक्षों ने अपने-अपने क्षेत्रों की संगठनात्मक स्थिति, चुनौतियों तथा आगामी कार्ययोजना से प्रदेश नेतृत्व को अवगत कराया। इस दौरान संगठन के विस्तार, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने, महिला सहभागिता बढ़ाने, विभिन्न प्रकोष्ठों के गठन तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी विस्तृत विचार-विमर्श हुआ।

बैठक के अंत में प्रदेश नेतृत्व ने स्पष्ट किया कि संगठन को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से भविष्य में भी इस प्रकार की समीक्षा एवं मूल्यांकन बैठकों का क्रम निरंतर जारी रहेगा। बैठक में संतकबीर क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष विवेक चौधरी, प्रयाग क्षेत्र के अध्यक्ष डॉ राघवेंद्र सिंह, अवध क्षेत्र के अध्यक्ष चौधरी राम सिंह पटेल, रुहेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष रामवीर सिंह, तराई क्षेत्र के अध्यक्ष पीके पाठक, काशी क्षेत्र के अध्यक्ष राम आसरे विश्वकर्मा, बुंदेलखंड के अध्यक्ष मुन्ना लाल दिनकर, वरिष्ठ नेता नेता अंकुर सक्सेना छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष अमन पाण्डेय मौजूद रहे।

एलडीए ने विजिलेंस को सौंपी टॉप-50 शिकायतकर्ताओं की सूची

आईजीआरएस पत्रावलियां और सीसीटीवी फुटेज भी जांच एजेंसी को देगा प्राधिकरण

- गिरफ्तार अवर अभियंता दिनेश कुमार वर्मा निलंबित

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने अवैध निर्माणों की लगातार शिकायतें करने वाले टॉप-50 पेशेवर शिकायतकर्ताओं की सूची उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) को सौंप दी है। रिश्वत प्रकरण की जांच को प्रभावी बनाने के लिए एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने एक कमेटी का गठन किया है, जो विजिलेंस को आवश्यक दस्तावेज और सूचनाएं उपलब्ध कराने में सहयोग करेगी। उधर, रिश्वत प्रकरण में गिरफ्तार किए गए लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के अवर अभियंता दिनेश कुमार वर्मा पर शासन ने कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया है। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने आरोपी अवर अभियंता के निलंबन की संस्तुति शासन को भेजी थी। इसके बाद प्रमुख सचिव आवास पी. गुरु प्रसाद ने निलंबन आदेश जारी करते हुए दिनेश कुमार वर्मा को निदेशक, आवास बंधु कार्यालय से संबद्ध कर दिया है। शासन ने मामले की विभागीय जांच की जिम्मेदारी कानपुर मंडल के आवास आयुक्त (प्रशासन) को सौंपी है। जांच अधिकारी की ओर से आरोपों की विस्तृत जांच कर रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि सोमवार को विजिलेंस टीम ने प्रकरण से संबंधित आईजीआरएस शिकायतों की पत्रावलियां मांगी थीं। इसके लिए सचिव विवेक श्रीवास्तव की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई है। यह कमेटी 24 घंटे के भीतर जांच से जुड़ी सभी आवश्यक जानकारियां और दस्तावेज उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार या किसी भी अनियमित गतिविधि में संलिप्त पाए जाने वाले अधिकारी और कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रिश्वत प्रकरण में गिरफ्तार प्रवर्तन जोन-5 में तैनात पंप ऑपरेटर चंद्र प्रकाश को निलंबित किया जा चुका है, जबकि आरोपी अवर अभियंता दिनेश कुमार वर्मा के निलंबन की संस्तुति करते हुए शासन को पत्र भेजा गया है। एलडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि प्रवर्तन अनुभाग के सभी अधिकारियों, अभियंताओं और कर्मचारियों के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। इसमें निर्देश दिए गए हैं कि आईजीआरएस समेत अन्य माध्यमों से प्राप्त अवैध निर्माण संबंधी शिकायतों की गहन जांच के बाद ही कार्रवाई की जाए। उन्होंने शिकायत करने वाले टॉप-50 शिकायतकर्ताओं के नाम और मोबाइल नंबर भी विजिलेंस को उपलब्ध करा दिए गए हैं, ताकि पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा सके।

सीसीटीवी फुटेज से बिचौलियों की होगी पहचान : विजिलेंस ने एलडीए कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी मांगी है। घटना वाले दिन सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक की फुटेज उपलब्ध कराई जा रही है। एलडीए अधिकारियों के अनुसार, फुटेज के माध्यम से प्रवर्तन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के संपर्क में रहने वाले बिचौलियों तथा संदिग्ध लोगों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

एलडीए में घूसकांड के बाद सभी प्रवर्तन जोन के अधिकारी बदले

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) में इंजीनियर और कर्मचारियों पर अवैध वसूली के आरोपों के बाद प्रशासनिक स्तर पर बड़ा बदलाव किया गया है। 7.30 लाख रुपये की कथित रिश्वत लेते इंजीनियर के पकड़े जाने के बाद एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने सभी प्रवर्तन जोन के अधिकारियों का फेरबदल कर दिया है।

प्राधिकरण में इस बदलाव को केवल सामान्य तबादला नहीं, बल्कि अवैध निर्माण और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण की दिशा में उठाए गए कदम के रूप में देखा जा रहा है। एलडीए के जोनल अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध निर्माणों की निगरानी, सीलिंग और ध्वस्तीकरण जैसी कार्रवाई के लिए जिम्मेदार होते हैं। ऐसे में प्रवर्तन व्यवस्था में यह बदलाव काफी अहम माना जा रहा है। नए आदेश के अनुसार विशेष कार्याधिकारी रवि नंदन सिंह को जोन-1 की जिम्मेदारी दी गई है। इससे पहले वह जोन-2 और जोन-5 का कार्यभार संभाल रहे थे। वहीं विशेष कार्याधिकारी देवांश त्रिवेदी को जोन-2 की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

स्मारक समिति के प्रबंधक मान सिंह को पहली बार एलडीए में जोनल अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें जोन-3 का प्रभार सौंपा गया है। इसके अलावा अतुल कृष्ण सिंह को जोन-4, नजूल अधिकारी प्रभाकर सिंह को जोन-5, विहित प्राधिकारी विपिन शिवहरे को जोन-6 और उप सचिव माधवेश कुमार को जोन-7 का दायित्व दिया गया है। एलडीए में लंबे समय से अवैध निर्माणों को लेकर शिकायतें आती रही हैं।

जलकल कर्मचारियों की न्यूनतम मजदूरी लागू करने की मांग

- जीएम को सौंपा मांगपत्र, समय पर समाधान न होने पर आंदोलन की दी चेतावनी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। जलकल, नगर निगम नियमित एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ, लखनऊ ने सोमवार को महाप्रबंधक, जलकल विभाग को संयुक्त मांगपत्र सौंपकर आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को शासनादेश के अनुरूप न्यूनतम मजदूरी तथा नियमित कर्मचारियों की लंबित पदोन्नति तत्काल लागू किए जाने की मांग की।

संघ ने मांग की कि श्रम विभाग, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्धारित 500.23 प्रतिदिन की न्यूनतम मजदूरी का लाभ जलकल विभाग में कार्यरत सभी पात्र आउटसोर्सिंग एवं अकुशल श्रमिकों को तत्काल प्रभाव से दिया जाए। साथ ही 17 अप्रैल 2026 से वेतन/मानदेय का पुनर्निर्धारण कर समस्त बकाया एरियर का भुगतान सुनिश्चित किया जाए तथा सेवा प्रदाता एजेंसियों द्वारा किसी भी प्रकार की अवैध कटौती पर प्रभावी रोक लगाई जाए। मांगपत्र में नियमित कर्मचारियों की लंबित पदोन्नति प्रक्रिया को भी शीघ्र पूरा करने की मांग की गई है।

संगठन ने विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक तत्काल आयोजित कर पदोन्नति आदेश जारी करने, नियमानुसार वेतन निर्धारण, एरियर और अन्य सेवा लाभ उपलब्ध कराने तथा सभी लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने का आग्रह किया। संघ का कहना है कि दोनों मुद्दे कर्मचारियों के वैधानिक एवं सेवा संबंधी अधिकारों से जुड़े हैं और शासनादेशों का पालन करते हुए विभाग को शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई करनी चाहिए। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों का समय पर समाधान नहीं किया गया तो कर्मचारियों के हित में लोकतांत्रिक एवं वैधानिक आंदोलन शुरू किया जाएगा।

वायरल के साथ मियादी बुखार का कहर, अस्पतालों में बढ़े मरीज

लखनऊ। वायरल के साथ ही इन दिनों मियादी बुखार का प्रकोप बढ़ने लगा है। राजधानी के प्रमुख सरकारी समेत अन्य सरकारी अस्पतालों में ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ गयी है। विशेषज्ञ डाक्टरों ने सतर्कता बरतने की अपील की है। स्वच्छ व अनुशासित खानपान की सलाह भी दी है। बलरामपुर अस्पताल की ओपीडी में सोमवार को दोपहर 12 तक सौ से अधिक वायरल फीवर से पीड़ित मरीज पहुंचे। कइयों की हालत ठीक न होने पर अस्पताल में मरीज बुखार व पेट दर्द से पीड़ित होकर भर्ती हुए। इसी प्रकार सिविल अस्पताल अस्पताल की इमरजेंसी आठ मरीज भर्ती हुए, जो राजधानी के विभिन्न इलाकों के रहने वाले थे। महानगर स्थित भाऊराव देवरस अस्पताल पहुंचे मरीजों का कहना था कि बारिश के मौसम में जगह-जगह हुए जलभराव में पनपे मच्छर अब डंक मारने लगे हैं। इसकी वजह से लोग संक्रामक बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। इसके चलते ओपीडी पंजीकरण काउंटर पर मरीजों की भारी भीड़ दिखी।

लोहिया संस्थान में चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने को स्कोप की शुरुआत

लखनऊ। डा. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में सोसाइटी फॉर क्लिनिकल, ऑन्कोलॉजी एंड पैथोलॉजी एजुकेशन फॉर एक्सीलेंस इन हेल्थकेयर (स्कोप) का सोमवार को औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर संस्था की आधिकारिक वेबसाइट तथा आगामी राष्ट्रीय सम्मेलन की वेबसाइट का भी लोकार्पण किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. सीएम सिंह ने डीन प्रो. प्रद्युम्न सिंह की उपस्थिति में निदेशक बोर्ड कक्ष में स्कोप का लोगो एवं वेबसाइट का अनावरण किया। समारोह में पैथोलॉजी विभाग के संकाय सदस्यों तथा संस्था के पदाधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर एसोसिएशन ऑफ बोन एंड सॉफ्ट टिश्यू पैथोलॉजिस्ट्स के द्वितीय द्विवार्षिक सीएमई एवं कार्यशाला की भी घोषणा की गई। यह सम्मेलन स्कोप के सहयोग से आयोजित होने वाला पहला प्रमुख शैक्षणिक कार्यक्रम होगा। जिसका आयोजन संस्थान की पैथोलॉजी विभाग द्वारा किया जाएगा। सम्मेलन में देश-विदेश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ बोन एवं सॉफ्ट टिश्यू पैथोलॉजी विषय पर व्याख्यान देंगे तथा वैज्ञानिक सत्र, बहुविषयक केस चर्चा एवं हैंड्स-ऑन कार्यशालाएँ आयोजित की जाएँगी। निदेशक प्रो सीएम सिंह ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के लिए विभिन्न विशेषज्ञताओं के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है।

कैंसर संस्थान में चिकित्सा सुविधाओं का होगा विस्तार

लखनऊ। चक गंजरिया स्थित कल्याण सिंह कैंसर संस्थान में डिजिटल पीईटी-सीटी स्कैन, साइबरनाइफ जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं जल्द ही चालू होंगी। बीमारी की सही स्टेज का पता लगाने में मदद मिलेगी। बिना बड़े ऑपरेशन के कई जटिल मरीजों का इलाज संभव होगा। इसी तैयारी का जायजा लेने के लिए सोमवार को अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा शिक्षा अमित कुमार घोष व सचिव नेहा शर्मा ने कैंसर संस्थान का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य सचिव ने न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग, साइबरनाइफ सिस्टम, ट्रीटमेंट प्लानिंग रूम और निमार्णाधीन टोमोथेरेपी परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा कर मरीजों के लिए जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने कहा कि पीईटी-सीटी, साइबरनाइफ और टोमोथेरेपी जैसी सुविधाएं शुरू होने के बाद उत्तर प्रदेश के कैंसर मरीजों को प्रदेश में ही विश्वस्तरीय, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध इलाज मिल सकेगा।

संदीप परमार ने संभाला विशेष सचिव का पदभार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन के माध्यमिक शिक्षा विभाग में कार्यरत अधिकारी संदीप परमार ने पदोन्नति के बाद सोमवार को विशेष सचिव, माध्यमिक

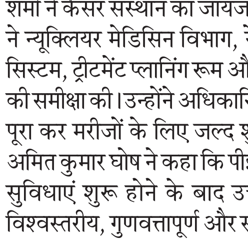

शिक्षा विभाग के पद पर अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विशेष सचिव संदीप परमार को नई प्रशासनिक जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल द्वारा सचिवालय सेवा के अधिकारियों को वर्तमान तैनाती के विभाग में ही विशेष सचिव के पद पर नियमित पदोन्नति की स्वीकृति प्रदान की गई है।

युवाओं को मिलेगा एआई आधारित प्रशिक्षण

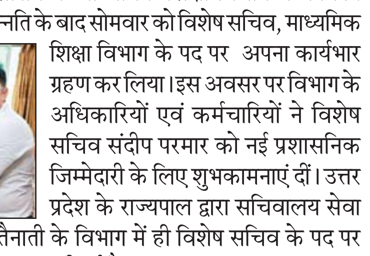

लखनऊ। प्रदेश के युवाओं को रोजगार, कौशल और आत्मनिर्भरता से जोड़ने के अभियान को नई गति देते हुए सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आईबीएम इंडिया सीएसआर के सहयोग से मेगा जॉब मेला-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम) एवं आईबीएम के मध्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान हुआ। इस साझेदारी के माध्यम से प्रदेश के प्रशिक्षण संस्थानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल स्किल्स, इंडस्ट्री-ओरिएंटेड प्रशिक्षण तथा रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों का विस्तार किया जाएगा, जिससे लाखों युवाओं को आधुनिक तकनीकों के अनुरूप दक्ष बनाया जा सकेगा। कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि युवा शक्ति को रोजगार और आत्मनिर्भरता से जोड़ना योगी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जनता जवाबदेही की राजनीति चाहती है : लोकदल

लखनऊ। बिहार के उपचुनाव में प्रशांत कुमार की जीत पर लोकदल अध्यक्ष सुनील सिंह ने कटाक्ष करते हुए बयान दिया कि घमंड की राजनीति करने वालों को भगवान ने बाहर का रास्ता दिखाना शुरू कर दिया है। अभी तो पिक्चर बाकी है। बिहार में भाजपा को लगा झटका इस बात का संकेत है कि युवा अपनी ताकत और लोकतांत्रिक शक्ति का एहसास करा रहे हैं। जनता अब अहंकार नहीं, जवाबदेही और जनहित की राजनीति चाहती है।

6,252 नवचयनित लेखपालों की विभागीय परीक्षा का परिणाम मंजूर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद ने सीधी भर्ती के माध्यम से चयनित 6,252 नवचयनित प्रशिक्षु लेखपालों की विभागीय अर्हकारी परीक्षा-2025 का परिणाम अनुमोदित कर दिया है। परिणाम के अनुमोदन के साथ ही नवचयनित लेखपालों की सेवा संबंधी आगे की प्रक्रिया तेज हो जाएगी। राजस्व परिषद के अनुसार, प्रशिक्षु लेखपालों को लखनऊ, आजमगढ़, मऊ, गोरखपुर, महोबा, प्रयागराज, बिजनौर, बरेली और फिरोजाबाद स्थित मंडलीय राजस्व प्रशिक्षण विद्यालयों में निर्धारित पाठ्यक्रम के तहत सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया था। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद विभागीय अर्हकारी परीक्षा आयोजित की गई थी।

परिषद ने सभी मंडलीय राजस्व प्रशिक्षण विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए हैं कि प्राप्तांकों के आधार पर नियमानुसार अंक-पत्र तैयार कर संबंधित जिलाधिकारियों के माध्यम से प्रशिक्षु लेखपालों को शीघ्र वितरित किए जाएं। राजस्व परिषद का मानना है कि बड़ी संख्या में प्रशिक्षित लेखपालों की उपलब्धता से भूमि अभिलेखों के रखरखाव, नामांतरण, सीमांकन, विरासत, अंश निर्धारण, त्रुटि सुधार तथा अन्य राजस्व मामलों के समयबद्ध और पारदर्शी निस्तारण में तेजी आएगी। राजस्व परिषद की अध्यक्ष अर्चना अग्रवाल ने सफल अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लेखपाल राजस्व प्रशासन और आम नागरिक के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने अपेक्षा जताई कि नवप्रशिक्षित लेखपाल आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए पारदर्शिता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे तथा राजस्व सेवाओं को अधिक सरल, सुलभ और जनहितकारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

जेवर में बनेगा अत्याधुनिक एवीजीएक्स-एक्सआर पार्क

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ/नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में राज्य सरकार अब डिजिटल क्रिएटिव और उभरती प्रौद्योगिकी आधारित उद्योगों पर भी विशेष फोकस कर रही है। इसी क्रम में यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (जेवर) और प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी के निकट अत्याधुनिक एवीजीएक्स-एक्सआर पार्क विकसित करने की दिशा में कार्य प्रारंभ कर दिया है। यह परियोजना उत्तर प्रदेश को एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और डिजिटल कंटेंट निर्माण के क्षेत्र में राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। साथ ही प्रदेश में उच्च कौशल आधारित रोजगार, निवेश और नवाचार को भी नई गति मिलेगी।

योगी सरकार ने एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स एवं एक्सटेंडेड रियलिटी को प्रदेश के फोकस सेक्टर के रूप में चिह्नित किया है। इसी रणनीति के तहत यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी के निकट यह पार्क विकसित कर रहा है। सरकार का उद्देश्य इस उभरते उद्योग को अत्याधुनिक अवसंरचना उपलब्ध कराकर घरेलू और वैश्विक कंपनियों को स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाना तथा युवाओं के लिए उच्च कौशल आधारित रोजगार के अवसर सृजित करना है।

प्रस्तावित एवीजीएक्स-एक्सआर पार्क को आधुनिक तकनीकों से लैस एकीकृत डिजिटल क्रिएटिव इकोसिस्टम के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां देश-विदेश की कंपनियों, स्टार्टअप्स, कंटेंट क्रिएटर्स और तकनीकी विशेषज्ञों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे उत्तर प्रदेश में डिजिटल मनोरंजन उद्योग, मीडिया एवं कंटेंट उत्पादन को नई ऊंचाई मिलेगी। प्रस्तावित पार्क में कई अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिनमें प्रमुख रूप से एनिमेशन स्टूडियो, विजुअल इफेक्ट्स (वीएफएक्स) स्टूडियो, गेम डेवलपमेंट एवं गेम डिजाइन सेंटर, मोशन कैप्चर स्टूडियो, वर्चुअल प्रोडक्शन सुविधाएं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित कंटेंट निर्माण केंद्र, एक्सटेंडेड रियलिटी, वर्चुअल रियलिटी (वीआर) व ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) लैब, डिजिटल मीडिया एवं इमर्सिव कंटेंट डेवलपमेंट सेंटर शामिल होंगे।

इन सुविधाओं के माध्यम से एनिमेशन फिल्म, वेब सीरीज, गेमिंग, विज्ञापन, डिजिटल शिक्षा, वर्चुअल ट्रेनिंग और इमर्सिव मीडिया जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं विकसित होंगी। एवीजीएक्स-एक्सआर पार्क के विकसित होने से हजारों युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। एनिमेशन, गेमिंग, ग्राफिक्स, विजुअल इफेक्ट्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और डिजिटल मीडिया जैसे क्षेत्रों में कुशल मानव संसाधन की मांग बढ़ेगी। इससे स्टार्टअप संस्कृति को भी प्रोत्साहन मिलेगा और घरेलू व विदेशी निवेश आकर्षित होगा।

गन्ना किसानों को शत-प्रतिशत भुगतान कर रही योगी सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में चीनी एवं गन्ना विकास मंत्री शक्ष्मी नारायण चौधरी ने दावा किया कि प्रदेश में गन्ना किसानों को हर पेराई सत्र में उनके गन्ने का शत-प्रतिशत भुगतान कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के शिए शगातार कदम उठाए जा रहे हैं।

विधान परिषद में प्रश्नकाश के दौरान समाजवादी पार्टी के सदस्य शाह आशम ने गन्ना किसानों के भुगतान और खरीद दरों को शेकर सवाश उठाया। इसके जवाा में गन्ना मंत्री ने ाताया कि पेराई सत्र 2025-26 से अगैती और सामान्य प्रजाति के गन्ने के मूश्य में 30 रुपये प्रति कुंतश की वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि इतनी वृद्धि देश के किसी अन्य राज्य में नहीं की गई है। मंत्री ने ाताया कि आजमगढ़ जिशे में भी गन्ना किसानों को शत-प्रतिशत भुगतान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूश्य समय पर मिशे और गन्ना उत्पादन से जुड़े किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गन्ना किसानों के हितों में शगातार निर्णय शे रही है और चीनी मिशों को भी समयाद्ध भुगतान के शिए निर्देशित किया गया है।

बीटीईयूपी ने घोषित किया परीक्षा का परिणाम

लखनऊ। प्राविधिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश ने सम सेमेस्टर/वार्षिक एवं विशेष बैक पेपर परीक्षा मई/जून-2026 का परिणाम घोषित कर दिया है। प्राविधिक शिक्षा परिषद के अध्यक्ष एवं प्रमुख सचिव, प्राविधिक शिक्षा विभाग डॉ. एम.के. शन्मुगा सुन्दरम्‌ने परिषद की परीक्षा समिति की संस्तुति के आधार पर सम सेमेस्टर (द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर) तथा वार्षिक परीक्षा के चयनित पाठ्यक्रमों का परिणाम घोषित करने का निर्णय लिया। प्राविधिक शिक्षा परिषद द्वारा 4 मई से 5 जून तक प्रदेश के 236 परीक्षा केंद्रों पर सम सेमेस्टर, वार्षिक एवं विशेष बैक पेपर परीक्षाएं शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराई गईं। इन परीक्षाओं में कुल 2,68,686 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे, जिनमें से सेमेस्टर प्रणाली के 1,24,671, वार्षिक प्रणाली के 1,27,304 तथा विशेष बैक पेपर के 16,711 परीक्षार्थी शामिल रहे।

घोषित परिणाम के अनुसार द्वितीय सेमेस्टर में 53,620 परीक्षार्थी शामिल हुए, जिनका उत्तीर्ण प्रतिशत 66.90 रहा। वहीं चतुर्थ सेमेस्टर में 40,646 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी, जिनका उत्तीर्ण प्रतिशत 90.85 दर्ज किया गया। वार्षिक परीक्षा के अंतर्गत इंडस्ट्रियल सेफ्टी पाठ्यक्रम का उत्तीर्ण प्रतिशत 84.42 रहा। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए अनुचित साधनों के प्रयोग के आरोपित 90 परीक्षार्थियों का परिणाम परीक्षा समिति के निर्णयानुसार रोक दिया गया है।

गंदगी और बदहाल पार्क देख भड़कीं महापौर, दो दिन में सुधार के निर्देश

- रामकी कंपनी पर लापरवाही के दो मामलों में 3 लाख का जुर्माना

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। महापौर सुषमा खर्कवाल ने सोमवार को इंदिरा नगर सेक्टर-सी क्षेत्र का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था, सीवर, पेयजल और पार्कों की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर गंदगी और पार्कों की बदहाल स्थिति मिलने पर उन्होंने अधिकारियों के प्रति नाराजगी जताई।

महापौर ने बताया कि क्षेत्र से लगातार सीवर और पेयजल संबंधी शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। निरीक्षण के बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी समस्याओं का दो दिनों के भीतर गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने और अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नियमित सफाई, समय पर कूड़ा उठान और पार्कों के बेहतर रखरखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए। इस दौरान महापौर ने स्थानीय नागरिकों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। नगर निगम ने सफाई व्यवस्था में लापरवाही बरतने पर रामकी कंपनी पर दो अलग-अलग मामलों में कुल 3 लाख का जुर्माना लगाया है।

पहला मामला इंदिरा नगर ए-ब्लॉक का है, जहां 30 जुलाई को निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था खराब मिली। जबकि क्षेत्र में विधायक ओ.पी. श्रीवास्तव के विकास कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम की पूर्व सूचना होने के बावजूद सफाई नहीं कराई गई। इस पर कंपनी पर 1 लाख का जुर्माना लगाया गया। दूसरा मामला 29 जुलाई का है, जिसमें देवा रोड पर रोक के बावजूद कूड़ा डंप किए जाने पर नगर निगम ने 2 लाख का जुर्माना लगाया। महापौर ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि शहर की सफाई और नागरिक सुविधाओं में लापरवाही करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

एडेड स्कूलों के रिटायर्ड शिक्षकों व कर्मियों को भी मिलेगा कैशलेस इलाज का लाभ!

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्याशयों के सेवानिवृत्त शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को कैशशेस इशाज की सुविधा देने का मुद्दा उठा। नेता सदन एवं उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने इस पर गंभीरता से विचार करने और जल्द निर्णय लेने का आश्वासन दिया। सोमवार को विधान परिषद में निर्दलाीय समूह के नेता राज बाहादुर सिंह चंदेल ने शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि एडेड माध्यमिक विद्याशयों में कार्यरत शिक्षणेत्तर कर्मचारियों और सेवानिवृत्त शिक्षक-कर्मचारियों को भी राज्य कर्मचारियों की तरह कैश्लेस चिकित्सा सुविधा का लाभ दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त शिक्षक और कर्मचारी ाेहतर इशाज की सुविधा से वंचित हैं। ऐसे में उन्हें भी स्वास्थ्य सुरक्षा के दायरे में शामिल करना जरूरी है। शिक्षक नेता ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने कहा कि जा राज्य कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद कैशलेस चिकित्सा सुविधा मिश रही है तो एडेड विद्यालयों के रिटायर्ड शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को भी यह सुविधा मिशनी चाहिए। इस पर नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार ने शिक्षकों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं और शगातार काम कर रही है। यदि कोई वर्ग सुविधा से वंचित रह गया है तो सरकार उस पर गंभीरता से विचार करेगी।

लखनऊ में डबल डेकर बसों से यात्रियों को राहत दैनिक यात्रियों का लाभ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा संचालित डबल डेकर बसें यात्रियों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इन बसों के संचालन से एक साथ अधिक यात्रियों को सफर की सुविधा मिल रही है, जिससे व्यस्त मार्गों पर भीड़ कम करने में मदद मिल रही है। इसके साथ ही शहर घूमने आने वाले पर्यटकों में भी डबल डेकर बसों का विशेष आकर्षण देखने को मिल रहा है।

परिवहन अधिकारियों के अनुसार डबल डेकर बसों में सामान्य बसों की तुलना में अधिक सीट क्षमता होने से एक फेरे में ज्यादा यात्रियों को यात्रा कराई जा सकती है। इससे पीक आवर्स के दौरान यात्रियों को बस मिलने में आसानी होती है और प्रतीक्षा समय भी घटता है। बसों में आरामदायक सीटें, बेहतर वेंटिलेशन, सीसीटीवी कैमरे, जीपीएस आधारित ट्रैकिंग, अग्निशमन यंत्र तथा आपातकालीन निकास जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। विभाग का कहना है कि इन बसों के संचालन से चारबाग, हजरतगंज, गोमतीनगर, इंदिरानगर और अन्य प्रमुख मार्गों पर सार्वजनिक परिवहन को मजबूती मिली है। यात्रियों का कहना है कि ऊपरी डेक से शहर का नजारा देखने का अलग अनुभव मिलता है, जिससे यह सेवा रोजमर्रा के सफर के साथ-साथ पर्यटन के लिए भी लोकप्रिय हो रही है।

केजीएमयू में यूपी के पहले बोन एवं टिश्यू बैंक की शुरुआत

- मरीजों को अब उच्च गुणवत्ता वाले बोन और टिश्यू ग्राफ्ट होंगे उपलब्ध

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा (केजीएमयू) के हड्डी रोग विभाग में सोमवार को यूपी के पहले बोन एवं टिश्यू बैंक का शुभारंभ कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने किया। इस सुविधा से जटिल हड्डी और टिश्यू संबंधी सर्जरी के लिए मरीजों को अब प्रदेश में ही उच्च गुणवत्ता वाले बोन और टिश्यू ग्राफ्ट उपलब्ध हो सकेंगे। इससे मरीजों को फायदा मिलेगा। अभी चिकित्सा शिक्षा विभाग में लाइसेंस के लिए आवेदन किया गया है। जिसे जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

लिम्ब सेंटर के चौथे तल पर सवा करोड़ की लागत से बोन एंड टिश्यू बैंक स्थापित किया गया है। केजीएमयू की कुलपति डा. सोनिया नित्यानंद ने कहा कि मरीजों को सुरक्षित बोन एवं टिश्यू ग्राफ्ट उपलब्ध होंगे और चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान तथा टिश्यू डोनेशन को नई दिशा मिलेगी। एलोग्राफ्ट उपलब्ध होने से कई मरीजों में शरीर से अतिरिक्त हड्डी निकालने की जरूरत कम होगी। जटिल ऑपरेशन की सफलता और मरीजों के पुनर्वास की गति बेहतर होगी।

हड्डी रोग विभाग के अध्यक्ष डा. आशीष कुमार ने बताया कि बोन एवं टिश्यू बैंक में हड्डी, लिगामेंट, टेंडन और अन्य मस्कुलोस्केलेटल टिश्यू के वैज्ञानिक संग्रह, प्रोसेसिंग, सुरक्षित संरक्षण और जरूरत के अनुसार वितरण की सुविधा देगा। इसका लाभ जटिल फ्रैक्चर, बड़े बोन डिफेक्ट, बोन ट्यूमर, रिवीजन जॉइंट रिप्लेसमेंट, स्पाइन सर्जरी, स्पोर्ट्स इंजरी, लिगामेंट रिकंस्ट्रक्शन और लिंब साल्वेज जैसी सर्जरी में मिलेगा। बोन एवं टिश्यू बैंक में क्लीन रूम, स्टरल प्रोसेसिंग यूनिट, लाइओफिलाइजर, माइनस 40 डिग्री और माइनस 80 डिग्री तापमान वाले डीप फ्रीजर, गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली और कोल्ड-चेन जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं तैयार हैं।

वैश्विक मंच पर आयुर्वेदिक शोध को नयी पहचान

लखनऊ। भारतीय आयुर्वेदिक अनुसंधान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में 'एनल्स ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन' को विश्व के प्रतिष्ठित बायोमेडिकल डेटाबेस एमबेस (एल्सेवियर) में सफलतापूर्वक इंडेक्स कर लिया गया है। यह उपलब्धि न केवल जर्नल की गुणवत्ता का अंतरराष्ट्रीय प्रमाण है, बल्कि आयुर्वेद के साक्ष्य-आधारित वैज्ञानिक साहित्य को वैश्विक चिकित्सा समुदाय तक पहुंचाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

विश्व के अग्रणी बायोमेडिकल एवं फार्मास्यूटिकल डेटाबेस में से एक है, जिसका उपयोग विश्वभर के चिकित्सक, शोधकर्ता, विश्वविद्यालय, अस्पताल, दवा उद्योग और स्वास्थ्य नीति-निमार्ता नवीनतम वैज्ञानिक शोध की खोज और विश्लेषण के लिए करते हैं। एमबेस (एल्सेवियर) में इंडेक्सिंग के बाद 'एनल्स ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन' में प्रकाशित शोध लेख अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक व्यापक रूप से उपलब्ध होंगे।

बलरामपुर अस्पताल में प्रशासनिक अधिकारी की तरह अब सीनियर डाक्टर भी करेंगे निरीक्षण

- हर दिन बदलेगी डाक्टरों की विशेष ड्यूटी, तीन बार होगा अस्पताल का राउंड

विजयकांत मिश्र

लखनऊ। मरीजों को बेहतर इलाज और पारदर्शी चिकित्सा व्यवस्था देने के लिए बलरामपुर अस्पताल में सख्त मॉनिटरिंग शुरू की गई है। यह राजधानी का पहला प्रमुख सरकारी अस्पताल है, जहां रोजाना 3 बार राउंड की व्यवस्था लागू की गई है। अस्पताल में 753 बेड क्रियाशील हैं। अस्पताल के नये निदेशक डा. बीकेएस चौहान ने गत रविवार को लंबे समय से बंद पड़ी संडे राउंड की व्यवस्था को फिर से शुरू किया। उनके साथ मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने भी अस्पताल का निरीक्षण किया। निदेशक ने नर्सिंग स्टाफ को निर्देश दिये हैं कि हर मरीज की भर्ती की तारीख, बीमारी, इलाज और संबंधित पूरी जानकारी नर्सों को होनी चाहिए। अब नयी व्यवस्था के तहत रोजाना तीन बार अस्पताल का राउंड किया जाएगा। सुबह, शाम के अतिरिक्त देर रात 12 से 1 बजे के बीच निदेशक खुद इमरजेंसी, आईसीयू और नाइट ड्यूटी की औचक जांच करेंगे।

सीनियर डाक्टर भी प्रशासनिक अधिकारियों की तरफ राउंड करेंगे। उनकी हर दिन ड्यूटी बदलेगी। दिन के राउंड में हृदय रोग, सांस रोग, फिजीशियन, आर्थोपेडिक के सीनियर डाक्टर राउंड लेंगे और रिपोर्ट सीधे निदेशक को देंगे। अस्पताल के निदेशक डा. बीकेएस चौहान ने बताया कि बेहतर मॉनिटरिंग से चिकित्सा सेवाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। जब सीनियर डाक्टर खुद निरीक्षण करेंगे तो सहगता से जमीनी हकीकत सामने आएगी, क्योंकि ज्यादातर कर्मचारियों को इसका पता नहीं है कि डाक्टर आखिर राउंड पर क्यों आएं हैं।

एमआरआई की सुविधा जल्द शुरू होने की उम्मीद बढ़ी: बलरामपुर अस्पताल में एमआरआई मशीन लगने की उम्मीद बढ़ गयी है। पहले ही मशीन की खरीद के लिए बजट पास हो चुका है। यूपी ड्रग कारपोरेशन के जरिए मशीन की खरीद होगी। अस्पताल के सीनियर डाक्टर मशीन के लिए दो बार कोटेशन दे चुके हैं। एमआरआई भवन बनकर तैयार है। अस्पताल के निदेशक डा. बीकेएस चौहान ने डाक्टरों के साथ बैठक कर खरीद प्रक्रिया की प्रगति की समीक्षा की और जल्द पड़ताल कराने की बात कही।

प्रशासन का मानना है कि नियमित राउंड और नई मशीनों से अस्पताल में मरीजों को और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेंगी। उल्लेखनीय है कि औसतन, यहां प्रतिदिन 10 मरीजों को एमआरआई जांच कराने की सलाह दी जाती है। जांच मशीन के अभाव में डाक्टर मरीजों को किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी या राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भेज देते हैं, जहां सरकारी क्षेत्र में ही मरीजों को यह सुविधा उपलब्ध है।

महत्वपूर्ण नंबर
वूमेन पावर लाइन 1090
पुलिस 100
2629999
पुलिस स्टेशन गंज 2622556

फायर स्टेशन
हजरतगंज- कंट्रोल रूम
9454418642
गोमती नगर-9454418657

एम्बुलेंस
मेडिकल सेवा- 102, 108

दहेज प्रताड़ना की हर शिकायत को गंभीरता से लें परिवार : हाईकोर्ट

हाईकोर्ट ने कहा- बेटी की गुहार को सामान्य वैवाहिक विवाद मानकर नजरअंदाज न करें, समय रहते हस्तक्षेप से बच सकती है जान

विधि संवाददाता (vol)

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने दहेज हत्या के एक मामले में महत्वपूर्ण सामाजिक टिप्पणी करते हुए कहा है कि दहेज प्रताड़ना की शिकायत लेकर बार-बार मायके पहुंचने वाली बेटी की बात को सामान्य वैवाहिक विवाद मानकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उसकी शिकायत मदद, सुरक्षा और समय पर हस्तक्षेप की वास्तविक पुकार हो सकती है।

कोर्ट ने कहा कि परिवार की नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है कि वह बेटी की बात पर विश्वास करे और उसकी सुरक्षा व सम्मान सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाए। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चैहान और न्यायमूर्ति अवधेश कुमार चैधरी की पीठ ने श्रावस्ती के वर्ष 2011 के दहेज हत्या मामले में दोषियों की ओर से दाखिल अपराधिक अपील पर फैसला सुनाते हुए यह टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि अक्सर दहेज उत्पीड़न की शिकार महिलाओं को परिवार की ओर से समझौता कर लो, समायोजन कर लो या घर बचा लो की सलाह दी जाती है। ऐसी सलाह कई बार अनजाने में उत्पीड़न करने वालों का हौसला बढ़ा देती है और पीड़िता को लगातार प्रताड़ना झेलने के लिए मजबूर करती है। मामले में समय रहते हस्तक्षेप होता तो जान बचाई जा सकती थी। अपने फैसले में पीठ ने लिखा है कि न्यायिक प्रक्रिया के जरिये दोषियों को सजा दिलाना जरूरी है, लेकिन यह उस समय किए जाने वाले हस्तक्षेप का विकल्प नहीं हो सकता, जिससे किसी महिला की जान बचाई जा सकती थी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आईपीसी की धारा 498ए और 304बी का उद्देश्य केवल अपराध होने के बाद दोषियों को दंडित करना नहीं, बल्कि ऐसे अपराधों को रोकना और विवाहित महिलाओं को प्रभावी कानूनी सुरक्षा देना भी है। कोर्ट ने कहा कि दहेज जैसी सामाजिक बुराई से मुकाबला केवल अदालतों के जरिए नहीं किया जा सकता। परिवार, रिश्तेदार, समुदाय और समाज सभी की साझा जिम्मेदारी है कि किसी महिला को चुपचाप उत्पीड़न सहने के लिए मजबूर न किया जाए। उसकी हर शिकायत पर समय रहते ध्यान दिया जाए और समस्या का प्रभावी समाधान तलाशा जाए। कोर्ट ने कहा कि कोई भी न्यायिक फैसला खोई हुई जिंदगी वापस नहीं ला सकता। इसलिए बेटी की मदद की पुकार को त्रासदी में बदलने से पहले सुनना जरूरी है।

मामले में हाईकोर्ट ने मृतका के पति दिनेश कुमार व परिवारजन शेषराज, ननबाबू, बडे.लाल कोरी और बिट्टा देवी की धारा 304बी, 498ए आईपीसी तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा चार के तहत दोषसिद्धि बरकरार रखी। हालांकि कोर्ट ने धारा 304बी में सुनाई गई उम्रकैद को आरोपितों द्वारा पहले ही जेल में बिताई गई अवधि में बदल दिया। कोर्ट ने माना कि इस मामले में ट्रायल कोर्ट ने उम्रकैद देने के लिए पर्याप्त कारण नहीं बताए थे। धारा 304बी में सात वर्ष से लेकर उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है और हर मामले में स्वतः उम्रकैद देना अनिवार्य नहीं है। कोर्ट ने यह भी पाया कि आरोपितों का कोई पूर्व आपराधिक इतिहास नहीं था और उन्होंने लंबी अवधि तक जेल में सजा काटी। पति दिनेश और शेषराज 17 वर्ष से अधिक, ननबाबू 14 वर्ष से अधिक, बडे.लाल करीब 13 वर्ष तथा बिट्टा देवी करीब नौ वर्ष की अवधि सजा और रिमिशन सहित भुगत चुके थे। इसके बाद कोर्ट ने दिनेश, शेषराज और ननबाबू को तत्काल रिहा करने का निर्देश दिया, यदि वे किसी अन्य मामले में वांछित न हों। बडे.लाल और बिट्टा देवी पहले से जमानत पर थे।

मामले में सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया था कि मृतका मीना देवी ने अपनी भाभी, भाई और मां को दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित किए जाने की जानकारी दी थी। अदालत ने पाया कि घटना से करीब आठ-दस दिन पहले भी मीना ने फोन पर रोते हुए बताया था कि ससुराल वाले एक लाख रुपये और मोटरसाइकिल की मांग कर रहे हैं तथा मांग पूरी नहीं होने पर मां-बेटी को काट डालने की धमकी दे रहे हैं। इसके बावजूद परिवार की ओर से उसे कुछ समय तक परिस्थितियों को सहने और समझौता करने की सलाह दी गई।

कांवड़ियों के वेश में अराजकतत्वों ने किया स्कूल वैन पर पथराव

लखनऊ। चौक थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह कांवड़ियों के वेश में आए अराजकतत्वों ने स्कूली वैन पर पथराव किया। पथराव में वैन के शीशे टूट गए, लेकिन बच्चे चोटिल होने से बाल-बाल बचे। अचाक हुई इस घटना से क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। अराजकता देख लोग दौड़े पुलिस पहुंची तो हमलावर भाग निकले। कुछ देर बाद घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर विडियो वायरल हो गया। पुलिस अधिकारियों ने इस मामले में इंस्पेक्टर चौक नागेश उपाध्याय को कठोर कार्रवाई का निर्देश दिया है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो अराजकता के साक्ष्य मिले। हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें दबिश दे रही हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सुबह आधा दर्जन से ज्यादा बाइकों पर सवार लोग रंग साइड जा रहे थे। स्कूल वैन के चालक ने उन्हें रोका। दोनों पक्षों में विवाद होने लगा। बाइक सवार लोग कावंड़ियों के वेश में थे। उन्होंने वैन चालक को जमकर पीटा और वैन पर पथराव किया। लाठियां मारकर शीशे तोड़ दिए। वैन में अंदर बैठे बच्चे सहम गए। वह चीख-पुकार करने लगे। राहगीर दौड़े पुलिस पहुंची हमलावर भाग निकले। सूचना पर बच्चों के परिवारीजन पहुंच गए। उन्होंने कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। चौक इंस्पेक्टर ने बताया कि अभी इस मामले में पुलिस को कोई तहरीर नहीं मिली है। बच्चे निजी विद्यालय के थे। वैन चालक को बुलाया गया है। उससे तहरीर लेकर हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा। हमलावरों की तलाश में पुलिस की दो टीमें दबिश दे रही हैं।

चंदर नगर व्यापार मण्डल का आरोप बिजली कैंप में नही हो रहा है समाधान

लखनऊ। चंदरनगर विद्युत उपकेंद्र पर सोमवार को उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन की ओर से विधुत बिलिंग समस्या निवारण कैंप लगाया गया। इस दौरान चंदर नगर उपकेंद्र एसडीओ भूषण प्रधान सहित बिलिंग जेई बहादुर राम कर्मचारियों के साथ कैंप मे उपस्थित रहे। इस बिजली बिलिंग समस्या निवारण कैंप में नटखेड़ा रोड युवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष मनीष अरोड़ा व्यापारियों संतोष तिवारी, उपकार सिंह, मोहन जेठानी समेत अन्य लोगों के साथ पहुंच दुकानों के बाहर खुले पड़े जीटी बॉक्स पर तत्काल ढक्कन लगाने की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई। वही शिविर कैंप मे शिकायत दर्ज कराने पहुंचे व्यापारियों ने बताया नटखेड़ा रोड स्थित गोबिंद गली व कुटिया गली में लंबे समय से लो वोल्टेज, बिजली कटौती और बार-बार होने वाले अंडरग्राउंड फॉल्ट की समस्या बनी हुई है जिसके चलते उनकी दुकानों मे लगे विधुत उपकरण फुक रहे है जो परेशानी का सबब बने हुए है। वही बारिश के मौसम में खुले जीटी बॉक्स किसी बड़े हादसे का सबब बने हुए है। जिसके चलते उन्होंने सुरक्षा को देखते हुए सभी खुले जीटी बॉक्स पर जल्द ढक्कन लगाए जाने की मांग कर बिलिंग शिविर कैंप में शिकायत दर्ज कराई है। वही शिविर कैम्प मे बिजली सम्बंधित शिकायत दर्ज कराने आये रेलवे से रिटायर गार्ड प्रदीप अरोड़ा ने बताया उन्होंने घर मे सोलर लगवाया था लेकिन उसके बावजूद भी विधुत बिल 16 हजार रुपए का आया है। जिसकी शिकायत उन्होंने बिलिंग शिविर कैंप मे दर्ज कराई है। जहाँ जांच कर निवारण का अश्वासन दिया गया है।

लेसा के विशेष कैंपो में नहीं दिख रहे है उपभोक्ता, समाधान के लिए परेशान

लखनऊ। लेसा के चारो जोन में बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान और राजस्व वसूली को बढ़ावा देने के लिए सोमवार को विशेष उपभोक्ता सेवा शिविर लगाया गया। जिसमें शहर के विभिन्न उपकेंद्रों और खंड कार्यालयों में लगाए जा रहे इन कैंपों में प्रतिदिन उपभोक्ताओं की संख्या घटती जा रही है। कैंप में बिजली बिल संशोधन, नाम परिवर्तन, नए कनेक्शन, लोड वृद्धि, स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं और बकाया बिल जमा कराने जैसी सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। मुख्य अभियंता ने बताया कि उपभोक्ताओं को विभागीय कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए प्रत्येक खंड में नियमित रूप से विशेष कैंप लगाए जा रहे हैं। कैंपों में बिल सुधार, किस्तों में भुगतान, मीटर जांच, नाम परिवर्तन और अन्य सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिन मामलों का तत्काल निस्तारण संभव नहीं है, उन्हें निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। लेसा ने लोगों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी उपकेंद्र या खंड कार्यालय में आयोजित विशेष शिविरों में पहुंचकर विभागीय सेवाओं का लाभ उठाएं तथा समय पर बिजली बिल जमा कर अनावश्यक अधिभार से बचें। लेसा मध्यजोन में कुल 16 उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज कराये लेकिन मौके पर एक भी उपभोक्ता का समाधान नही हो सका उनको कर्मचारियों ने किलोवाट बढ़ाने की बात कहकर चलता कर दिया। जबकी कुछ लोगों को बिल से जुड़ी शिकायत थी जिसे अगले दिन करने का बहाना बनाकर टाल दिया गया। अपट्रान के उपभोक्ता यश सिंह जो लेबर कालोनी में रहते है उनका मार्च से बिल नही बन रहा था। उन्होंने कहा कि कोई भी बिल बनाने नही आता है लेकिन कैंप में उसके भी समस्या का समाधान नही हो सका। मसकगंज के निशा ने बताया कि सोलर सिस्टम लगे हो गया लेकिन अभी तक मुझे सोलर का लाभ नही मिल रहा है। लेसा सिस जोन में कुल 45 शिकायत आया जिसमें 36 शिकायत का समाधान कर दिया गया।

डीसीएम ने मारी टक्कर, जीजा की मौत, साली घायल

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में बाइक से साली को घर छोड़ने जा रहे जीजा को डीसीएम ने टक्कर मार दी, जिसमे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा, जहां इलाज कर दौरान जीजा की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक गोसाईगंज स्थित चंदिया मऊ के रहने वाले शिवरतन रावत (60) खेती किसानी करते थे। बेटे दिलीप ने बताया कि उनके पिता रविवार सुबह मोहनलालगंज स्थित खुजौली अपनी साली के घर में गई छोटी साली राधा को लेने के लिए टीवीएस 50 से गए थे। उन्हें अपनी साली को लौखरिया उसके घर गोसाईगंज छोड़ना था। खुजौली से लोखरिया गांव जाते समय रास्ते में किसान पथ पसिन ढकवा के पास एक तेज रफ्तार डीसीएम चालक ने विक्की में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे साली और जीजा दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां जीजा शिवरतन की मौत हो गई।

चोर पकड़ा गया, पांच लाख के जेवर बरामद

लखनऊ। बिजनौर पुलिस ने चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से पीली व सफेद धातु के आभूषण, नगदी व 01 अदद मोबाइल फोन बरामद हुआ है। बरामद आभूषण की अनुमानित कीमत करीब 05 लाख रुपये व 5230/- रुपये नकद बतये जारहे हैं। प्रभारी निरीक्षक बिजनौर कपिल गौतम ने बताया कि 19 जुलाई को गर्विता सिंह पत्नी अविरल सिंह निवासी ओमेक्स सिटी थाना बिजनौर ने सूचनादी थी कि दो अज्ञात चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर कीमती सामान की चोरी कर लिया है। मामला दर्ज कर पुलिस 22 जुलाई को एक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था उससे मिली जानकारी के बाद पुलिस की दो टीमें गठित की गयीं थी, जिनके द्वारा लगभग 70-80 सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया गया और 02 अगस्त को अभियुक्त शंकर कुमार शाक्य पुत्र मेवालाल शाक्य को गिरफ्तार कर कब्जे से चुराए गए माल को बरामद किया गया।

महिला संग लूट करने वाला गिरफ्तार

लखनऊ। गाजीपुर पुलिस व साइबर हेल्पडेस्क की संयुक्त कार्रवाई में महिला से मोबाइल लूटने वाला अभियुक्त गिरफ्तार किया गया है। पुलिस काकहना है कि 22 जुलाई को ललिता वर्मा पत्नी विनय कुमार वर्मा, निवासी डी-1298, इन्दिरानगर ने एफआईआर दर्ज कराई थी कि एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा उन पर हमला कर उनका लगभग 09 दिन पूर्व खरीदा गया मोटारोला जी-57 पावर मोबाइल फोन छीन लिया गया। घटना की सूचना प्राप्त होते ही थाना गाजीपुर पुलिस द्वारा प्रकरण का तत्काल संज्ञान लेते हुए साइबर हेल्पडेस्क की सहायता से मोबाइल फोन को सीईआईआर पोर्टल पर ट्रैकिंग केलिए पंजीकृत कराया गया तथा अज्ञात अभियुक्त की तलाश प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों एवं तथ्यों के आधार पर अभियोग में वर्णित अपराध की प्रकृति को दृष्टिगत रखते हुए मुकदमे की धारा में धारा 309(6) बीएसएन में तरमीम किया गया।

ट्रेन से कटकर एक युवक की मौत

लखनऊ। तालकटोरा मेंरेलवे लाइन किनारे एक शख्स का कटा हुआ शव पड़ा मिला। सूचना के बाद जीआरपी पहुंची और शव की शिनाख्त की। पुलिस के मुताबिक मूलतः प्रतापगढ़ नाजियापुर गांव निवासी धीरज पांडे (35) आलमबाग स्थित गढ़ी कनौरा में किराए के मकान में रहकर एक प्लाईवुड फैक्ट्री में नौकरी करते थे। पिता राजकुमार ने बताया कि सोमवार सुबह पुलिस ने फोनकर जानकारी दी। उनका बेटा तालकटोरा स्थित रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल के सामने रेलवे लाइन पार करते ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने उसके पास से मिले दस्तावेज के आधार पर उसकी शिनाख्त की है। इसके बाद घरवाले पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और उसकी पहचान की। धीरज अविवाहित थे।

रंजिशन रास्ते मे घेर कर पीटा

लखनऊ। सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में जिम से घर वापस जा रहे युवक को रंजिशन उंसके परिचितों ने रास्ते मे रोक कर पीट दिया। पीड़ित को जब घटना का पता चला तो वह अपने भाई को लेकर मेडिकल कालेज में इलाज के लिए भर्ती कराया। डिस्चार्ज होने के बाद पीड़ित ने सुशान्त गोल्फ सिटी थाने पहुंच कर मुकदमा दर्ज कराया। पीड़ित शक्ती सिह निवासी ओमेक्स फ2 अर्जुनगंज सरसंवा लखनऊ के मुताबिक भाई मार्केश सिंह अर्जुनगंज स्थित सूर्या फिटनेस में जिम करने जाता है जहाँ पर विपक्षी दीपांशू यादव भी जिम करने जाता है जिसके द्वारा करीब एक सप्ताह पहले अपने अन्य साथियों के साथ प्रार्थी के भाई को गाली गलौज व जान से मरवा देने की धमकी दिया गया था।

अपहर्ता की तलाश

नाम- पूनम, पुत्री- रामप्रसाद शुक्ला, ग्राम- अम्बहिया मजरा सरावाँ, थाना- हरगाँव जनपद सीतापुर।

हुलिया- उम्र 19 वर्ष, रंग गोरा, कद 5 फुट, दुबला-पतला शरीर **पहनावा-** लाल रंग की कुर्ती, मटमैले रंग की पजामी व चप्पल। दिनाँक 22/07/2025 को समय करीब रात 11 बजे घर से बिना किसी को बताये कहीं चली गई थी जिस सम्बन्ध में थाना हरगांव में मु.अ.सं. 379/2025 धारा 87 बीएनएस पंजीकृत है। जिसका अभी तक कुछ पता नहीं चला। अगर किसी व्यक्ति को इनके बारे में जानकारी प्राप्त होती है तो निम्नलिखित पते पर सूचना करने की कृपा करें।

सूचनाकर्ता
रामप्रसाद शुक्ला पुत्र रामऔतार
ग्राम- अम्बहिया मजरा सरावाँ
थाना- हरगाँव जनपद सीतापुर
7009695811
विवेचक उ.नि. राजेश सरोज 9628184384

प्रभारी निरीक्षक
थाना- हरगाँव
जनपद सीतापुर
9454404247

स्कूलों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइनें छात्रों के लिए खतरा, हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान

विधि संवाददाता (vol)

लखनऊ। प्रदेश के स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने स्कूल भवनों के ढांचागत खतरों के साथ गैर-संरचनात्मक खतरों को भी गंभीरता से लिया है। कोर्ट को बताया गया कि प्रदेश में करीब 4000 स्कूल ऐसे हैं, जिनके ऊपर से हाईटेंशन बिजली की लाइनें गुजर रही हैं। इन हाईटेंशन लाइनों के स्कूलों पर गिरने की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं, जिनसे वहां पढ़ने वाले बच्चों की जान को खतरा पैदा हो सकता है। कोर्ट ने इसे महत्वपूर्ण मुद्दा मानते हुए इसकी भी जांच किए जाने की जरूरत बताई है। न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति बृज राज सिंह की पीठ ने इस मामले में उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को पक्षकार बनाए जाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने अपर महाधिवक्ता को आदेश की जानकारी संबंधित सक्षम अधिकारी को देने का निर्देष दिया है ताकि अगली सुनवाई तक इस संबंध में उनका पक्ष प्राप्त हो सके। दरअसल कोर्ट गोमती रिवर बैंक रेजीडेंटस वेलफेयर एसोसियेषन की ओर से दाखिल एक जनहित याचिका पर छात्रों की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुददों पर सुनवायी कर रही है।

जर्जर भवन गिरने की घटनाओं पर कोर्ट गंभीर, बाल-बाल बचे बच्चे : कोर्ट ने कहा कि स्कूलों की संरचनात्मक सुरक्षा के मामले में सुनवाई के बावजूद जर्जर भवनों के गिरने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। कोर्ट को बताया गया कि जौनपुर के मीरगंज थाना क्षेत्र के मुंगराबादशाहपुर ब्लाक स्थित समरी प्राथमिक विद्यालय की पूरी इमारत गिर गई। संयोग से उस दिन स्कूल में अवकाश था और बच्चे वहां मौजूद नहीं थे। इसी तरह लखनऊ में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित स्कूल परिसर में भारी लोहे का गेट गिरने से आठ वर्षीय बच्चे की मौत की घटना भी कोर्ट के संज्ञान में लाई गई। कोर्ट ने इन घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि बच्चों के लिए शैक्षणिक संस्थानों को सुरक्षित स्थान बनाना अत्यंत महत्वपूर्ण और तात्कालिक कार्य है। कोर्ट ने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार और संबंधित एजेंसियां इस दिशा में पूरी गंभीरता से काम करेंगी, ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

स्कूल बस और वैन में भी बच्चों की सुरक्षा पर सवाल : सुनवाई के दौरान स्कूल बसों और वैन से बच्चों के आने-जाने की सुरक्षा का मुद्दा भी सामने आया। कोर्ट को बताया गया कि स्कूल बसों और वैन के चालकों द्वारा नाबालिग बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। ऐसे में स्कूल परिवहन व्यवस्था में चालकों की पृष्ठभूमि और उनके सत्यापन को लेकर विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। परिवहन विभाग के आंकड़ों का हवाला देते हुए कोर्ट को बताया गया कि कुल 2370 स्कूल वाहन चालकों में से 527 की पुलिस सत्यापन में मिशन भरोसा के तहत प्रतिकूल रिपोर्ट मिली है। कोर्ट ने इसे सीधे तौर पर नाबालिग बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मुद्दा माना। सुनवाई के दौरान बार के कई सदस्यों ने सुझाव दिया कि यदि संभव हो तो स्कूल वैन में महिला चालकों की नियुक्ति पर भी विचार किया जा सकता है, ताकि बच्चों की सुरक्षा को और मजबूत किया जा सके। अपर महाधिवक्ता ने इस सुझाव पर विचार कर शासन से निर्देश लेने की बात कही।

स्कूल वैन चालकों के सत्यापन की जिम्मेदारी स्कूल प्रबंधन की हो : कोर्ट के समक्ष यह भी बताया गया कि उत्तर प्रदेश मोटर वाहन नियमावली की धारा 222(बी) के तहत निजी बसों को दिए जाने वाले लाइसेंस अथवा स्कूलों और निजी परिवहन एजेंसियों के बीच होने वाले समझौते में बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी आवश्यक शर्तों का उल्लेख किया जाना चाहिए। इसी तरह स्कूल वैन के मामले में भी व्यवस्था किए जाने की जरूरत बताई गई। स्कूल प्रबंधन को उन चालकों के प्रमाणपत्र और पृष्ठभूमि का सत्यापन सुनिश्चित करना चाहिए, जिन्हें बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने की जिम्मेदारी दी जा रही है।

शिव मंदिर में जलाभिषेक करने अड़े लाखन आर्मी के लोग

लखनऊ। मलिहाबाद कसमंडी कला गांव के शिव मंदिर में लाखन आर्मी के लोग सावन के पहले सोमवार को दोपहर करीब 12:30 बजे जलाभिषेक करने पहुंच गए। पुलिस ने उन्हें गांव में मंदिर से कुछ दूर पहले बैरिकेडिंग करके रोक लिया। तीन थानों की पुलिस के साथ पीएससी और आलाधिकारी मुस्तैद थे। काफी देर तक लाखन आर्मी के लोगों और पुलिस के बीच बातचीत होती रही। बाद में पुलिस की बात मानकर लाखन आर्मी चीफ सूरज पासी अपने समर्थकों के साथ लौट गए। बता दें कि पुराने शिव मंदिर के पास ही कुछ साल पहले एक मस्जिद बना दी गई, जिसके बाद से विवाद हो रहा है। लाखन आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज पासी ने पहले सोमवार पर जलाभिषेक और 108 गांवों की पवित्र मिट्टी अर्पित करने का ऐलान किया था। इससे पहले वह रविवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी से इसके लिए अनुमति मांग चुके हैं। रविवार से ही पुलिस ने मंदिर के बाहर बैरिकेडिंग कर गश्त बढ़ा दी थी।

बताते हैं कि मलिहाबाद तहसील क्षेत्र के कसमंडी कला गांव में एक किला जैसा पुराना ढांचा है। गांववालों के अनुसार, यहां करीब 4 साल पहले जमील अहमद उर्फ जॉनी नाम का मौलाना आया। उसने ढांचे के बगल में ही मस्जिद बना ली और मदरसा चलाने लगा। इतना ही नहीं, उसने किले वाले ढांचे का भी इस्तेमाल शुरू कर दिया। किला वाले ढांचे को लोग ऐतिहासिक कंसा पासी का किला बता रहे हैं। कंसा पासी के नाम पर ही गांव का नाम कसमंडी पड़ा था। गांववालों के मुताबिक, मौलाना की गतिविधियां संदिग्ध लगीं तो पासी समाज के लोगों ने उसका विरोध शुरू कर दिया। इसके बाद मौलाना यहां से 21 मई को भाग गया। मलिहाबाद के एसीपी ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया- लाखन आर्मी चीफ सूरज पासी आए हुए थे। उनके साथ कई समर्थक भी थे। उनसे हमने कहा कि वहां जलाभिषेक न किया जाए, जहां पर मना किया जा रहा है। इस पर वह मान गए। उन्होंने कहा भी कि प्रशासन की हर बात मानी जाएगी। इसके बाद वह दूसरे शिव मंदिर में जलाभिषेक कर लौट गए।

धर्मांतरण मामले में उठाई कार्रवाई की मांग : सूरज पासी ने मलिहाबाद क्षेत्र में नट समाज के बच्चों के धर्मांतरण के मामले का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायत के बावजूद पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ के 89वें अध्यक्ष के रूप में स्तुति मित्तल ने संभाली कमान

लखनऊ। रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ के 89वें अध्यक्ष के रूप में रोटेरियन स्तुति मित्तलने रविवार को पदभार ग्रहण किया। होटल मर्क्योर में आयोजित भव्य स्थापना समारोह में कर्णिका शजवानी ने सचिव पद की शपथ ली, जबकि नई कार्यकारिणी का भी औपचारिक गठन किया गया। समारोह क्लब के नए सत्र की शुरूआत के साथ-साथ डिस्ट्रिक्ट गवर्नर की आधिकारिक क्लब विजिट (ओसीवी) का भी साक्षी बना। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन पूनम गुलाटी रहीं, जबकि फर्स्ट जेंटलमैन एवं पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सतपाल गुलाटी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर्स, डीजीआरएच, असिस्टेंट गवर्नर्स तथा विभिन्न रोटरी क्लबों के अध्यक्षों और सचिवों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों का पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधे भेंटकर स्वागत किया गया। शपथ ग्रहण के बाद अध्यक्ष स्तुति मित्तल ने कहा कि रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ समाज सेवा की अपनी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और जरूरतमंदों की सहायता को सर्वोच्च प्राथमिकता देगा। उन्होंने कहा कि क्लब सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक और स्थायी बदलाव लाने के लिए नए संकल्प और नई ऊर्जा के साथ कार्य करेगा। सचिव कर्णिका शजवानी ने नई कार्यकारिणी का परिचय कराते हुए आगामी सत्र की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्षभर शिक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, वृद्धाश्रमों की सहायता और सामाजिक सरोकारों से जुड़े अनेक सेवा प्रकल्प संचालित किए जाएंगे। इस अवसर पर क्लब द्वारा किए गए विभिन्न सामाजिक कार्यों और जनहित परियोजनाओं का भी उल्लेख किया गया। समारोह का संचालन संगीता मारवाहा ने प्रभावी ढंग से किया। इस दौरान क्लब की वार्षिक पत्रिका 'चक्र' का विमोचन भी किया गया।

पंचमुखी हनुमान मंदिर में देर रात चोरी

लखनऊ। महानगर थाना क्षेत्र स्थित श्री संकट हरन पंचमुखी हनुमान मंदिर में सोमवार देर रात को चोरी हो गई। चोरों ने मंदिर में स्थापित सभी मूर्तियों के चांदी के मुकुट व छत्र चोरी कर लिए। चोर 9 मुकुट, 3 छत्र और सीसीटीवी कैमरों का डीबीआर चुरा ले गए। मंदिर संस्थापक ने घटनाकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस और फॉरेंसिक टीमें जांच कर रही हैं। थाना क्षेत्र के बीरबल साहनी मार्ग स्थित श्री संकट हरन पंचमुखी हनुमान मंदिर में चोरी हुई है। मंदिर के चैनल पर 3 ताले लगे थे। चोरों ने तीनों ताले तोड़कर चोरी की। चोर मंदिर में स्थापित राम, लक्ष्मण, सीता, गणेश और हनुमान जी की मूर्तियों के मुकुट व छत्र चोरी कर ले गए। सुबह करीब 5:30 बजे पुजारी को चोरी की जानकारी हुई।

3 अगस्त की सुबह करीब 5:30 बजे पुजारी दिनेश कुमार दीक्षित मंदिर पहुंचे। उन्होंने देखा कि मंदिर के चैनल पर बंद तीनों ताले टूटे थे। ताले पास में पड़े थे। अनहोनी की आशंका पर वह अंदर गए, तो चैनल के बाद लगा शटर भी उठा हुआ था। इसके बाद अंदर जाकर देखा तो गणेश जी की मूर्ति का चांदी का मुकुट व छत्र गायब था। थोड़ा-सा अंदर बढ़ने पर राम-लक्ष्मण और सीता जी की मूर्ति की भी चांदी के मुकुट और छत्र गायब थे। पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति के पांचों सिर पर लगे चांदी के मुकुट और एक बड़ा छत्र गायब था।

याद किए गये राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त

लखनऊ। गहोई वैश्य सेवा समिति के तत्वावधान में राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जयंती के अवसर पर सोमवार को गोमती नगर के एफिल क्लब में साहित्यिक समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रकवि के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर परिचर्चा, काव्य पाठ तथा अन्य साहित्यिक प्रस्तुतियां हुईं। इस अवसर पर लक्ष्मीनारायण गुप्ता, विनोद कुमार गुप्ता 'भावुक', अर्चना सांवला, सेवानिवृत्त आईएएस अनिल दमेले, रश्मि हूंका एवं रश्मि सेठ ने प्रभावी काव्य पाठ प्रस्तुत किया। समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता भावुक ने अपने संबोधन में राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के साहित्यिक अवदान पर प्रकाश डालते हुए उनके राष्ट्रीय चेतना से ओतप्रोत साहित्य को आज भी प्रेरणास्त्रोत बताया। कार्यक्रम का संचालन अर्चना गुप्ता ने किया तथा महामंत्री ज्ञानेंद्र गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

उत्तर रेलवे

प्रथम शुद्धी-पत्र

विषयः निविदा सूचना संख्या **89-टेंडर/ उप मुख्य अभियंता/ नि.-IV/ लखनऊ दिनांकः 22.07.2026** के संबंध में **प्रथम शुद्धी-पत्र** प्रशासनिक कारणों से दिनांक **22.07.2026** की टेंडर सूचना संख्या **89-टेंडर/ उप मुख्य अभियंता/ नि.-IV/ लखनऊ**, जो दिनांक **23.07.2026** को समाचार-पत्रों में प्रकाशित हुई थी, में निम्नलिखित तिथियों में संशोधन किया जाता हैः

विवरण	वर्तमान तिथि	संशोधित तिथि
निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र शर्तों के साथ आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट www.ireps.gov.in उपलब्धता	03.08.2026	11.08.2026
निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय	01.09.2026 को 15.00 बजे	09.09.2026 को 15.00 बजे
प्री-बिड सम्मेलन की तिथि समय एवं स्थान	10.08.2026 पूर्वाहन 11:30 बजे, उप मुख्य अभियंता/ निर्माण-IV, लखनऊ का कार्यालय, निकट सेवाग्राम कॉलोनी, चारबाग, लखनऊ।	18.08.2026 पूर्वाहन 11:30 बजे, उप मुख्य अभियंता/ निर्माण-IV, लखनऊ का कार्यालय, निकट सेवाग्राम कॉलोनी, चारबाग, लखनऊ।
निविदा प्रस्तुत करने की अवधि (से-तक)	18.08.2026 से 01.09.2026	26.08.2026 से 09.09.2026
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	01.09.2026 को 15.00 बजे	09.09.2026 को 15.00 बजे

अन्य सभी नियम एवं शर्तें यथावत् रहेंगी।

सं: 89-टेण्डर/उप-मुख्य अभियन्ता/नि. चतुर्थ/लखनऊ/प्रथम शुद्धिपत्र दिनाँकः 03.08.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2672/2026

सावन के पहले सोमवार पर शहर के शिवालयों पर पूजा-अर्चना करते भक्तगण | मनकामेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए लगी लंबी कतार | जलाभिषेक के लिए उमड़ा भक्तों का हुजूम | फोटो-अमित वर्मा

लखनऊ में हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठे शिवालय

सावन के पहले सोमवार पर भगवान शिव के दर्शन के लिए मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब, भक्तों ने किया रुद्राभिषेक

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। शिव आराधना को समर्पित सावन महीने का पहला सोमवार पर मंदिरों में दर्शन, पूजन, जलाभिषेक और रुद्राभिषेक के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। हर-हर महादेव की गूंज के बीच दर्शन पूजन का सिलसिला शुरू हुआ। सावन के पहले सोमवार के लिए शिव मंदिरों में विशेष तैयारियां भी की गई थीं। शहर के शिव मंदिरों में महादेव का अलग-अलग श्रृंगार भोर से ही शुरू हो गया था।

सावन के पहले सोमवार के चलते डालीगंज स्थित मनकामेश्वर मंदिर में भव्य सजावट की गई है। दूर से ही मंदिर की आभा देखते ही बन रही है। मनकामेश्वर मंदिर में महिलाओं और पुरुषों की अलग-अलग लाइन का प्रबंध किया गया है। वहीं एक-एक अलग कोने से महिलाओं और पुरुषों ने महादेव का जलाभिषेक किया। चौक स्थित कोनेश्वर महादेव मंदिर में भी बाबा के श्रृंगार और पूजन के लिए विशेष तैयारियां की गईं। राजेंद्र नगर के महाकाल मंदिर में सावन के सोमवार पर भोर चार बजे भस्म आरती हुई। भस्म आरती में शामिल होने के लिए दूर दराज से भी आए भक्तजन शामिल हुए। बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में भी अलग-अलग टोलियां बाबा का विशेष श्रृंगार करने के लिए तैयार रहीं। बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में सावन में भक्तों की भीड़ उमड़ने के चलते दर्शन के लिए जिग जैक रेलिंग की व्यवस्था की गई है। नारियल बाहर ही तोड़ने का प्रबंध किया गया। यहां ऐतिहासिक सावन मेला भी माह भर लगा रहेगा।

आरती के बाद खोले गये मंदिरों के पट: मनकामेश्वर मंदिर-मठ में तड़के महंत देव्यागिरी द्वारा श्रृंगार और आरती के बाद पट भक्तों के लिए खोल दिए गए। भोले के भक्त भी देर रात से लाइन लगाकर मंदिर खुलने का इंतजार करते दिखे। भक्त हाथों में गंगाजल, दूध आदि लिए लंबी लाइन लगाकर खड़े हुए थे। इस दौरान हर कोई 'हर-हर महादेव', 'भोलेनाथ की जय' का जयघोष कर रहा था। वहीं, मौसम ने भी भक्तों की परीक्षा ली। भक्त धूप व गर्मी की परवाह किए बगैर घंटों लाइन में खड़े रहे। जलाभिषेक करने के लिए मंदिर में अरघा लगाए गए थे। यहां महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग लाइनों की व्यवस्था की गई थी। भक्तों का जोश देखते ही बन रहा था।

मनकामेश्वर मंदिर में लगी भक्तों की लंबी कतार: डालीगंज के मनकामेश्वर मन्दिर में भोर से ही लम्बी कतारें लग चुकी थी। भोर में महंत देव्या गिरि ने की आरती की, पगड़ी श्रृंगार हुआ। उसके बाद दर्शन के लिए पट खोले गए। डालीगंज स्थित मनकामेश्वर मंदिर में भव्य सजावट की गई है। दूर से ही मंदिर की आभा देखते ही बन रही है। मनकामेश्वर मंदिर में महिलाओं और पुरुषों की अलग-अलग लाइन का प्रबंध किया गया है। वहीं एक-एक अलग कोने से महिलाओं और पुरुषों ने महादेव का जलाभिषेक किया। मंदिर के आसपास का इलाका बोल बम बम, ओम नमः शिवाय, हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज रहा था। बड़ी संख्या में भक्त हाथों में लिए गंगाजल, बेल पत्र, प्रसाद लिए शिव की भक्ति में लीन थे। राजधानी के सिद्धपीठ के रूप में स्थापित मनकामेश्वर मंदिर में महंत देव्या गिरि ने भोर आरती के साथ ही कपाट खोलने के निर्देश दे दिए थे। कपाट खुलने से पहले ही मंदिर के बाहर श्रद्धालुओं की कतारें लग गई थीं।

भस्म आरती के बाद दर्शन: राजेंद्रनगर स्थित महाकाल मंदिर में तड़के 4 बजे उज्जैन की तर्ज पर भस्म आरती का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों ने भी हिस्सा लिया। भस्म आरती का सोशल मीडिया पर लाइव टेलीकास्ट भी किया गया। वहीं, महादेव का फूलों से भव्य श्रृंगार हुआ। शाम को भांग का भव्य श्रृंगार किया गया। चौक स्थित कोनेश्वर मंदिर में भी भक्तों ने अपने आराध्य के दर्शन किए। इस दौरान महादेव का श्रृंगार देखते ही बन रहा था। मंदिर समिति द्वारा इस अवसर पर भक्तों में ठंडाई बतौर प्रसाद वितरित की गई।

व्रत के साथ घरों में हुआ पूजन: भोले के भक्तों द्वारा पहले सावन पर व्रत भी रखा गया। घरों में भी भोलेनाथ की पूजा की गई और रुद्राभिषेक का भी आयोजन किया गया। इस दौरान भोले के भक्तों द्वारा सुख-शांति और मंगल की कामना की गई।

डालीगंज में हुआ भंडारे का आयोजन: रानीगंज डालीगंज स्थित श्री कमलेश्वर महादेव मंदिर के वार्षिकोत्सव के शुभअवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया। डालीगंज वार्ड के पूर्व पार्षद मुकेश शुक्ला की ओर से आयोजित कार्यक्रम में महाकाल उज्जैन कि तर्ज पर भोलेनाथ की भव्य आरती संपन्न हुई उसके बाद भंडारा शुरू हुआ। आरती के दौरान मन्दिर प्रांगण ॐ नमः शिवाय के जय घोष से गूंज उठा।

जयकारों से गूंजा प्राचीन पौराणिक भंवरेश्वर महादेव मंदिर: तीन जनपदों की सीमा और स्थित पौराणिक काल के प्राचीन शिवमंदिर में श्रावण मास के पहले सोमवार को मध्य रात्रि से ही शिव भक्तों का तांता लगा रहा मध्यरात्रि से ही मंदिर के कपाटखुलते मंदिर हर पर महादेव, बम बम भोले के नारों से गूंजने लगा शाम तक लाखो की संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर भगवान भोले नाथ के दर्शन किये। लखनऊ उन्नाव व रायबरेली की सीमा पर सी नदी के किनारे स्थित प्राचीन व पौराणिक काल से ही इस मंदिर के प्रति लोगों में एक अलग ही धार्मिक महत्व है लोगों का मानना है कि द्वापर युग में यहां पर त्र्यंबक नामक वन हुआ करता था जहां पर पांडव अपने अज्ञातवास के दौरान ठहरे हुए थे तो पांडव पुत्र महाबली भीम ने इस शिवलिंग को स्थापित किया था

कोतवालेश्वर मंदिर में रुद्राभिषेक की बुकिंग फुल: चौक के कोतवालेश्वर मंदिर में भी सावन के पहले सोमवार को लेकर रौनक रही। यहां सावन के अंतिम सोमवार को महादेव बाबा नगर भ्रमण के लिए निकलेंगे। चौक के रानी कटरा के मां संकटा देवी मंदिर बाबा शिवाला और छोटा शिवाला में भी शिव भक्त जुटे। यहां पूरे सावन भर रुद्राभिषेक की बुकिंग फुल है। सदर के द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर, आलमबाग के मौनी बाबा मंदिर, कृष्णा नगर के सहसैवीर बाबा मंदिर, इंद्रेश्वर मंदिर समेत सभी शिव मंदिरों में विशेष सजावट की गई है।

बिन मांगे हर इच्छा पूरी करते हैं महादेव: सावन के पहले सोमवार पर शहर के सभी शिवालयों में भक्तों की लंबी-लंबी कतार दिखायी दी। कोई परिवार के साथ दर्शन करने आया तो कोई अकेले महादेव के दर्शन के लिए आस्था के महापर्व में शामिल हुआ। इस दौरान मनकामेश्वर मंदिर में भगवान भोले के दर्शन करने आये राजेश शर्मा ने कहा भोलेनाथ सभी की मुराद पूरी करते हैं। भगवान से कुछ मांगने की जरूरत नहीं पड़ती, वह सबके मन की बात जानते हैं। बिन मांगे हर इच्छा पूरी कर देते हैं। हर सोमवार भोले बाबा के दर्शन करने आता हूं।

शहर के छोटे-बड़े शिवालयों में उमड़े भक्त

लखनऊ। राजधानी में सावन के पहले सोमवार पर आस्था का सैलाब शिव मंदिरों में उमड़ पड़ा। लगभग सभी शिव मंदिरों में अल सुबह से ही भक्तों की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं। बड़े मंदिरों के अलावा शहर के हर छोटे-बड़े शिव मंदिर में जमकर पूजा अर्चना हुई। भक्तों ने अलग-अलग तरीके से भगवान शिव को प्रसन्न करने का प्रयास किया। सावन के पहले सोमवार पर शहर के तमाम शिवालयों में बम भोले के गगनभेदी जयकारों के बीच बाबा की हुई। सुबह से ही रुद्राभिषेक और श्रृंगार का दौर शुरू हो गया। भक्तों ने फल, पुष्प, बिल्व पत्र, गंगाजल, शहद, घृत, दूध, मिष्ठान्न, भांग, धतूरा अर्पण कर भक्तों द्वारा मनोकामना पूरी करने की कामना की जाएगी। वहीं, घंटे-घड़ियालों की गूंज के बीच चालीसा, पंचाक्षरी के स्वर भी गूंजे। मंदिरों और शिवालयों के कपाट भोर से ही खुल गए थे।

रुद्राभिषेक किया गया : सदर स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर में महाआरती के बाद मंदिर के कपाट भक्तों के लिए खोल दिए गए। इस दौरान कई भक्तों द्वारा रुद्राभिषेक भी किया गया। इसके अलावा बड़ा-छोटा शिवाला, गुलाचिन मंदिर, चंद्रकेश्वर महादेव मंदिर समेत अन्य शिवालयों में भी भक्तों ने विधि-विधान से भोलेनाथ की पूजा की।

यहां भी दर्शन को उमड़े श्रद्धालु: चौक के रानी कटरा स्थित के छोटा व बड़ा शिवाला, कोनेश्वर मंदिर, आशियाना के सेक्टर.एच स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर, बंगलाबाजार के श्री रामजानकी मंदिर, मौनी बाबा मंदिर व गुलाचिन मंदिर के अलावा सिद्धेश्वर मंदिर, गोमतेश्वर मंदिर व विन्ध्याचल मंदिर के अलावा शहर के सभी शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं। स्वप्नेश्वर महादेव मंदिर, इंदिरानगर भूतनाथ मंदिर, महानगर के सिद्धेश्वर मंदिर, राजाजीपुरम, सआदतगंज, आलमबाग, चिनहट के अलावा बख्शी का तलाब के मां चंद्रिका देवी मंदिर के चंद्रकेश्वर महादेव मंदिर, कालेश्वर महादेव मंदिर, इटौंजा के रत्नेश्वर महादेव मंदिर, टीकेश्वर महादेव मंदिर के साथ ही शहर के सभी छोटे बड़े शिव मंदिरों पर भोर से श्रद्धालुओं की भीड़ लग गई थी। श्रद्धालुओं ने विधि विधान से पूजन कर आरती की।

सावन का पहला मंगला गौरी व्रत आज, सुहागिनें करेंगी पूजा

लखनऊ। मंगला गौरी का व्रत हर साल सावन मास के मंगलवार के दिन रखा जाता है। ऐसे में सावन में आने वाले सभी मंगलवार का विशेष महत्व होता है। इस व्रत को सुहागिन महिलाएं औक कुंवारी कन्या दोनों ही रखती हैं। यह व्रत माता पार्वती को समर्पित है। मंगला गौरी व्रत को बहुत ही शुभ फलदायी बताया गया है। आइए जानते हैं इस बार कितने मंगला गौरी व्रत होंगे साथ ही जानते हैं इस व्रत की क्या है तारीख।

मंगला गौरी व्रत की शुरूआत मंगलवार 4 अगस्त से होगी। इस बार कुल 4 मंगला गौरी व्रत होंगे। इस दिन माता पार्वती की विशेष पूजा अर्चना की जाती है। सुहागन महिलाएं अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस व्रत को रखती है। जबकि वहीं, कुंवारी कन्याएं अच्छे वर की कामना के लिए इस व्रत को रखती हैं।

पहले मंगला गौरी व्रत पर बन रहे हैं 3 शुभ योग: सावन मास के प्रत्येक मंगलवार को मंगला गौरी व्रत रखा जाता है। इस दिन मां गौरी के साथ भगवान शिव और विघ्नहर्ता श्री गणेश की पूजा का विशेष महत्व होता है। इस वर्ष सावन के पहले मंगला गौरी व्रत पर तीन शुभ योगों का संयोग बन रहा है, जो इसे और भी खास बना देता है। जिन

नवविवाहित महिलाओं का यह पहला सावन है, उनके लिए इस व्रत से जुड़े कुछ विशेष नियम बताए गए हैं, जिनका पालन करना शुभ माना जाता है। साल 2026 में सावन का पहला मंगला गौरी व्रत 4 अगस्त को पड़ेगा। पंचांग के अनुसार इस दिन सावन माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि रहेगी, जो रात 10:03 बजे तक प्रभावी होगी। इस दिन तीन शुभ योगों का निर्माण हो रहा है, सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग और रवि योग। ये सभी योग रात 9:54 बजे से प्रारंभ होकर अगले दिन 5 अगस्त की सुबह 5:45 बजे तक रहेंगे। वहीं दिन के समय धृति योग सुबह से लेकर शाम 7:33 बजे तक रहेगा, इसके बाद शूल योग प्रारंभ होगा। नक्षत्रों की बात करें तो रेवती नक्षत्र सुबह से रात 9:54 बजे तक रहेगा, जिसके बाद अश्विनी नक्षत्र शुरू होगा।

मंगला गौरी व्रत का महत्व: मंगला गौरी व्रत महिलाएं अखंड सौभाग्य के लिए रखती है। साथ ही घर परिवार में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे। इसके लिए भी यह व्रत रखा जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस व्रत को रखने से पति पत्नी के बीच के रिश्ते मधुर होते हैं। इसके अलावा संतान सुख की प्राप्ति के लिए भी यह व्रत किया जाता है। यदि किसी कन्या के विवाह में बाधाएं आ रही है मांगलिक दोष है तो वह भी इस व्रत को रख सकते हैं।

पूजा विधि: सावन के पहले मंगला गौरी व्रत वाले दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद साफ लकड़ी की चौकी पर लाल रंग का वस्त्र बिछाएं। फिर चौकी पर मां गौरी की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें। व्रत का संकल्प लेकर आटे से बना हुआ दीपक प्रज्वलित करें। इसके बाद धूप, नैवेद्य फल.फूल आदि से मां गौरी का पूजन करें। पूजा पूर्ण होने पर मां गौरी की आरती करें और उनसे प्रार्थना करें।

11 हजार मातृशक्तियों का वृहद सामूहिक सुंदरकांड का संकल्प

- 16 को सनातन धाम लॉन परिसर में हरियाली तीज झूला उत्सव एवं सम्मान समारोह होगा
- बाबा भोलेनाथ की दिव्य झांकी भी बनेगी आकर्षण

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। सनातन ध्वजवाहिका सपना गोयल की अगुआई में श्रावणी माह के प्रथम सोमवार तीन अगस्त को देवा रोड स्थित श्री परमानंद हरि हर मंदिर परिसर में अनुपम श्रंगार एवं आराधना के उपरांत सामूहिक सुंदरकाण्ड पाठ और भजन-कीर्तन किया गया। इस अनुष्ठान के दौरान सपना गोयल ने 11 हजार मातृशक्तियों का वृहद सामूहिक सुंदरकांड पाठ अनुष्ठान लखनऊ में आयोजित करने का महा संकल्प भी लिया। श्रावणी सोमवार को मंदिर परिसर हर हर महादेव, बम बम भोले के जयकारों से गूंज उठा। बड़ी संख्या में उपस्थित मातृशक्तियों ने बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक कर बेलपत्र, पुष्प आदि अर्पित कर पूजन अर्चन किया।

सनातन ध्वजवाहिका सपना गोयल ने इस अवसर पर बताया कि आगामी 16 अगस्त को हरियाली तीज सनातनी महिलाओं का महा पर्व चिनहट वीमार्ट के पास स्थित रजत डिग्री कॉलेज के सामने बने भव्य सनातन धाम लॉन परिसर में आयोजित किया जा रहा है। मासिक आध्यात्मिक संगोष्ठी के अंतर्गत आयोजित इस समारोह की भव्यता इसी से ज्ञात होती है कि केन्द्रीय आकर्षण जहां भगवान शिव का महा दरबार होगा वहीं झूला उत्सव में हजारों मातृशक्तियां इसमें सावन का पावन झूला भी झूलेंगी।

कर्मठ बहनों को हरियाली पर्व के प्रतीक के रूप में सनातनी हरा पटका भेंट किया जाएगा वहीं निःस्वार्थ भाव से बिना किसी अनुदान के समाज सेवा में लगी बहनों का सामाजिक अलंकरण भी किया जाएगा।

मंदिर की संस्थापिका और सनातन ध्वज वाहिका सपना गोयल के अनुसार हरि हर मंदिर की स्थापना 10 जुलाई 2021 को अमावस्या के अवसर पर की गई थी। इस मंदिर के निर्माण की प्रेरणा उन्हें अपने स्वप्न में हुई थी इसलिए उनके द्वारा ईश्वरीय स्वप्नाशीष सेवा समिति की स्थापना कर सनातन जागृति का वृहद कार्य किया जा रहा है। हरि हर मंदिर अपने स्वरूप के कारण भी निराला है क्योंकि इस मंदिर में हरि और हर दोनों स्थापित है इसलिए यह मंदिर का भक्तों में श्री परमान्द हरि हर मन्दिर के रूप में लोकप्रिय है। मंदिर परिसर में चूंकि बाबा अपने भक्तों की प्रार्थनाएं पूरी करते हैं इसलिए मंदिर में महादेव जी, वरदानी बाबा के रूप में स्थापित हैं। बाबा वरदानी के साथ ही मंदिर परिसर में प्रभु राम का दिव्य दरबार, राधा-कृष्ण, मां दुर्गा, दक्षिणमुखी हनुमान महाराज और शनि महाराज जी की प्रतिमाएं विराजमान हैं।

सपना गोयल ने बताया कि उनका एक मात्र लक्ष्य है कि संतों और ऋषियों की पावन भूमि, भारत एक बार पुनः विश्व गुरु के रूप में प्रतिष्ठित हो। भारत उत्थान के इस महा उद्देश्य की पूर्ति के लिए ईश्वरीय स्वप्नाशीष सेवा समिति की ओर से प्रतिदिन सुंदरकांड पाठ के साथ प्रत्येक सप्ताह मंगलवार और शनिवार को नजदीकी मंदिरों में सामूहिक सुंदरकांड का आयोजन, करवाया जा रहा है। वर्तमान में सुंदरकांड महा अभियान उत्तर प्रदेश के 42 जिलों और देश के 10 राज्यों तक पहुंच चुका है। बिना किसी सरकारी या निजी सहयोग के 10 मार्च 2024 को महिला दिवस के उपलक्ष्य में सपना गोयल की अगुआई में पांच हजार से अधिक महिलाओं ने लखनऊ के झूलेलाल घाट पर सामूहिक सुंदरकांड का भव्य अनुष्ठान किया था। इस क्रम में 23 जून 2024 को पावन तीर्थ नैमिषारण्य में भव्य सामूहिक सुंदरकांड महायज्ञ का आयोजन करवाया गया था। उस अनुष्ठान में पांच हजार महिलाओं को शामिल करवाया गया था।

कार्यालय नगर पंचायत बंकी, बाराबंकी

पत्रांक : 293/ न.पं.चं./ नीलामी /2026-27 **दिनांक :- 31 जुलाई, 2026**

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत बंकी बाराबंकी में बंकी-मंझपुरवा सम्पर्क मार्ग पर निर्मित हो रहे नाला निर्माण कार्य स्थल पर पड़ रहे कुछ पेड़ों के साथ ही उत्तर टोला बंकी में सड़क के किनारे स्थित झुके हुए पाकड़ के 01 पेड़ को कटवाए जाने हेतु उनका मूल्यांकन कराया गया है जिसकी खुली नीलामी वोली दिनांक 07-08-2026 को स्थान सामुदायिक केन्द्र पानी की टंकी स्थित कैम्पस कार्यालय नगर पंचायत बंकी में अपराह्न 3.00 बजे इच्छुक व्यक्तियों को नीलामी बोली में भाग लेने हेतु आमंत्रित/आयोजित की जाती है। अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में नियम व शर्ते देखी व समझी जा सकती है।

क्रमांक	मद /कार्य का नाम	नीलामी की प्रारम्भिक बोली	जमानत धनराशि
01	नगर पंचायत बंकी में वंकी मंझपुरवा सम्पर्क मार्ग पर स्थित 07 पेड़ (शीशम 02, नीम 03, सागौन 01 व गूलर 01) की नीलामी ।	12633.00	1263.00
02	निकट जुनैद मकान उत्तर टोला बंकी में स्थित पाकड़ के पेड़ की नीलामी ।	17000.00	1700.00

मुख्य नियम व शर्ते निम्नवत है-:

1. प्रस्ताव एवं खुली नीलामी बोली बोलने हेतु क्रमांक 1 व 2 पर अंकित मद/कार्य में बोलीदाता/व्यवसायी को वैध आधार कार्ड, पैन कार्ड, जी.एस.टी. प्रमाणपत्र की स्व. प्रमाणित छायाप्रतियां संलग्न करना अनिवार्य है ।
2. समस्त इच्छुक बोलीदाता नगर पंचायत बंकी के बंकी-मंझपुरवा सम्पर्क मार्ग एवं उत्तर टोला में स्थित सम्बंधित पेड़ों का स्वयं बोली लगाने से पूर्व अवलोकन कर लें, बाद में उच्चतम बोलीदाता को सक्षम कार्यालय से पातन अनुज्ञा पत्र तथा अभिवहन पास प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही की जानी अनुमन्य होगी।
3. नगर पंचायत का कोई भी बकायेदार बोली में भाग नहीं ले सकेगा।
4. इच्छुक व्यक्ति को बोली बोलने से पूर्व कार्य के सापेक्ष जमानत धनराशि कार्यालय में नकद जमा करना अनिवार्य होगा।
5. सरकारी बोली का अर्थ अनुमान से है।
6. उपरोक्त बोली में बिना कारण बताये एक या समस्त बोली निरस्त करने का अधिकार अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बंकी के पास सुरक्षित रहेगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत बंकी
बाराबंकी

अध्यक्ष
नगर पंचायत बंकी
बाराबंकी

संक्षेप

सड़क हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौत

जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र के कुल्हनामऊ गांव के पास देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन कर उन्नाव लौट रहे श्रद्धालुओं की तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा भिड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग बुरी तरह फंस गए। सूचना मिलते ही बक्शा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकालकर जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने बताया कि कार में कुल पांच श्रद्धालु सवार थे। इनमें से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन घायल जिला अस्पताल में भर्ती हैं। सभी श्रद्धालु उन्नाव जनपद के निवासी बताए जा रहे हैं और काशी विश्वनाथ के दर्शन कर अपने घर लौट रहे थे।पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पच्चीस हजार का इनामी गिरफ्तार

बभनी, सोनभद्र। बिगत एक पखवारा पूर्व शीशटोला के जंगल में सरार्फा कारोबारी से लूट की घटना में शामिल पच्चीस हजार रुपये के इनामिया अपराधी को पुलिस और एस टी एफ की संयुक्त टीम ने अरझट पुलिया के पास मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है बदमाश के पैर में गोली लगी है और उसके निशानदेही पर जंगल में छिपाया गया आभूषण भी बरामद हुआ है ।जानकारी के अनुसार बभनी पुलिस, एसओजी और दुद्धी पुलिस की संयुक्त टीम ने सोमवार तड़के बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस मुठभेड़ में ?25 हजार का इनामी बदमाश पंकज साह निवासी धूरीताल, थाना बैढ़न सिंगरौली, मध्य प्रदेश को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया।मुठभेड़ के दौरान उसका साथी संजय साकेत अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार, 18 जुलाई को शीशटोला जंगल के पास सरार्फा व्यापारी कुलधीर कुमार से चाकू की नोक पर सोने-चांदी के आभूषणों एवं नकदी से भरा बैग लूट लिया गया था।इस मामले में पहले ही दो आरोपित गिरफ्तार कर जेल भेजे जा चुके थे, जबकि पंकज साह और उसके साथी पर ?25-25 हजार का इनाम घोषित था। मुखबिर की सूचना पर अरझट पुलिया के पास चेकिंग के दौरान बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पंकज साह के पैर में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा, कारतूस, लूट में प्रयुक्त मोटरसाइकिल तथा 1,500 नकद बरामद किया।पूछताछ में आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर सरार्फा व्यापारी से लूट की वारदात स्वीकार की।

शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

जिला संवाददाता(vol)

आजमगढ़। देवों के देव महादेव की भक्ति के माह सावन के पहले सोमवार पर नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के सभी शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ा।

हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारे से सभी शिवालय गुंजायमान हो उठे। शहर के बाबा भंवरनाथ, बउरहवा बाबा, रैदोपुर, बड़ादेव, बड़ा श्रीगणेश मंदिर, गुरूघाट आदि स्थानों के मंदिर शिवालयों में भक्तों का रेला लगा रहा। वहीं दत्तात्रेय, दुवार्सा, भैरोबाबा आदि मंदिरों में शिवभक्तों की कतार भक्ति के रस में सराबोर नजर आई। भंवरनाथ आदि प्रमुख मंदिरों में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सभी प्रमुख मंदिरों पर बैरिकेडिंग की गयी है। वहीं सुरक्षा के लिए पुलिस फोर्स तैनात है। अराजकतत्वों की सीसीटीवी कैमरे से निगरानी भी की जा रही है। सावन माह में भगवान शिव के अराध्य का बड़ा महत्व है। इसका वर्णन शिव महापुराणों में भी किया गया है। पूरे सावन माह में शिव की पूजा-अर्चन के साथ ही जलाभिषेक होता है। कथा-पूजन, हरिकीर्तन के अलावा रूद्राभिषेक भी श्रद्धालु करते हैं। सावन के सोमवार को सभी शिवालयों पर पूजन-अर्चन व जलाभिषेक के लिए शिवभक्तों का जनसैलाब पड़ा। अलसुबह से ही मंदिरों पर घंटा-घड़ियाल, बम-बम भोले के उद्घोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। मंदिरों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने के मद्देनजर मंदिर के व्यवस्थापकों द्वारा सभी प्रमुख मंदिरों पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए एक दिन पूर्व ही बास-बल्ली व रस्सा बांधकर बैरिकेडिंग कर दी गयी है। इसी के साथ ही सुरक्षा के लिए पुलिस फोर्स के अलावा वालेंटियर भी तैनात नजर आए। नगर से सटे भंवरनाथ मंदिर समेत प्रमुख मंदिरों पर निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। वहीं भंवरनाथ मंदिर में प्रशासिक अमला भी व्यवस्था की निगरानी कर रहा था वहीं डीएम मौके पर पहुंचकर व्यवस्था का जायजा लिये।

पहले सोमवार को रही शिवालयों में भारी भीड़

जौनपुर। सावन के पहले सोमवार पर जिले के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। प्रमुख मंदिरों में अब तक एक लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन और जलाभिषेक कर चुके हैं। भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और यातायात के विशेष इंतजाम किए गए हैं। गौरी शंकर धाम (सुजानगंज), त्रिलोचन महादेव, सारनाथ महादेव, गोमतेश्वर महादेव और पांच शिवालय सहित प्रमुख मंदिरों में सुबह तड़के से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। अन्य प्रमुख शिवालयों के कपाट भी सुबह चार बजे जलाभिषेक के लिए खोल दिए गए। मार्कंडेय महादेव धाम, कैथी से गंगाजल लेकर आए कांवड़ियों के जत्थे त्रिलोचन महादेव पहुंचे। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर की धर्मशालाओं, विद्यालय प्रांगण और सरोवर की सीढ़ियों पर विश्राम करते नजर आए। कांवड़ियों की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने जिले में व्यापक रूट डायवर्जन लागू किया है। विभिन्न मार्गों से आने वाले कांवड़ियों को सीधे त्रिलोचन महादेव और वाराणसी की ओर भेजा जा रहा है, जबकि शहर के अंदर सामान्य वाहनों के प्रवेश पर कई स्थानों पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अलावा 4 अगस्त सुबह 8 बजे तक शहर के सात प्रमुख प्रवेश मार्गों से भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई गई है। केवल गैस, पेट्रोल, डीजल और मेडिकल सेवाओं से जुड़े आवश्यक वाहनों को ही छूट दी गई है। पुलिस प्रशासन ने श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्गों का पालन करने और यातायात व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की है।

कानून से खिलवाड़ करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई: सीओ सिटी

आजमगढ़। जनपद में अवैध असलहों की बरामदगी और हर्ष फायरिंग पर रोक लगाने के लिए आजमगढ़ पुलिस लगातार अभियान चला रही है। पुलिस समय-समय पर अवैध हथियारों के साथ आरोपियों की गिरफ्तारी कर रही है और सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई कर रही है। इसके बावजूद जिले में हर्ष फायरिंग और अवैध असलहों के प्रदर्शन से जुड़े वीडियो लगातार सामने आ रहे हैं, जिससे कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। ताजा मामला सिधारी थाना क्षेत्र का है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में एक युवक खुलेआम तमंचे से हर्ष फायरिंग करता दिखाई दे रहा है। वीडियो में युवक बिना किसी भय के लगातार फायरिंग करता नजर आ रहा है। वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में इसकी चर्चा तेज हो गई है और पुलिस की कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि फायरिंग करने वाले युवक की पहचान सिधारी थाना क्षेत्र के तिवारीपुर निवासी अभिनव के रूप में हुई है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। ऐसे में खुलेआम हर्ष फायरिंग का वीडियो सामने आने के बाद यह चर्चा तेज हो गई है कि लगातार पुलिस अभियान के बावजूद अपराधियों में कानून का भय क्यों नहीं दिखाई दे रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। सीओ सिटी शुभम तोड़ी ने बताया कि हर्ष फायरिंग करने वाले युवक की पहचान कर ली गई है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर हर्ष फायरिंग करना कानूनन अपराध है और ऐसे मामलों में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

ऐतिहासिक चेहल्लुम में उमड़ा जन सैलाब

जौनपुर ।नगर का ऐतिहासिक चेहल्लुम सोमवार को गमगीन माहौल में हुआ। इमामबाड़ा शेख मोहम्मद इस्लाम से उठा जूलूस बेगमगंज स्थित सदर इमामबाड़ा पहुंचा जहाँ ऐ हुसैन अलविदा की सदा के साथ नम आंखो से सभी ताजिये व तुरबत सुपुर्दे खाक किये गए। सोमवार को कार्यक्रम का आरम्भ दोपहर एक बजे मजलिस से हुआ, सोजख्वानी हुई एवं मरसियाख्वानी मुफ्ती शारिब मेहंदी ने किया। मजलिस को मौलाना सै नदीम रजा जैदी फैजाबादी ने सम्बोधित करते हुए इमाम पर हुए मसायब पढ़ा तो लोग दहाड़े मार रोने लगे। और इमामबाड़े से ऐतिहासिक तुरबत निकाली गई। तुरबत से मन्नती नेबू उतारने व चढ़ाने के लिए भारी संख्या में महिला पुरुष मोमनीन उमड़ पड़े। उसके बाद ताजिये व तुरबत के साथ जुलूस की शक्ल मे अन्जुमन नौहा पढ़ती मातम करती अपने कदीम रास्ते बाजार भुआ, मुल्लाटोला, बारादुअरिया, हमम्माम दरवाजा, काजियाना गली, अजमेरी, पुरानी बाजार होते हुए सदर इमाम बाड़ा पहुंचकर सम्पन्न हुआ। संचालन कबीर जैदी ने किया। रविवार की रात इस्लाम चैक पर ताजिया रखी गयी तत्पश्चात शब्बेदारी के आयोजनार्थ एक मजलिस हुई पूरे रात दिन लोग ताजिया से मन्नते मागते व उतारते रहे। भोर में पांच बजे अलवेदाई मजलिस हुई जिसको बेलाल हसनैन ने पढ़ा, जिसके बाद आग से दहकती हुई जंजीर का मातम अन्जुमन गुलशने इस्लाम ने किया। रात में संचालन सै अकबर हुसैन जैदी और अबु तालिब जैदी ने किया। ज्ञात हो कि इस ऐतिहासिक चेहल्लुम को पूरे देश में मनाये जाने वाले चेहल्लुम से एक दिन पहले मनाया जाता है। इसके इतिहास को देखते हुए देश के विभिन्न हिस्से से हजारो की संख्या में मोमनीन पहुंचते है। मोतवल्ली जाफर हसन जैदी करबलाई व कार्यकारी मुतवल्ली लाडले जैदी ने लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

साइबर ठगी करने वाले गैंग का सरगना गिरफ्तार

आजमगढ़। जनपद के गम्भीरपुर थाना क्षेत्र में आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम में क्लोनिंग के जरिए साइबर ठगी करने वाले गैंग के सरगना को गम्भीरपुर पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है।

आरोपी के कब्जे से एक कूटरचित (फर्जी) आधार कार्ड और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले से कई गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण एवं थानाध्यक्ष अमित कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक 11 जुलाई 2026 को साइबर सेल और गम्भीरपुर पुलिस ने संदिग्ध बैंक खातों एवं एटीएम हॉटस्पॉट की जांच के दौरान यश विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया था। पूछताछ और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पता चला कि वह अपने साथी सद्दाम के साथ मिलकर आधार आधारित बैंकिंग प्रणाली और बायोमेट्रिक उपकरणों का दुरुपयोग कर साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि विभिन्न बैंक खातों से निकालकर कमीशन के आधार पर बांटता था। इसी मामले में वांछित चल रहे सद्दाम पुत्र तौफिक निवासी रंजीतपट्टी मुहम्मदपुर, थाना गम्भीरपुर को सोमवार दोपहर करीब 1.30 बजे मुखबिर की सूचना पर रानीपुर-रजमों मोड़ से गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक फर्जी आधार कार्ड और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। इस संबंध में थाना गम्भीरपुर पर मुकदमा संख्या 171/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं तथा आईटी एक्ट की धारा 66डी में पहले से मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी रहा है, जिसमें गोवध निवारण अधिनियम, गैंगस्टर एक्ट तथा अन्य गंभीर धाराओं के कई मुकदमे शामिल हैं।

कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण

जौनपुर। राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने सदर विधानसभा क्षेत्र में राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद, उत्तर प्रदेश के अंतर्गत विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया। इन परियोजनाओं के तहत सात संपर्क मार्गों का निर्माण एवं नवनिर्माण कराया गया है, जिनसे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन और अधिक सुगम होने की उम्मीद है। लोकार्पित परियोजनाओं में खेतासरायद्ददीदारगंज मार्ग से जैगहों तक 0.55 किलोमीटर लंबा संपर्क मार्ग 19.77 लाख रुपये की लागत से बनाया गया है। वहीं गुरैनीद्दसोंगर मार्ग से यादव-प्रजापति बस्ती होते हुए गुरैनी मार्ग तक 0.50 किलोमीटर सड़क का निर्माण 14.80 लाख रुपये की लागत से कराया गया ।इसके अलावा जपटापुर भुड़कुडा पिच रोड से लपरी नहर तक 0.40 किलोमीटर संपर्क मार्ग का निर्माण 40.12 लाख रुपये की लागत से, मीरापुरद्दमुबारकपुर मार्ग से पूरा अंधरी गांव में राजीव यादव के घर तक 0.35 किलोमीटर सड़क का निर्माण 12.11 लाख रुपये की लागत से कराया गया। इसी क्रम में जौनपुरद्दखुटहन मार्ग से छतौरा तक 0.50 किलोमीटर लंबे संपर्क मार्ग का नवनिर्माण 15.70 लाख रुपये की लागत से तथा जौनपुरद्दखुटहन मार्ग पर मीरापुर पिच रोड से गुलालपुर तक 0.45 किलोमीटर सड़क का निर्माण 17.51 लाख रुपये की लागत से पूरा किया गया। वहीं कोइरीडीहाद्दमल्हनी मार्ग पर ग्राम सभा जर्गे पिच रोड से जर्सी में अरविन्द यादव के घर तक 0.37 किलोमीटर संपर्क मार्ग का नवनिर्माण 17.19 लाख रुपये की लागत से कराया गया।

गड़बड़ा सीतला धाम में 25 हजार भक्तों ने किया दर्शन पूजन

मीरजापुर। हलिया क्षेत्र के गडबडा सीतला धाम में सावन के प्रथम सोमवार को 25 हजार भक्तों ने दर्शन पूजन किया। रात से हो रही बरसात के कारण कीचड़ भरी सडक व परिक्षेत्र में वाहनों को पार्किंग होने व कडाही चढाने में भक्तों को परेशानी का सामना करना पडा दश बजे दिन के बाद बरसात रूकते ही दर्शनार्थियों का हुजूम उमड़ पडा। भक्त हाथ में मालाफूल, नारियल चुनरी हलवा पूरी, प्रसाद लिये कतार बद्ध हो गये कडी मशक्कत के बाद माँ के चरणों में शीश वाले हुए मनोकामनाएं पुर्ण किया। मंदिर पुजारी मंगलधारी मिश्रा ने बताया कि सुबह से 25 हजार भक्तों ने मां के दरबार में हाजीरी लगाया गया है।

दुद्धी के बीड़र पंचायत सचिवालय परिसर में लगा गंदगी का अंबार

दुद्धी, सोनभद्र। दुद्धी ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत बीड़र का पंचायत भवन परिसर इन दिनों स्वच्छता अभियान की धज्जियां उड़ा रहा है। पंचायत सचिवालय और जन सेवा केंद्र (ब्ब) के ठीक सामने एक तरफ कचरे का अंबार लगा हुआ है, तो दूसरी तरफ मलबे का ढेर जमा है। इस अव्यवस्था को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। ग्रामीण बृजकिशोर सहित अन्य ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी परिसर में इस तरह गंदगी का जमा होना स्वच्छता अभियान को ताक पर रखने जैसा है। इससे न सिर्फ परिसर की सूरत बिगड़ रही है, बल्कि परिसर में आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानी हो रही है और बीमारियों के फैलने का खतरा भी बना हुआ है। बृजकिशोर व अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से इस कूड़े और मलबे को तुरंत यहाँ से हटवाने की पुरजोर मांग की है। इस संबंध में एडीओ पंचायत आशुतोष श्रीवास्तव ने बताया कि परिसर में रखी बोरियां सामान्य कचरा नहीं हैं। यह गाँव भर से इकट्ठा की गई प्लास्टिक है, जिसे रीसाइक्लिंग के लिए सुरक्षित रखा गया है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि जल्द ही इस प्लास्टिक कचरे को यहाँ से रीसाइकिल के लिए आगे भेजवा दिया जाएगा।

जनसुनवाई दिवस का आयोजन

सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से निस्तारण के लिए प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन सोमवार को मुकेश कुमार अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद्र, की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का अयोजन किया गया। तत्क्रम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 2, नगर पंचायत घोरावल में 1, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 4, नगर पंचायत ओबर में 3, नगर पंचायत रेनुकूट में 1, नगर पंचायत पिपरी में 2, नगर पंचायत दुद्धी में 2, नगर पंचायत डाला बजार में 1, नगर पंचायत अनपरा में 2, समस्त निकायों में कुल 20 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, इत्यादि से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया।

अनियंत्रित कार पेड़ से टकराने से दो घायल

आजमगढ़। बिलरियागंज थाना क्षेत्र के श्रीनगर सियरहा गांव के पास सोमवार की सुबह अनियंत्रित कार पेड़ से टकराने से कार सवार दो लोग घायल हो गए। घायलो को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बिलरियागंज क्षेत्र के तेंदुआ काखभार निवासी 40 वर्षीय अरुण कुमार और 35 वर्षीया संध्या कुमारी कार से सुबह करीब पांच बजे बिलरियागंज से शहर की ओर जा रहे थे। कार अरुण चला रहे थे। श्रीनगर सियराहा के पास पहुंचने पर कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकार गई। कार सवार दोनो लोग घायल हो गए, दुर्घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया।

सोमवार को एक लाख से अधिक श्रद्धलुओं ने किया जलाभिषेक

मीरजापुर। सावन मास के प्रथम सोमवार को एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। कोटारनाथ धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। सोमवार को लालगंज के एसडीएम अजीत कुमार ने कोटार नाथ शिव मंदिर पहुंचकर सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने मंदिर परिसर के प्रवेश द्वार, श्रद्धालुओं की कतार व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, बैरिकेडिंग तथा सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। उनके साथ पुलिस अधिकारी एवं मंदिर समिति के सदस्य भी मौजूद रहे। एसडीएम ने निर्देश दिया कि सावन के सभी सोमवारों एवं आगामी शिवरात्रि के अवसर पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त पुलिस एवं पीएसी बल की तैनाती, एंबुलेंस तथा प्राथमिक उपचार की व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। साथ ही श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। भक्त हाथों में जल, दूध और बेलपत्र लेकर भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए उत्साहपूर्वक आगे बढ़ते रहे। ₹हर-हर महादेव₹ के जयघोष से पूरा धाम शिवमय हो उठा। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से शांति एवं अनुशासन बनाए रखने तथा पुलिस व स्वयंसेवकों के निर्देशों का पालन करने की अपील की। इस अवसर पर ग्राम पंचायत प्रशासक विनोद सिंह, यशवंत यादव, घनश्याम सिंह तथा महाशंकर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्राकृतिक रूप से प्रकट हुआ शिवलिंग

मीरजापुर। कोटारनाथ धाम की विशेषता यह है कि यहां कोई कृत्रिम अथवा स्थापित शिवलिंग नहीं है, बल्कि मान्यता के अनुसार शिवलिंग स्वयंभू (स्वतः प्रकट) है। इसी आस्था के कारण जिले के अलावा उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों एवं अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां जलाभिषेक करने पहुंचते हैं और भगवान भोलेनाथ से अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना करते हैं। मंदिर पुजारी जै राम गिरि, राजा राम गिरि,शिव राम गिरि, कैलाश गिरि आदि ने दर्शनार्थियों की सहायता में जुटे रहे। सुरक्षा के तौर पर सीओ अमर बहादुर सिंह, थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव मय पुलिस पीएसी के साथ जमे रहे सोठिया व कोटार रोड पर दो बैरियर लगा कर चार चक्का वाहनों को रोका गया ।जिससे एक किमी तक भक्तों को पैदल चलना पड़ा। बरसात के कारण सडकों से मंदिर परिसर में फिसलन बना रहा।

दुद्धी के शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

दुद्धी, सोनभद्र। आज सावन महीने के प्रथम सोमवार के अवसर पर दुद्धी कस्बे सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के शिवालयों एवं मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए मंदिरों में पहुंचने लगे। पूरे क्षेत्र में ष्हर-हर महादेवष और ष्बोल बमष के जयघोष से भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने रामनगर स्थित हीरेश्वर महादेव मंदिर, मल्देवा के कैलाश कुंज, कन्हरेश्वर महादेव मंदिर, डुमरडीहा स्थित लउवा पहाड़ शिवालय, मुख्य बाजार स्थित शिवाला मंदिर,दुद्धी का शिवाजी तालाब परिसर, अवधूत भगवान राम आश्रम कलकली बहरा सहित क्षेत्र के विभिन्न शिव मंदिरों में भगवान भोलेनाथ की जलाभिषेक किया गया। भक्तों ने शिवलिंग पर गंगाजल, दूध, बेलपत्र,फलहार, धतूरा, पुष्प एवं नैवेद्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्यता और शांति की कामना की ।सावन सोमवार का व्रत रखने वाले श्रद्धालु प्रातःकाल स्नान कर पैदल ही शिवालयों तक पहुंचे और कतारबद्ध होकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिरों में घंट-घड़ियाल, शंखनाद और शिव भजनों की गूंज से पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर रहा। श्रद्धालु रीता, सीता, गीता सोनी, महेश्वरी और गुंजा देवी सहित अन्य महिलाओं ने बताया कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है। उनका कहना था कि इस पावन मास में श्रद्धा और सच्चे मन से की गई पूजा-अर्चना से मन को शांति, सकारात्मक ऊर्जा तथा जीवन में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है ।दिनभर शिवालयों में दर्शन-पूजन का सिलसिला जारी रहा। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण भी किया गया। मंदिर समितियों एवं स्थानीय प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गईं।

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम को भव्यता के साथ मनायें

जिला संवाददाता

मीरजापुर। भारत वर्ष की आजादी के अमृत महोत्सव अन्तर्गत 14 अगस्त 2026 को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस, 9 अगस्त से 17 अगस्त 2026 तक हर घर तिरंगा अभियान एवं 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्यता के साथ मनाए जाने की तैयारियों के दृष्टिगत जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने जिला पंचायत सभागार में जनपद के अधिकारियों, विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों के प्राचार्य, प्रबंधकों, स्वयं सेवी संगठनों के पदाधिकारियों एवं जनपद के गणमान्य नागरिकों के साथ बैठक कर तैयारियों को मूर्त रूप देने पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश के विभाजन के दौरान अपने प्राणों की आहूति देने वाले सेनानियों की स्मृति में 14 अगस्त 2026 को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस शासन के निर्देश व दिए गए मार्ग दर्शन के अनुसार मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी तहसीलों, नगरीय क्षेत्रों, विकास खण्डों में मौन सभा, विभिन्न स्कूलों संगोष्ठी व निबंध प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता आदि कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में जनपद के सभी स्कूलों कॉलेजों में आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सूचना विभाग द्वारा निदेशालय से प्राप्त लघु फिल्म, प्रदर्शनी आदि का प्रदर्शन कर दिखाया जाएगा। सूचना निदेशालय से प्राप्त डॉक्यूमेंट्री को जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से स्कूलों में भी दिखाया जाए। उन्होंने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर मौन कैंडल मार्च भी स्वयं सेवी संगठनों द्वारा निकाला जाए। उन्होंने कहा कि सभी कार्यक्रमों को माई भारत पोर्टल पर अपलोड भी किया जाए।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम की तैयारियों के सम्बंध में जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी 9 अगस्त 2026 से 17 अगस्त 2026 तक ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में प्रत्येक घरों पर तिरंगा फहराया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान दिलाना और आने वाली पीढ़ी, युवाओं की भावना को जागृत करना मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने डीसी एनआरएलएम व परियोजना अधिकारी डूडा को निर्देशित करते हुए कहा कि तिरंगा निर्माण कार्य प्रत्येक दशा में दोनों विभाग 7 अगस्त 2026 तक लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत पूर्ण करते हुए अपर जिलाधिकारी के माध्यम से ग्राम पंचायतों, नगर पालिकाओं में इस आशय से पहुंचाया जाए कि 8 अगस्त 2026 के सांय काल तक प्रत्येक घर में तिरंगा पहुंच सके। उन्होंने कहा कि तिरंगा बनाने व संग्रह करने का कार्य विभिन्न एनजीओ, उद्यमियों से भी अपील कर संग्रहीत किया जाए। सरकारी भवनों के अतिरिक्त निजी भवनों, दुकानों, वाहनों व अन्य प्रतिष्ठानों पर तिरंगा लगाने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 2026 तक प्रत्येक घरों पर तिरंगा लगाते हुए सभी हर घर तिरंगा हैशटैग पर अपलोड कराया जाए। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2026 को जनपद में पूरे हर्षोल्लास व भव्यता के साथ मनाए जाने के दृष्टिगत सभी तैयारियां पूर्ण कराने के लिए समीक्षा की गई।

कार्यालय
अधिशासी अभियन्ता
भूगर्भ जल विभाग, खंड-आजमगढ
गौतम काम्पलेक्स, सिधारी, आजमगढ ।

पत्रांकः-1817/भू.ज.वि.खं.आ./पीजो (यो-1) (2020-27)/ **दिनांक/03/08/2026**

टेण्डरिंग के माध्यम से कराये जाने वाले कार्यों की अल्पकालीन निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल, उ.प्र. की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा विभागीय योजना 'अक्रियाशील/निष्क्रिय पीजोमीटर के स्थान पर नये पीजोमीटर की स्थापना' कार्य हेतु जनपद-आजमगढ में निर्माण हेतु निविदायें दिनांक 05-08-2026 पूर्वान्ह 10.00 बजे से आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदाओं को कार्यालय, अधिशासी अभियन्ताभूगर्भ जल विभाग, खंड-आजमगढ दिनांक 12-08-2026 पूर्वाहन 11.00 बजे तक क्रय किया जा सकेगा एवं टेक्निकल एवं फाइनेंशियल बिड दिनांक 12-08-2026 को ही अपराहन 3.00 बजे भूगर्भ जल विभाग, खंड, आजमगढ़ द्वारा गठित समिति के समक्ष खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने या अवकाश होने की दशा में यह बिड अगले कार्यालय दिवस में उसी समय खोली जायेगी। निविदा शुल्क तथा धरोहर राशि (EMD) कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता भूगर्भ जल विभाग, खण्ड-आजमगढ में जमा की जायेगी।

क्र. सं.	निविदा सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. में) (जी.एस.टी. रहित)	कार्य पूर्ण करने का समय	धरोहर धनराशि (रू.)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.)(जी.एस.टी. सहित)
1	2	3	4	5	6	7
01	01/GWDAZM/पीजो. अनु.	जनपद-आजमगढ के विभिन्न विकास खण्डो में (04) अक्रियाशील पीजो मीटर के स्थान पर नये पीजोमीटर का निमार्ण कार्य	406168.00	08 दिवस	8200.00	(700.00
02	02/GWDAZM/पीजो. अनु.	जनपद-मऊ के विभिन्न विकास खण्डो में (04) अक्रियाशील पीजोमीटर के स्थान पर नये पीजो मीटर का निमार्ण कार्य	406168.00	08 दिवस	8200.00	(700.00
03	03/GWDAZM/पीजो. अनु.	जनपद - बलिया के विभिन्न विकास खण्डो में (04) अक्रियाशील पीजोमीटर के स्थान पर नये पीजो मीटर का निमार्ण कार्य	406168.00	08 दिवस	8200.00	(700.00

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण, विस्तृत नियम व शर्ते बिड प्रपत्र कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता भूगर्भ जल विभाग, खंड-आजमगढ, गौतम काम्पलेक्स, सिधारी, आजमगढ़ से प्राप्त किये जा सकते हैं।

(अजीत कुमार कन्नौजिया)
हाइड्रोलॉजिस्ट

संक्षेप

शस्त्र लाइसेंस को शस्त्र हैंडलिंग प्रशिक्षण प्रमाणपत्र अनिवार्य

आगरा। नए हथियार लाइसेंस या वारिसान के नाम स्थानांतरण के लिए अब शस्त्र हैंडलिंग प्रशिक्षण प्रमाणपत्र अनिवार्य कर दिया गया है। यह प्रमाणपत्र प्रत्येक माह में छह दिन पुलिस लाइन में आयोजित शिविरों में जारी किया जाएगा। शिविरों में आवेदक को हथियार चलाने, संभालने और रखने की क्षमता साबित करनी होगी। पुलिस लाइन में परीक्षण के बाद ही आवेदक को प्रमाणपत्र मिलेगा। बिना प्रमाणपत्र हासिल किए किसी को भी लाइसेंस जारी नहीं किया जाएगा। प्रशिक्षण में शस्त्र अधिनियम के बारे में पढ़ाया जाएगा। आवेदकों को हथियार की सुरक्षा, गोली चलाने का तरीका और देखभाल करना सिखाया जाएगा। हथियार को बच्चों की पहुंच से दूर रखने का तरीका भी बताया जाएगा। प्रतिसार निरीक्षक ने एडीएम सिटी यमुनाधर चौहान को पत्र जारी कर प्रशिक्षण की तारीखें तय की हैं। हर माह 1, 2 व 3 और 16, 17 व 18 तारीख को पुलिस लाइन में शस्त्र हैंडलिंग प्रशिक्षण शिविर लगेंगे, जहां प्रमाणपत्र बनेंगे। जिले में कुल 46,688 हथियार हैं, जिनमें से शहर में 21,131 और ग्रामीण क्षेत्र में 25,557 हैं। नए लाइसेंस जारी करने पर फिलहाल रोक है। केवल पुराने लाइसेंस वारिसान के नाम स्थानांतरित किए जा रहे हैं। एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम स्थित शूटिंग रेंज में शस्त्र प्रशिक्षण शुल्क में गड़बड़ी की आशंका है। एडीएम सिटी यमुनाधर चौहान ने कोच दक्ष गौतम से 1 जुलाई 2025 से 1 जुलाई 2026 तक के प्रशिक्षण शुल्क का ब्योरा मांगा है। इसमें प्राप्त शुल्क और बैंक खाता जिसमें शुल्क जमा हुआ, उसका रिकॉर्ड तलब किया है। शूटिंग रेंज से प्रमाणपत्र जारी करने का शुल्क 1000 रुपये है। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि प्रशिक्षण प्रमाणपत्र के लिए कुल 1000 रुपये शुल्क निर्धारित किया है। इसमें से 800 रुपये राइफल क्लब एसोसिएशन के खाते में जमा होंगे। शेष 200 रुपये जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति के खाते में जमा कराए जा रहे हैं। प्रशासन पिछले एक साल से शूटिंग रेंज से इस शुल्क का ब्योरा प्राप्त करने में असमर्थ रहा है।

शराब से राजस्व के लिए चढ़ाई नियमों की बलि

आगरा। नई आबकारी नीति में धर्मस्थल और शैक्षणिक संस्थानों के पास शराब के ठेके खुल गए। राजस्व के लालच में नियम बलि चढ़ रहे हैं। रविवार को महिलाओं ने केंद्रीय राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल को ज्ञापन सौंप आलोक नगर स्थित कंपोजिट दुकान को बंद कराने की गुहार लगाई। आलोक नगर में पिछले चार दिनों से ठेका हटाने के विरोध में आंदोलन जारी है। भाजपा पार्षद रेनू गुप्ता ने बताया कि आलोक नगर में शराब ठेका से 100 मीटर की दूरी पर पांच मंदिर है। तीन शैक्षणिक संस्थान है।

आबकारी विभाग और जिला प्रशासन की लापरवाही से आंख मूंद कर आवंटन किए। आवंटन से पूर्व स्थलीय निरीक्षण तक नहीं किया गया। शराब ठेके से छात्राएं, महिलाओं परेशान हैं। सुबह 8 बजे से रात 12 बजे तक शराबियों का जमघट लगा रहता है।

महिलाओं ने केंद्रीय राज्यमंत्री से शराब ठेका बंद कराने की मांग की है। उधर, जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि शराब ठेका से प्रतिमाह करीब 50 लाख रुपये का राजस्व मिल रहा है। आवंटन के समय शैक्षणिक व धार्मिक स्थल की जांच प्रक्रिया ऑनलाइन होने के कारण नहीं हो सकी।

श्रावण मास के पहले सोमवार, 3 लाख 81 हजार पार्थिव शिवलिंग बने

बेलपत्र-धतूरा, दूध-दही, पंचामृत से किया अभिषेक, यमुना में विसर्जन ब्रज की माटी से बना रहे पार्थिव शिवलिंग, शिवभक्तों का ब्रज में अनूठा अनुष्ठान

जिला संवाददाता

मथुरा। वृन्दावन श्रावण मास के पहले सोमवार को शिवभक्तों ने ब्रज की माटी से 3 लाख 81 हजार पार्थिव शिवलिंग बनाकर, दूध-दही, गंगाजल, शहद, बिल्बपत्र, धतूरा

ब्रज कृष्ण का धाम, शिव भी गोपेश्वर रूप में विराजमान: देवकीनंदन महाराज

कन्हैया के भक्तों से अत्यन्त प्रसन्न रहते भोलेनाथ: देवकीनंदन महाराज

आदि से विधिपूर्वक अभिषेक किया। देवकीनंदन महाराज के साथ हजारों षिवभक्तों ने भगवान भोलेनाथ की आरती उतार कर कन्हैया के ब्रज में शिव अराधना एवं अनुष्ठान का पंचम दिवस पूर्ण किया।

प्रियाकान्तजु मंदिर पर आयोजित 21 लाख पार्थिव शिवलिंग अनुष्ठान महोत्सव में सोमवार को षिवमहापुराण कथा श्रवण कराते हुये देवकीनंदन महाराज ने कहा कि कन्हैया के भक्तों से भगवान भोलेनाथ अत्यन्त प्रसन्न रहते हैं। उन्होने कहा कि ब्रज में रहकर षिवभक्ति करना सामान्य बात नहीं हैं। यह कन्हैया का धाम है लेकिन षिव भी यहाँ कृष्णभक्त बनकर गोपेश्वर रूप में विराजमान हैं। उन्होने कहा कि लाला के दर्शन के लिये भूतनाथ शिव बाबा बनकर मैया यशोदा के घर आ गये थे। कन्हैया उनका स्वरूप देखकर कहीं डर न जायें इसलिये यशोदा मैया ने कहा कि कन्हैया सो रहे हैं। लेकिन शिवजी श्रीकृष्ण के बालस्वरूप के दर्शन के बिना जाने वाले नहीं थे। जैसे ही कन्हैया ने देखा कि यशोदा मैया भोलेनाथ को अंदर नहीं आने दे रहीं तभी वे लीला करके रोने लगे। मैया जैसे ही उन्हें आंगन में लेकर आयीं भोलेबाबा को देखकर वे प्रसन्न हो गये जैसे भगवान और भक्त का मिलन हो गया हो। गोपेश्वर महादेव की कथा श्रवण कराते हुये देवकीनंदन महाराज ने कहा कि जब कन्हैया ने रास रचाया तो पुरूषों के प्रवेश वर्जित होने पर शिव ने गोपी का रूप धारण कर लिया। वृन्दावन में शिव, गापेश्वर बन कर आज भी विराजित हैं। इस अवसर पर सूर्यकान्त गुप्ता, प्रकाश रांची, अंजना, नितेश जिंदल, अनुराधा चटर्जी, रोशनी प्रकाश चन्द्र राय, हीरादेवी, ममता प्रकाश, किरन सीमा अग्रवाल, अशोक गुप्ता आदि ने व्यासपीठ पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

भूतेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन को उमड़ी भीड़

मथुरा। सावन के पहले सोमवार को प्राचीन भूतेश्वर महादेव मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। तड़के से ही भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंजता रहा।

श्रद्धालुओं ने गंगाजल, दूध, बेलपत्र, धतूरा, चंदन, पुष्प और भांग अर्पित कर भगवान शिव का विधि-विधान से जलाभिषेक किया। भक्तों ने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। सावन के पहले सोमवार पर मंदिर को आकर्षक फूलों से सजाया गया। सुबह से घंटों और शंखनाद की गूंज के बीच महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और बच्चों ने श्रद्धापूर्वक दर्शन किए। देर शाम तक मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस ने मंदिर परिसर व आसपास बैरिकेडिंग कर अलग-अलग कतारों की व्यवस्था की। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी और प्रशासनिक अधिकारी तैनात रहे। भीड़ के बावजूद दर्शन व्यवस्था पूरे दिन सुचारु रूप से संचालित होती रही।

विधवा की हत्या कर लूट करने वाले दो बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

फिरोजाबाद। थाना मक्खनपुर क्षेत्र में अकेली रह रही विधवा महिला की हत्या कर लूट की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें पुलिस अभिरक्षा में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले में शामिल तीसरा आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत एसओजी, सर्विलांस और थाना मक्खनपुर पुलिस की संयुक्त टीम को सूचना मिली थी कि हत्या व लूट के मामले में वांछित दो आरोपी खादु श्याम मंदिर के पास किसी वारदात की फिराक में मौजूद हैं। पुलिस के पहुंचते ही दोनों मोटरसाइकिल से भागने लगे। पीछा करने के दौरान उनकी बाइक फिसल गई। खुद को घिरता देख आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैर में गोली लगी और उन्हें मौके से दबोच लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लक्की पुत्र संजय निवासी ट्रांस यमुना, आगरा तथा आकाश उर्फ हनुमान पुत्र धर्मेंद्र कुमार निवासी मक्खनपुर, फिरोजाबाद के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने अपने तीसरे साथी मोहित की संलिप्तता स्वीकार की है, जो फिलहाल फरार है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मृतका के दो सोने के कंगन, दो अंगूठियां, दो अवैध तमंचे तीन खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस, बिना नंबर प्लेट की एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल मृतका का आधार कार्ड तथा एसबीआई का एटीएम कार्ड बरामद किया है। गौरतलब है कि 23/24 जुलाई 2026 की रात थाना मक्खनपुर क्षेत्र में अकेली रह रही विधवा सरोज देवी की धारदार हथियार से हत्या कर बदमाश घर में रखे सोने के आभूषण व अन्य सामान लूटकर फरार हो गए थे। घटना के खुलासे के लिए एसएसपी ने तत्काल एसओजी, सर्विलांस और थाना पुलिस की संयुक्त टीम गठित की थी। पुलिस अब फरार आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

विद्यार्थियों ने पीएम के आह्वान पर लिया नशामुक्त रहने का संकल्प

जिला संवाददाता

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के सेमिनार हाल में ह्यनशा मुक्त युवा फार विकसित भारत संकल्प अभियानह्ण के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रव्यापी वीडियो कान्फ्रेंस में देश के युवाओं को संबोधित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संभाषण को गंभीरता से सुना। प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि देश के भविष्य और आपके अपने जीवन के लिए, व्यसन से मुक्त रहना अत्यंत आवश्यक है। उनके इस आह्वान पर संस्कृति विवि के विद्यार्थियों ने एकमत से नशामुक्त रहने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, ह्यह्यआज हम सभी देशवासी एक महान और महत्वपूर्ण संकल्प के लिए एकजुट हुए हैं। यह अभियान केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक ही सीमित नहीं है, बल्कि परिवारों, समाज और पूरे राष्ट्र के व्यापक हितों की भी पूर्ति करता है। ह्यनशामुक्त भारत संकल्प अभियानह्ण के मूल उद्देश्य को रेखांकित करते हुए उन्होंने इस बात पर बल दिया कि विकसित भारत को प्राप्त करने के लिए शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से सशक्त और आत्मविश्वास से भरपूर युवा पीढ़ी का होना अनिवार्य है, जो आत्म-विनाशकारी आदतों से पूरी तरह मुक्त हो। नशा-विरोधी शपथ लेने वाले लाखों युवाओं की सराहना करते हुए, प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत संयम बनाए रखने और स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में नशामुक्त जीवन का संदेश सक्रिय रूप से फैलाने के उनके दृढ़ संकल्प की प्रशंसा की।

इस बीच उन्होंने अभियान के महत्वाकांक्षी 100-सप्ताह के रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की। छात्रों, राष्ट्रीय सुरक्षा सेवा सदस्यों और ह्यमाई भारतह्ण स्वयंसेवकों की विशाल ऑनलाइन सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं द्वारा प्रदर्शित गहन जागरूकता, संवेदनशीलता और गंभीर समर्पण पर अपार गर्व व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि नशीले पदार्थों से मिलने वाला क्षणिक आनंद अंततः उनके करियर और पारिवारिक जीवन के लिए स्थायी पतन का कारण बनता है।

भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक नेताओं के गहन ज्ञान, विशेष रूप से श्री गुरु ग्रंथ साहिब की शिक्षाओं का हवाला देते हुए, उन्होंने नशीले पदार्थों के प्रति समाज की ऐतिहासिक अस्वीकृति को उजागर किया। अंत में उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि हमारे युवा नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा बचाएंगे और विकसित भारत के संकल्पों को आगे बढ़ाएंगे।

संस्कृति विवि के विद्यार्थियों ने एकमत से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस आह्वान का समर्थन करते हुए नशामुक्त रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का सफल आयोजन डा. केशचंद्र, वार्डन नेहा, आईटी इंचार्ज सुधांशु श्रीवास्तव, वार्डन रोशनी के कुशल संयोजन में हुआ।

मथुरा रेलवे स्टेशनों पर दिव्यांगजनों से आवेदन आमंत्रित

मथुरा। जनपद के रेलवे स्टेशनों पर स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनों के जरिए अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए सुविधा प्रदाताओं के अनुबंध हेतु नोटिफिकेशन जारी किया गया है। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विशाल कुमार ने जानकारी दी है कि भारत की महामहिम राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आगरा मंडल द्वारा यह आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर अनुबंध हेतु मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन (एन.एस.जी.-2 श्रेणी): 04 रिक्तियां, कोसीकलां रेलवे स्टेशन (एन.एस.जी.-4 श्रेणी) 03 रिक्तियां, भूतेश्वर रेलवे स्टेशन (एन.एस.जी.-5 श्रेणी) 03 रिक्तियां, अनुबंध की अवधि 6 माह है।

आवेदक केवल गतिशील अक्षमता से ग्रसित दिव्यांगजन होना चाहिए। न्यूनतम शैक्षिक योग्यता मैट्रिक (10वीं) या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए। आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित है। आवेदक का मथुरा जिले का निवासी होना अनिवार्य है।

जीवित पत्नी का श्राद्ध व पिंडदान कर पति ने वायरल किया वीडियो, पीड़िता सदमे में

फिरोजाबाद। सुहागनगरी के थाना लाइनपार क्षेत्र से रिश्तों को तार-तार कर देने वाला एक ऐसा हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसने हर किसी को स्तब्ध कर दिया है। यहाँ पारिवारिक कलह और कानूनी कार्रवाई से बौखलाए एक पति ने अपनी जीवित पत्नी का पूरे कर्मकांड के साथ श्राद्ध और पिंडदान कर दिया। इतना ही नहीं, सिरफिरे पति ने इस कृत्य का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिया, जिससे पीड़िता को गहरा मानसिक सदमा लगा है। वायरल हो रहे वीडियो में आरोपी पति अपनी जीवित पत्नी का नाम लेकर बाकायदा पंडित मंत्रोच्चार की तर्ज पर पूरी विधि-विधान से पिंडदान और श्राद्ध कर्म करता हुआ साफ दिखाई दे रहा है। ?पीड़िता का आरोप है कि, उसका पति और ससुराल पक्ष के लोग काफी समय से उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। प्रताड़ना से तंग आकर जब विवाद बढ़ा, तो पीड़िता ने न्याय की गुहार लगाते हुए पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी।पुलिस शिकायत से नाराज और बौखलाए पति ने बदले की नीयत से खौफनाक और अजीबोगरीब कदम उठाते हुए अपनी ही जीवित पत्नी को मृत मानकर उसका श्राद्ध रच डाला और वीडियो इंटरनेट पर डाल दिया।सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने और मामला सामने आने के बाद पीड़िता ने तुरंत पुलिस से गुहार लगाई। मामले की गंभीरता और पीड़िता के मानसिक उत्पीड़न को देखते हुए थाना लाइनपार पुलिस ने त्वरित संज्ञान लिया है। ?पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो की सत्यता की जांच की जा रही है और पीड़िता की तहरीर के आधार पर आरोपी पति व संबंधितों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

सावन के पहले सोमवार को हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजे शिवालय

फिरोजाबाद। सावन माह के पहले सोमवार को जनपद पूरी तरह शिवमय नजर आया। गांव हो या शहर सुबह से ही शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं और कांवड़ियों की भारी भीड़ उमड़ी। गंगाजल लेकर पहुंचे कांवड़ियों ने भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से जलाभिषेक किया तथा सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिरों में हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। जनपद के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। जगह-जगह सामाजिक संगठनों द्वारा कांवड़ियों के लिए पेयजल फल, प्रसाद और चिकित्सा सहायता की व्यवस्था की गई। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और आस्था के साथ भगवान शिव की आराधना की। कांवड़ यात्रा और पहले सावन सोमवार के मद्देनजर जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह अलर्ट रही। संवेदनशील मार्गों एवं मंदिरों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। दिनभर मंदिरों में पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक, भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजनों का क्रम चलता रहा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच पूरा जनपद शहरी व ग्रामीण अंचल शिवभक्ति के रंग में रंगा दिखाई दिया। इस दौरान जिला प्रशासन की चाक चौबंद व्यवस्था देखने को मिली डीएम एसएसपी लगातार जनपद के कांवड़ रूटों का निरीक्षण करते रहे। प्रशासन की पहले से ही की गई समुचित तैयारियों से कांवड़ियों की यात्रा सुलभ और सुगम रही।

डीएम ने किया राजकीय बाल गृह का निरीक्षण

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य के साथ राजकीय बाल गृह का औचक निरीक्षण किया,इस दौरान जिलाधिकारी ने बाल गृह में रह रहे बच्चों की देखभाल,पढ़ाई, स्वास्थ्य सुविधाओं और आवास व्यवस्था का विस्तृत जायजा लिया। जिलाधिकारी को बताया गया कि इस बाल गृह में 50 बालक आवासित है, जिलाधिकारी ने बेहद स्नेह पूर्ण वातावरण में संवाद किया,बच्चों से उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं के बारे में पूंछा,जिस पर बच्चों ने यहां मिल रही सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया, बातचीत के दौरान कुछ बच्चों ने अपने माता-पिता के पास जाने की इच्छा जताई।जिलाधिकारी ने संबंधित प्राबेशन अधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन बच्चों के घर का पता संभव हो सके,उन्हें नियमानुसार उनके परिजनों से मिलने की प्रक्रिया प्राथमिकता पर पूरी की जाए, जिलाधिकारी को बाल गृह के कर्मचारियों ने अवगत कराया कि यहां पर नियमित अंतराल पर डॉक्टरों द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाता है, जिलाधिकारी ने बच्चों के अध्ययन स्तर को परखते हुए निर्देश दिए कि उनके शैक्षणिक विकास और स्वास्थ्य हमेशा प्राथमिकता पर रहें। यहां पर बच्चों की काउंसलिंग कर रही नीलम भारती ने जिलाधिकारी को बताया कि हम यहां बच्चों के मानसिक स्तर को मजबूत बनाने का कार्य करते हैं, जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों को सीखने और सीखाने की प्रक्रिया अत्यंत सरल और सहज होनी चाहिए, जिससे बच्चे अपनों से बिछुड़ने के दर्द से मुक्त हो सके और मानसिक रूप से भी मजबूत बन सकें। इस बाल ग्रह में 10 वर्ष से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चे संरक्षित है। अंत में जिलाधिकारी ने कहा कि बाल गृह का मुख्य उद्देश्य केवल बच्चों को आश्रय देना नहीं, बल्कि उन्हें मुख्य धारा से जोड़ना है, यह बच्चे ही देश के भविष्य के निमार्ता हैं, इनके स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ सबसे अधिक प्यार-दुलार और सहानुभूति की आवश्यकता है, जब हम बच्चों के साथ संवेदनशीलता और स्नेह से व्यवहार करेंगे, तभी उनके भीतर सकारात्मक बदलाव आएगा और वह समाज में बराबरी के साथ आगे बढ़ सकेंगे।

चिंताहरण महादेव की डीएम और एसएसपी ने की पूजा, सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मथुरा। जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने पवित्र श्रावण माह के पावन अवसर एवं सावन के प्रथम सोमवार के दृष्टिगत सुप्रसिद्ध श्री चिंताहरण महादेव मंदिर का निरीक्षण किया। उन्होंने श्रद्धालुओं हेतु की गई विभिन्न व्यवस्थाएं जैसे मंदिर के आवागमन मार्ग, होल्डिंग एरिया, बैरियर, बैरिकेडिंग आदि का जायजा लिया। सीसीटीवी के माध्यम से मंदिर परिसर में भीड़ नियंत्रण का अवलोकन किया।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने दुकानदारों एवं मिष्ठान विक्रेताओं से अनुरोध किया कि गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थों का प्रयोग करे। उन्होंने उप जिलाधिकारी महावन प्राजक्ता त्रिपाठी को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधाओं हेतु अपने क्षेत्र में नियमित निरीक्षण करें, मंदिरों के प्रबंधकों से संवाद स्थापित करे तथा भीड़ नियंत्रण हेतु सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने श्रीचिंताहरण महादेव मंदिर के निकट स्थित घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने घाटों में सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी महावन को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सावन/श्रावण माह के पावन अवसर पर पवित्र कांवड़ यात्राओं को सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित बनाने के संबंध में कृष्णापुरी तिराहा, लक्ष्मी नगर, लक्ष्मी नगर तिराहा, यमुना एक्सप्रेस-वे राया कट, थाना राया क्षेत्रान्तर्गत बिचपुरी चैकी तथा अलीगढ़ बॉर्डर तक निरीक्षण किया। उन्होंने कांवड़ियों की सुविधाओं हेतु स्वास्थ्य, सुरक्षा, सीसीटीवी, पेयजल, यात्रा मार्ग, यातायात, साफ-सफाई आदि का जायजा लिया। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने उप जिलाधिकारी मांट चंद्रभूषण प्रताप को निर्देश दिए कि अपने क्षेत्र में नियमित दूरी पर स्वास्थ्य टीम, एम्बुलेंस, सफाई कर्मचारी तथा पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यातायात सुचारू बनाए रखने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएं। जिलाधिकारी ने पेड़ो की छटाई, अस्पतालों में बेड आरक्षित, ड्रोन के माध्यम से निगरानी आदि के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ियों को सुदृढ़ सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु पुलिस-प्रशासन कटिबद्ध है। जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था, श्रद्धा एवं विश्वास का महापर्व है। साफ-सफाई, गड्ढामुक्त सड़क, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, मोबाइल शौचालय, चिकित्सा शिविर, एंबुलेंस, अग्निशमन व्यवस्था तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति हमारी प्राथमिकता है। जिलाधिकारी ने संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती आदि के निर्देश दिए। उन्होंने कहा की अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्यवाही सुनिश्चित करें तथा सोशल मीडिया पर नियमित निगरानी सुनिश्चित करें।

स्टेडियम से कहां गया राष्ट्रीय खिलाड़ी

आगरा। एकलव्य स्टेडियम के हॉस्टल से शुक्रवार की सुबह से लापता राष्ट्रीय टेबल टेनिस खिलाड़ी का शनिवार को भी सुराग नहीं मिला है। पिता को हॉस्टल की छत पर खून के निशान मिले। उनकी मांग पर फोरेंसिक टीम ने जांच कर सैंपल लिए। वहीं पुलिस का खोजी श्वान कमरे से छत और फिर पास ही नाले के पास झाड़ियों तक जाकर लौट आया। पिता ने अनहोनी की आशंका जताई है। स्टेडियम के अधिकारी और कर्मचारी समेत चार के खिलाफ तहरीर दी है। बेटे को जातिगत टिप्पणी कर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। शाहगंज के नगला छउआ निवासी वंश सिंह स्टेडियम के छात्रावास में रहकर टेबल टेनिस का प्रशिक्षण ले रहे थे। वह अंडर-17 वर्ग में कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर चुके हैं और कई पुरस्कार भी जीते हैं।

शिक्षा मित्रों ने बीएसए कार्यालय पर शुरू किया अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन

मथुरा। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ के बैनर तले जिला अध्यक्ष खेमसिंह चैधरी के नेतृव में मूल विद्यालय वापसी / स्थान्तरण सहित शिक्षा मित्रों की विभिन्न मांगों के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर सैकड़ों शिक्षा मित्रों ने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है।जानकारी देते हुए शिक्षा मित्र संघ के जिला अध्यक्ष खेम सिंह चैधरी ने बताया कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की अनुपस्थिति में प्रभारी बेसिक शिक्षा अधिकारी दिनेश चन्द त्रिपाठी से वार्ता हुई, वार्ता में प्रभारी बीएसए ने कहा कि बीएसए मैडम जनपद में नही है मूल विद्यालय वापसी/स्थान्तरण उनके आते ही कर करवा दिए जाएंगे। लेकिन शिक्षा मित्रों की मांग थी कि जो भी आश्वासन आपके द्वारा दिया जा रहा है ।

महिला की हत्या-लूट का एसएसपी ने किया खुलासा, मुख्य आरोपी घायल

मथुरा। जैंत थाना क्षेत्र के गांव बाटी में और लूट की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। थाना जैत पुलिस और सर्विलांस टीम ने 27 जुलाई की रात हुई विजय देवी की गला रेतकर हत्या और लूट की सनसनीखेज वारदात का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को पुलिस मुठभेड़ में घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इस अपराध में सहयोग करने वाले उसके मां-बाप को भी दबोच लिया। आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त आला कत्ल, अवैध तमंचा, कारतूस, लूटी गई नकदी और मृतका के जेवरात बरामद किए गए हैं। इस आशय की जानकारी सोमवार पुलिस लाइन सभागार में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने पत्रकारों को दी है।

एसएसपी ने बताया जैंत पुलिस और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई के दौरान मुख्य आरोपी विष्णु उर्फ लुक्का (निवासी बाटी) पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। उसके दोनों पैरों में गोली लगी है, जिसके बाद उसे उपचार के लिए संयुक्त जिला अस्पताल वृंदावन भेजा गया है। आरोपी के माता-पिताकृपिता हरप्रसाद और मां मीनाकृको भी साक्ष्य मिटाने और सहयोग करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मां मीना ने हत्या में प्रयुक्त चाकू छिपाया था, जबकि पिता हरप्रसाद ने लूटा गया सामान और नकदी ठिकाने लगाई थी। आरोपी ने अपने खून से सने कपड़े भी धो दिए थे। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक तमंचा, कारतूस, हत्या में प्रयुक्त चाकू, मृतका के जेवर (कुंडल, बाली, पायल, नाक की लौंग, श्यामजी का लॉकेट) और 13,500 रुपये नकद बरामद किए हैं। मृतका विजय देवी स्वयं सहायता समूह के जरिए महिलाओं को ऋण दिलाने का कार्य करती थी। पड़ोसी आरोपी विष्णु को इस बात की पूरी जानकारी थी कि मृतका के पास महिलाओं द्वारा जमा किए गए रुपये और आभूषण रहते हैं। घटना की रात मृतका का पति और दोनों बेटे घर से बाहर थे तथा बारिश के कारण आसपास के ग्रामीण भी अपने घरों में थे। इसी बात का फायदा उठाकर आरोपी घर में घुस गया। चोरी के दौरान जब महिला की आंख खुल गई, तो आरोपी ने चाकू से कई वार कर उसका गला रेत दिया और जेवर व नकदी लूटकर फरार हो गया था। इस सफल खुलासे और गिरफ्तारी में शामिल पुलिस टीम के थाना जैंत प्रभारी सोनू सिंह, वउनि सुधीर राठी, सर्विलांस टीम प्रभारी विकास कुमार शर्मा मय टीम, उ०नि० अंकित कुमार, उ०नि० निशांत पायल, उ०नि० अभिनेन्द्र राजपूत, उ०नि० उत्तम भड़ाना, उ०नि० प्रशांत शर्मा, उ०नि० सन्दीप कुमार, उ०नि० अंकुश चैधरी, उ०नि० सन्दीप राणा, म०उ०नि० प्रिया सिवाच, म०उ०नि० काजल, हैकानि - दिनेश कुमार, परवेन्द्र (सर्विलांस), सुमित (सर्विलांस), अंकित कौशिक, है०कानि० रजनीश, हैकानि विश्वेन्द्र सिंह, हैका विकास गौतम, का पीयूष कुमार (सर्विलांस सैल टीम), का० रोहित कुमार, का० पीताम्बर कुमार, पुष्पेन्द्र कुमार, मका - गुड़िया (थाना जैत, मथुरा) शामिल है।

देश के समक्ष चुनौतियां

आजाद भारत की यात्रा 79 वर्ष की होने वाली है। एक सप्ताह बाद ही भारत अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मनायेगा। आजादी हमे करीब-करीब एक सदी के संघर्ष और हजारों-लाखों बलिदान के बाद, त्रासद रूप में मिली थी। 21 वर्ष बाद देश के पीएम आजादी की 100वीं वर्ष गांठ पर अर्थात 15 अगस्त 2047 तक विकसित भारत का सपना देखते हैं और देशवासियों से साझा करते हैं, तो यह समझना चाहिए कि यह मुकाम हासिल करने के लिए देश ने लंबी, ऐतिहासिक, जद्दोजहदपूर्ण और सफलताओं से भरी यात्रा की है। 15 अगस्त 1947 को हमें आजादी मिली थी। इसे यूं कह सकते हैं कि अंग्रेज भारत को लूट-खसोटकर, 500 से अधिक रियासतों में देश को अलग-थलग कर, दंगा, अकाल और भुखमरी फैलाकर, देश को अनेक टुकड़ों में बांटकर चले गये थे। एक तरह से भारत को फिर से अपने पैरों पर खड़ा होना था। वैसे अंग्रेज इस भरोसे गये थे कि भारत संभल नहीं पायेगा। दंगा और अकाल के बीच अस्तित्व खो देगा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में इस देश ने ऐतिहासिक कुर्बानियां देकर आजादी हासिल की थी। लोग अपने हिसाब से भले यह परिभाषित करें कि हमें आजादी अहिंसा के रास्ते, बिना खड़क, बिना ढाल के मिली, लेकिन ये सच नहीं है। आजादी का सच बहुत भयावह है। 1857 में स्वतंत्रता संग्राम की पहली लड़ाई लड़ी गयी थी जिसे अंग्रेजों ने कुचल दिया था। हजारों लोगों ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में शहादत दी। उसके ठीक नब्बे साल बाद अर्थात 1947 में भारत ने आजादी की सुबह देखी, तो इस तरह पहली लड़ाई से लेकर 15 अगस्त 1947 तक, कुल नब्बे साल तो सीधे-सीधे अंग्रेजों के साथ संघर्ष ही चला। लेकिन उससे पहले भी देश के विभिन्न भागों में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह हो रहे थे। अगर

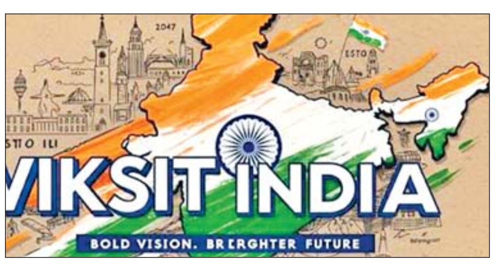

उनको भी जोड़ लें तो वास्तव में आजादी का संघर्ष दो शताब्दी से भी अधिक चला और इसमें लाखों-लाख लोग मारे गये। आजादी से ठीक एक साल पहले 16 अगस्त 1946 को जिन्ना ने देश को बांटने के लिए डायरेक्ट एक्शन डे मनाया और एक-दो दिन में ही देश में इतनी हिंसा हुई, जिसमें 10,000 से अधिक लोग मारे गये। यह तो आंकड़ा है। वास्तविक संख्या इससे बहुत अधिक है, क्योंकि जिन्ना के डायरेक्ट एक्शन के बाद कोलकाता की सड़कें लाशों से पट गयी थीं। ऐसे जिन्ना को देश के टुकड़े कर भेंट देने के बजाय, उसको मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए। लेकिन उस समय हमारे कर्णधारों को जो अच्छा लगा वैसा किया। जिन्ना तब देश का सबसे विकसित क्षेत्र पंजाब और सिंध के साथ उस पूर्वी बंगाल को भी ले गये जिसकी सीमा, सभ्यता-संस्कृति और जुबान पाकिस्तान से भिन्न थी। जिन्ना ने पहले देश को हिंसा की आग में धकेला, फिर देश को विभाजित किया, फिर कश्मीर पर कब्जे का प्रयास किया। जिन्ना के बाद उनका देश भारत से लड़ता रहा। चार बार सीधे-सीधे आक्रमण किया और पराजित होकर अब चार दशक से आतंकवाद के रूप में छद्म युद्ध लड़ रहा है। इसके अलावा भी भारत ने कभी सर्जिकल स्ट्राइक, कभी एयर स्ट्राइक और इस साल मई में ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भी पाकिस्तान की ठुकाई की, लेकिन बार-बार पिटकर, मार खाकर भी बेशर्म पाक परेशान करने से बाज नहीं आता। अंग्रेज, जिन्ना और उनके पाकिस्तान द्वारा पैदा की गयी चुनौतियां, हिंसा, अशिक्षा, गरीबी और भुखमरी की भयावह स्थितियों से उबरते हुए आज भारत उस मुकाम पर पहुंचा है जहां दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमरीका भी भारत को उसके संकल्पों से ठिगा नहीं पा रहा। रूस भारत को भरोसेमंद दोस्त मानता है और चीन ताकतवर दुश्मन मानता है। ये स्थितियां यूं ही नहीं बनी हैं। इसके पीछे भारत की आठ दशक लंबी तपस्या है। पाक, चीन ने युद्ध थोप कर हमे सैन्य शक्ति बनने के लिए प्रेरित किया, अमरीका ने अनाज देने के नाम पर पीएल-480 के जरिए हमारे स्वाभिमान को ठेस पहुंचाया, तो हमारे किसानों ने हरित क्रांति से जवाब दिया। नब्बे के दशक में आर्थिक सुधारों ने हमारे लिए आर्थिक महाशक्ति बनने का मार्ग प्रशस्त किया। आज हमारी आर्थिक शक्ति इतनी बड़ी हो गयी है कि अमरीका भी हमसे चिढ़ता है और कमजोर करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन इसके बावजूद हमारा विकसित भारत का सपना दिनोंदिन आगे बढ़ रहा है। लेकिन भ्रष्टाचार, जाति, सम्प्रदाय एवं भाषावाद, लोक लुभावन राजनीति, सीमा पर तनाव और आतंकवाद जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं, हमे इनसे पार पाना होगा।

विचार

देह ही नहीं जो दिल से भी गुलाम हो गये हैं, वे कभी भी आजादी हासिल नहीं कर सकते हैं।

–महात्मा गांधी.

जगत सर्वथा मिथ्या है। यह केवल स्वप्न है। केवल मारीचिका है। सृष्टि की रचना करके ईष्वर स्वयं अपने को प्रकट करता है।

–रवीन्द्रनाथ ठाकुर.

कोई देश बिना आजादी के अच्छी तरह नहीं जी सकता है और न आजादी के बिना सत्कर्म को बरकरार रख सकता है।

–रूसो.

विपत्ति आने पर अपनी रक्षा के लिए व्यक्ति को अपने पड़ोसी शत्रु से भी मेल कर लेना चाहिए।

–वेदव्यास.

जो व्यक्ति संसार की पिपासा–तृष्णा से रहित है, उसके लिए कुछ भी कठिन नहीं है।

– महावीर.

इस बार बेटियों ने लिखा गोल्डेन अध्याय

वीना सुखीजा

भारत के खेल परिदृश्य में महिलाओं की ध्यान आकर्षित करने वाली उपस्थिति पिछले डेढ़ दशक में बनी है, जब बैडमिंटन में सानिया नेहवाल और पीवी सिंधू, मुक्केबाजी में मैरी कॉम, कुश्ती में साक्षी मलिक और विनेश फोगाट भारोत्तोलन में मीरा बाई चानू तथा एथलेटिक्स में कई उभरती महिला धाविकाओं ने चमकदार प्रदर्शन किया।

23वें कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के प्रदर्शन का सबसे चमकदार पहलू केवल पदकों की संख्या नहीं रही बल्कि वह संदेश रहा, जो भारतीय बेटियों ने पूरी दुनिया को दिया। भारत ने जितने स्वर्ण पदक जीते, उनमें 61 फीसदी से ज्यादा का योगदान बेटियों का रहा। भारत ने इन खेलों में कुल 13 गोल्ड मेडल जीते, जिनमें से 8 गोल्ड मेडल लड़कियों के खाते में रहे। ग्लासगो में 11 दिन तक चले कॉमनवेल्थ गेम्स में इस बार हम 39 मेडल जीते, जिनमें 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रांज रहे। इस तरह भारत पदक तालिका में चैथे नंबर पर रहा। तीसरे नंबर पर कनाडा, दूसरे नंबर पर इंग्लैंड और पहले नंबर पर ऑस्ट्रेलिया रहा। पदकों की संख्या के लिहाज से भले भारत के खाते में सम्पूर्णता के लिहाज से यह बड़ा प्रदर्शन न हो, लेकिन तब यह बहुत ऐतिहासिक बन जाता है, जब 23वें कॉमनवेल्थ गेम्स में कुल 10 खेल शामिल रहे हों और वे तमाम खेल इसका हिस्सा न रहे हों, जिनमें हमारी स्थिति हमेशा बेहतर रहती है। जैसे- कुश्ती, बैडमिंटन और क्रिकेट। भारत ने चैथे स्थान पर आकर किस तरह चमकदार प्रदर्शन किया है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हमारे 69 प्रतिशत मेडल कुल तीन खेलों में आये हैं- बॉक्सिंग में 10, एथलेटिक्स में 9 और वेटलिफ्टिंग में हमें 8 पदक मिले हैं।

पिछले बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में हमने 22 गोल्ड समेत कुल 61 मेडल जीते थे, लेकिन तब प्रतियोगिता में शामिल कुल खेलों की संख्या 16 थी और इस बार सिर्फ 10। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस बार हमारी सफलता कितनी खास थी। 23वें कॉमनवेल्थ गेम्स शुरू होने के पहले भारतीय ओलंपिक संघ और विभिन्न खेल महासंघों की इंटर्नल रिपोर्ट में भारत को 6 गोल्ड सहित कुल 31 मेडल मिलने का अनुमान लगाया गया था। इस तरह देखें तो भारतीय खिलाड़ियों ने अनुमान से दोगुना ज्यादा गोल्ड जीते और इस ऐतिहासिक प्रदर्शन का दरोमदार भारतीय महिला खिलाड़ी रहीं। भारत को सबसे ज्यादा उम्मीदें बॉक्सिंग और वेटलिफ्टिंग से थीं और वास्तव में इन्हीं दो खेलों

ने भारत की झोली पदकों से भर दी। बॉक्सिंग तो इन खेलों में भारत का सबसे चमकदार खेल बनकर उभरा, जहां 14 मुक्केबाजों के दल में से 10 खिलाड़ी मेडल जीतकर लौटे और इसमें भी 7 गोल्ड मेडल और 3 सिल्वर मेडल रहे यानी मेडल कन्वर्जन रेट 71 फीसदी रहा। जबकि बर्मिंघम में यह आंकड़ा 58 फीसदी ही था। सबसे चैंकाने वाली बात यह रही कि हमने बॉक्सिंग में जो 7 गोल्ड मेडल जीतें, उनमें 5 मेडल महिला खिलाड़ियों ने जीते। प्रीति पवार ने 54 किलो श्रेणी में, जैस्मिन लांबोरिया 57 किलो श्रेणी में, साक्षी चैधरी 51 किलो श्रेणी में, प्रिया घंघास 60 किलो श्रेणी में और अरुंधति चैधरी ने 70 किलो श्रेणी में गोल्ड मेडल जीते। जबकि दो गोल्ड मेडल पुरुष खिलाड़ियों ने जीते, सचिन सिवाच 60 किलो श्रेणी में और अंकुश पंघाल 80 किलो श्रेणी में। इनके अलावा महिलाओं में लवलीना बोरगेहन ने 75 किलो श्रेणी में सिल्वर पदक, जबकि पुरुषों में जादूमणि सिंह ने 55 किलो श्रेणी और नरेंद्र बेरवाल ने 90 किलो से ज्यादा की कैटेगिरी में सिल्वर पदक जीते। इस मेडल टेली में चमकती भारतीय महिला खिलाड़ियों ने दुनिया को दिखा दिया है कि जैसे-जैसे भारत में सामाजिक बदलाव करवट ले रहा है, वैसे-वैसे भारत खेल के नक्शे में जो एक ताकत बनकर उभर रहा है, उसके केंद्र में भारतीय बेटियां हैं। याद रखिए भारतीय बेटियों ने यह उपलब्धि यूं ही नहीं हासिल किया, इसके लिए उन्होंने परिवार,

23वां राष्ट्रमंडल खेल

समाज, परिस्थितियों और संसाधनों से जबर्दस्त संघर्ष करके आगे बढ़ी हैं। 23वें कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं की यह सफलता हमें याद दिलाती है कि अगर उन्हें अवसर, संसाधन और भरोसा मिले तो वह केवल पुरुषों की बराबरी ही नहीं करती बल्कि अधिकतर बार अपेक्षाओं से कहीं आगे निकल जाती हैं। भारत में खेलों के इतिहास को देखें तो अभी डेढ़-दो दशक पहले तक हमेशा पुरुषों का वर्चस्व रहा है। हर खेल में पुरुष खिलाड़ियों का दबदबा रहा है। लेकिन इसका मतलब लड़कियों में प्रतिभा का न होना नहीं था बल्कि भारतीय समाज में अवसरों के असमान वितरण के कारण ऐसा था। गांवों, कस्बों में आज भी अवसरों का असमान वितरण है। यहां आज भी प्रतिभाशाली लड़कियां केवल इसलिए खेल छोड़ देती हैं, क्योंकि परिवार उन्हें बाहर भेजने से डरता है। प्रशिक्षण केंद्र दूर हैं, महिला कोच नहीं हैं या आर्थिक स्थिति साथ नहीं देती। ऐसे माहौल में जो बेटियां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचती हैं, उनकी उपलब्धियों का ईमानदारी से आंकलन करें तो वह पुरुष खिलाड़ियों से कई गुना ज्यादा बड़ी होती हैं।

भारत के खेल परिदृश्य में महिलाओं की ध्यान आकर्षित करने वाली उपस्थिति पिछले डेढ़ दशक में बनी है, जब बैडमिंटन में सानिया नेहवाल और पीवी सिंधू, मुक्केबाजी में मैरी कॉम, कुश्ती में साक्षी मलिक और विनेश फोगाट भारत्तोलन में मीरा बाई चानू तथा एथलेटिक्स में कई उभरती महिला धाविकाओं ने चमकदार प्रदर्शन दिखाना शुरू किया। आज स्थिति यह है कि आधा दर्जन से ज्यादा खेलों में भारतीय लड़कियां दुनिया की सर्वेश्रेष्ठ खिलाड़ियों को कहीं भी और कभी भी चुनौती दे सकती हैं। महिला खिलाड़ियों की इन सफलताओं ने लाखों बेटियों को खेल के मैदान पहुंचने की प्रेरणा दी है। 23वें कॉमनवेल्थ गेम्स ने इसी परिवर्तन को और मजबूत ढंग से दुनिया के सामने प्रदर्शित किया है। जब किसी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदकों का बड़ा हिस्सा महिला खिलाड़ियों के खाते में आता है, तो वह केवल आंकड़ा नहीं होता। यह इस बात का सबूत होता है कि आधी आबादी अब खेलों में पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर नहीं बल्कि उनसे एक कदम आगे चल रही है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि समान अवसर मिलने पर भी महिला खिलाड़ियों को पुरुषों के मुकाबले अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

आज जरूरत इस बात की है कि हम 23वें कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं की इस शानदार सफलता को सिर्फ तालियां बजाकर स्वागत भर न करें बल्कि उसे नीति निर्माण का आधार बनाएं। भारत यदि वास्तव में खेल महाशक्ति बनना चाहता है, तो महिला खिलाड़ियों को केंद्र में रखकर नई रणनीति तैयार करनी होगी। इसके लिए उन्हें सुरक्षित वातावरण और आधुनिक खेल सुविधाएं देनी होगी, उनके लिए प्रशिक्षकों और थैरेपिस्टों की संख्या बढ़ानी होगी। स्कूल स्तर पर खेल छात्रवृत्तियों में लड़कियों को विशेष प्राथमिकता देनी होगी और ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को पहचानने के लिए अलग अभियान चलाने होंगे, तभी महिलाओं की यह शानदार सफलता अपना नियमित विस्तार कर सकेगी। महिलाओं को सफलता के लिए उन संसाधनों के साथ-साथ जरूरी पोषण और खेल विज्ञान से ज्यादा नजदीकी बनानी होगी। विश्व स्तर पर सफलता केवल मेहनत से नहीं बल्कि वैज्ञानिक प्रशिक्षण, खेल मनोविज्ञान, उचित पोषण और आधुनिक तकनीक के संगम से मिलती है। महिला खिलाड़ियों के लिए इन सुविधाओं की समान उपलब्धता करानी होगी।

सोशल मीडिया

हिन्दी साहित्य को राष्ट्र प्रेम, भारतीय संस्कृति व मानवीय संवेदनाओं की अमर वाणी देने वाले राष्ट्रकवि पदम भूषण मैथिली शरण गुप्त की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। सीएम योगी.

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में दुस्साहसी आतंकी हमले में देश के दो श्रमिकों की हत्या अत्यंत दुखद है, शोका-कुल परिवारों को अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। राहुल गांधी.

बंगाल पुनर्जागरण के महान स्तंभ ईश्वर चंद्र विद्यासागर जी ने शिक्षा को सामाजिक बदलाव का माध्यम बनाया, वर्ण परिचय की रचना कर बांग्ला की वर्णमाला को नया रूप दिया। अमितशाह.

श्रद्धा का स्वरूप

अंतर्दृष्टि

सूक्ष्म दृष्टि से देखा जाये तो स्पष्ट होता है कि सम्पूर्ण जीवन प्रवाह एवं उसकी उपलब्धियां वस्तुतः श्रद्धा की ही परिणति है। मां अपना अभिन्न अंग मानकर नौ माह तक अपने गर्भ में बच्चे का सेवन करती है। अपने रक्त मांस को काटकर शिशु को पोषण प्रदान करती है। श्रद्धा का यह उत्कृष्ट स्वरूप है जिसका बीजारोपण मां बच्चे में संस्कार के रूप में करती है। निःस्वार्थ भाव से उसको संरक्षण देती है। अनावश्यक भार कष्टों का जंजाल समझने का कुतर्क उठे तो नव शिशु प्रादुर्भाव ही संभव न हो सकेगा। यह श्रद्धा ही है जिसके कारण बच्चा मां के सीने से चिपकने, स्नेह दुलार पाने के लिए लालायित रहता, रोता कलपता रहता है। मूक भाषा वाणी से रहित नवशिशु की श्रद्धा एक मात्र मां के ऊपर ही होती है। माता-पिता भी निश्छल हृदय से बच्चे के विकास के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। खाने, पीने स्वास्थ्य संरक्षण से लेकर शिक्षा दीक्षा के झंझट भरे सरंजाम जुटाते हैं। समग्र विकास ही उनका एक मात्र लक्ष्य होता है। तर्क तो हर बात को उपयोगिता की कसौटी पर कसता है। इस आधार पर कसने पर माता पिता को हर दृष्टि से घाटा ही घाटा दिखायी पड़ेगा। बात तर्क की मान लीजाये तो बच्चे का अस्तित्व ही शंका में पड़ जायेगा। दृष्टिमात्र उपयोगितावादी हो जाये तथा यह परम्परा प्रत्येक क्षेत्र में चल पड़े तो परिवार एवं समाज विश्रृंखलित हो जायेगा। सभ्यता को अधिक दिनों तक जीवित नहीं रखा जा सकेगा। श्रद्धा ही पारिवारिक जीवन को स्नेह सूत्र में बांधे रहती है।

सहयोग करने अन्य सदस्यों के लिए अपने स्वार्थों का उत्सर्ग करने की प्रेरणा देती है। पारिवारिक विघटनों में इसका अभाव ही कारण बनता है। पति पत्नी के बीच मनमुटाव, सदस्यों के बीच टकराहट का कारण अश्रद्धा है। तर्क एवं उपयोगिता की कसौटी पर कसने पर तो वृद्ध माता-पिता का महत्व भी समझ में नहीं आता। वे भर के रूप में ही दिखाई पड़ते हैं। किन्तु श्रद्धा दृष्टि है कि उनका कितना ऋण चढ़ा है। उनके आशीर्वाद स्नेह को पाने की कामना आजीवन बनी रहती है। यह भाव दृष्टि तो श्रद्धा की ही उपलब्धि है। जो सदा एक युवक को माता-पिता के समक्ष नतमस्तक किये रहती है। मनुष्य के व्यक्तित्व की ढलाई श्रद्धा की भट्ठी के सानिध्य में होती है। इस श्रद्धा तत्व की गरिमा को यदि स्वीकार किया जा सके तो यह भी मानना पड़ेगा कि उसे विकसित, परिष्कृत और परिपक्व करने के लिए आस्तिकता की मान्यता का अवलंबन लेना आवश्यक है। श्रद्धा या आस्था के अनेक स्वरूप हैं और हरेक स्वरूप मानवीय जीवन को उत्कृष्ट बनाता है और सामाजिक जीवन को जीवंत करता है।

माफी मांगे हम, किसमें इतना..

व्यंग्यलोक

माफी मांगना साहस की बात है। सब माफी नहीं मांग सकते। जो सरल और सहज न हों, अहंकार से भरे हों, उनके लिए तो माफी मांगना और भी कठिन है। नीति कहती है कि माफी मांगने से दिल हल्का हो जाता है लेकिन जिन्होंने अपने दिल को बोझरहित न करने की कसमें खा रखी हों, जान-बूझकर उस पर पूर्वाग्रहों के ईंट-पत्थर लाद रखे हों, उनकी जुबान पर तो माफी शब्द ही नहीं आता। बड़े बुजुर्ग कहते हैं कि जो झुकता है, वह भारी होता है। यह बात तौल से जुड़ी है, लेकिन अपने यहां तो तोल-मोल की गुंजाइश ही नहीं है। यहां तो बस पसंद और ब्रांड चलता है। पैसा कितना भी खर्च हो जाए। कोई चेहरा पसंद है तो उसके गुण-दोष क्यों देखना। इसमें श्रम और समय ही बर्बाद होगा। लोग कहते हैं कि फलदार पेड़ झुक जाते हैं लेकिन ज्यादा झुकने पर उसकी डालें टूट भी तो जाती हैं। फल गिर भी तो जाते हैं। नई पीढ़ी इस तरह का रिस्क क्यों ले? फर्राटेदार गाली देकर कोफ्त क्यों करे। बड़े से बड़े व्यक्ति का अपमान करना आज की तिथि में हमारा शगल है। हर क्षण को मीडिया कंटेंट बनाना हमारी आदत है। अब इतने सारे काम हम रोज करते हैं। बिना थके, बिना रुके और जनाब आप कह रहे हो कि माफी मांग लो। बड़ी से बड़ी गलती के बाद माफी तो हमने अपनी जननी और जनक से भी नहीं मांगी, आप किस खेत की मूली हैं। गलती करके माफी मांगे, अपना नहीं स्वभाव। उलटा-सीधा नहीं करें तो कैसे बढ़े प्रभाव। अपना तो एक ही मंत्र है कि झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए। हम तो झुकाते ही रहते हैं, चाहे परिवार हो या सरकार। संस्कार को तो हमने पहले ही अपना चरण दास बना रखा है। अगर हर छोटी-बड़ी बात के लिए हम माफी मांगने लगे तो हमारी हैसियत का क्या होगा? अपना तो एक ही फंडा है जो झुकता है, वह झुकता ही रहता है। जो तना रहता है, वह ठस्से से बना रहता है। हमारी गलती के लिए कोई हमें क्षमा करे, यह हमें स्वीकार नहीं। बेहतर तो यह होगा कि क्षमा देना वाला हम से ही क्षमा मांग ले। हर क्षेत्र में नवाचार हो रहा है तो माफी का क्षेत्र इससे अछूता क्यों रहे? यह और बात है कि हमारे राजनीतिक गुरु ने हमेशा माफी न मांगने की रट लगाई है लेकिन जब बात अपने अहित की आई है तो अक्सर माफी मांगकर ही सजा से पिंड छुड़ाई है। लेकिन हमने गुरु को वचन दिया है, चाहे जो भी हो जाए, माफी तो नहीं ही मांगेंगे। गोस्वामी तुलसीदास हमारे आदर्श हैं। सुस्पष्ट लिख गए हैं कि अतिहिं सिंधाइहिं ते बड़ दोषू। हम तो वैसे भी सीधे नहीं हैं फिर माफी मांगने का महापाप क्यों करें? हमने तो सरकार को झुकाया है, समाज को झुकाया है। आप कह रहे हो कि हम झुकें। ना बाबा ना। मांग लें माफी तो हम आए वृथा संसार में। जन्म लेना था किसी सीधे सहज परिवार में। कुटिलता का साथ देकर कैसे उसको छोड़ दें। हाथ आए इच्छा फलों से, क्यों कह रहे मुंह मोड़ लें। हम नई पीढ़ी है। बिंदास न जिया, बिंदास न किया तो करेंगे क्या? माफी मांगने में कहां की मलाई। कहां की भलाई।

– सियाराम पांडेय 'शांत'.

सावन की रिमझिम फुहारों में झूमती है लोक संस्कृति

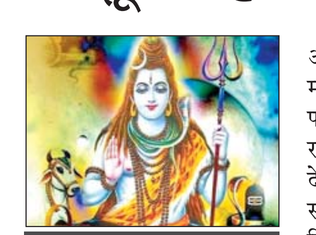

धर्म/अध्यात्म

धीरज बसाक

भारत की सांस्कृतिक परंपरा में ऋतुओं का विशेष महत्व है। हर ऋतु अपने कुछ नये रंग, नये पर्व और लोक परंपराएं लेकर आती है। सावन सबसे अधिक भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध महीना माना जाता है। यह प्रकृति, आध्यात्म, संगीत, लोककला और भारतीय मेल-मिलाप का ऐसा संगम है, जो सदियों से भारतीय समाज को जोड़ता रहा है। सावन का हमारी आत्मीयता और उमंगों के साथ गहरा रिश्ता है। सावन में हर तरफ हरियाली होती है, खरीफ की फसल अब काफी बड़ी हो चुकी होती है और किसानों में नई उमंगें तथा उम्मीदें जगा रही होती है। सावन की हरियाली लोकगीतों, चित्रकला और हमारे कपड़ों व उत्सवों में भी बढ़-चढ़कर दिखती है। महिलाओं की हरी चूड़ियां, मेहंदी, लहरिया और हरे वस्त्र केवल श्रृंगार नहीं बल्कि प्रकृति के प्रेम और जीवन के उत्साह का प्रतीक होते हैं। सावन का नाम आते ही सबसे पहले झूलों और कजरी की याद आती है। गांव में आज भी बरगद, पीपल और आम के पेड़ों में झूले डाले जाते हैं। युवतियां झूला झूलते हुए लोकगीत गाती हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य भारत में सावनी गीतों की सदियों पुरानी समृद्ध परंपरा है, जो झूला झूलते हुए अपने पूरे शबब में होती है। इन गीतों में वर्षा, विरह, प्रेम, मिलन और प्रकृति के अनेक रंग दिखायी देते हैं। इसी प्रकार राग मल्हार, शास्त्रीय संगीत में वर्षा ऋतु का भाव जगाने वाला प्रमुख राग होता है। यह परंपरा बताती है कि भारतीय संस्कृति ने मौसम को केवल देखा नहीं बल्कि उसे संगीत और साहित्य में भी अमर कर दिया है।

भारतीय लोकसंस्कृति परंपरा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामूहिकता में होती है। सावन के दौरान गांवों में मेले लगते हैं, मंदिरों में भजन-कीर्तन होते हैं और परिवारों में रिश्तेदारों का आना-जाना बढ़ जाता है। तीज जैसे पर्व महिलाओं को सामाजिक मेल-मिलाप का अवसर देते हैं। यह समय केवल पूजा आदि का नहीं बल्कि रिश्तों को मजबूत करने का भी होता है। लोकजीवन में गीत, सामूहिक नृत्य और उत्सव सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। हालांकि सावन की परंपराएं अब धीरे-धीरे सिमटती जा रही हैं। महानगरों में न तो झूले दिखायी देते हैं, न ही कजरी की सामूहिक स्वरलहरियां ही सुनने को मिलती हैं। डिजिटल मनोरंजन ने लोकगीतों और सामुदायिक उत्सवों की जगह काफी हद तक ले ली है। फिर भी यह सुखद है कि अनेक सांस्कृतिक संस्थाएं, विद्यालय और युवा समूह सावन महोत्सव, लोकसंगीत समारोह और वृक्षारोपण अभियानों के माध्यम से इन परंपराओं को जीवित रखने का प्रयास कर रहे हैं।

आवश्यकता इस बात की है कि सावन को केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित न रखा जाए बल्कि इसे भारतीय सांस्कृतिक विरासत, लोककला और पर्यावरण चेतना के उत्सव के रूप में देखा जाए। यदि नई पीढ़ी को कजरी, मल्हार, लोकनृत्य, झूले और पारंपरिक मेलों से जोड़ा जाए, तो इससे संस्कृति का संरक्षण भर नहीं होगा बल्कि समाज में अपनापन और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता भी बढ़ेगी। सावन हमें सिखाता है कि जीवन की सबसे बड़ी खुशियां प्रकृति के साथ ताल-मेल, रिश्तों की मिठास और सामूहिक उत्सवों में छिपी होती हैं। जब बादलों की गड़गड़ाहट के बीच कजरी गूंजती है, झूले हवा में लहराते हैं और मंदिरों की घंटियां बजती हैं, तब महसूस होता है कि भारतीय संस्कृति की जड़ें आज भी इतनी हरी-भरी हैं, जितनी सावन में भीगी धरती। सावन का वास्तविक संदेश भी यही है कि मनुष्य प्रकृति से जितना जुड़ा रहेगा, उसकी संस्कृति उतनी ही समृद्ध होगी। यदि आज की पीढ़ियां, पुरानी पीढ़ियों की तरह सावन की संस्कृति का आनंद लेना सीख जाएं, तो निश्चित रूप से भारतीय लोकसंस्कृति की अमूल्य धरोहर आने वाले समय में भी उतनी ही हरी-भरी रहेगी, जितनी सावन की भीगी धरती। क्योंकि सावन कैलेंडर का एक महीनाभर नहीं होता। यह भारतीय जीवन का वह राग है, जो हर वर्ष हमें याद दिलाता है कि सभ्यता की सबसे गहरी जड़ें प्रकृति, लोकजीवन और सामूहिक उत्सवों में ही होती हैं। झूला परंपरा सावन की सबसे बड़ी पहचान है। सावन आते ही पेड़ों पर झूले पड़ जाते हैं, जो कि सामूहिक उत्सव मनाने की सदियों पुरानी लोकरीति है। हरियाली का श्रृंगार सावन की दूसरी सांस्कृतिक पहचान है। सावन आते ही औरतों के हाथों में हरी चूड़ियां, मेहंदी, लहरिया और हरे वस्त्रों का दिखना प्रकृति के साथ एक होने का उत्सव है।

आप की बात

उज्ज्वला योजना के फायदे

उज्ज्वला योजना महिलाओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इस योजना से महिलाओं को चूल्हे के धुंए से आजादी मिली है। अगर हम पीएम उज्ज्वला योजना की बात करें तो इसकी भी खूब आलोचना हुई है। गैस देकर गरीबों को लूटने, उज्ज्वला गैस की रिफिलिंग कम होने, जैसी आलोचनाएं की गयीं, लेकिन इन बातों से हटकर अगर हम आजाद भारत में ऐसी योजनाओं की चर्चा करें जिसने देश के सामाजिक-आर्थिक ढांचे, स्वच्छता और महिला स्वास्थ्य की दिशा में ऐतिहासिक परिवर्तन का काम किया है, तो उसमें उज्ज्वला योजना भी है। हालांकि पीएम जनधन, राष्ट्रीय स्वच्छता मिशन जैसी योजनाएं भी सामाजिक-आर्थिक बदलाव और महिलाओं के सशक्तीकरण का वाहक बनी हैं। हम महिला सशक्तीकरण के गीत दशकों से गाते रहे हैं, लेकिन एक दशक पहले राष्ट्रीय स्तर पर ऐसी कौन सी बड़ी योजना थी जो महिलाओं के जीवन में आमूलचूल परिवर्तन का वाहक बनी। लेकिन आज कई योजनाएं हैं और उसमें उज्ज्वला गैस योजना ने महिलाओं के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव किया है और सफल भी रही है। 1 मई 2016 से शुरू की गयी इस योजना ने अब तक 9.60 करोड़ घरों को स्वच्छ ईंधन से आच्छादित किया है। अगर एक परिवार से चार-पांच सदस्य ही लाभान्वित हों, तो सीधे-सीधे करीब 50 करोड़ लोगों को इससे लाभ हुआ है। 9.60 करोड़ घरों में उन महिलाओं की ताकत उज्ज्वला गैस बनी है जो लकड़ी, उपले या मिट्टी के तेल से खाना बनाती थीं। इससे उनको खाना बनने में अधिक समय लगता था, धुएं से स्वास्थ्य प्रभावित होता था और ऐसे समय जब वर्षा आदि के कारण जलावन में नमी आ जाती थी, तो चूल्हा जलाने में महिलाओं को इतनी फूंक मारनी पड़ती थी कि उनके सीने और मुंह में दर्द होने लगता था। अगर हम यह मान भी लें कि बहुत से घरों में उज्ज्वला गैस एक-दो बार ही भरायी जाती है, तो भी इससे बहुत मदद मिली। जलावन भीगने पर, वर्षा के दिनों में या सूखा जलावन न होने पर ही अगर गैस का प्रयोग हुआ, तो इससे भी महिलाओं को खाना बनाने में मदद मिली। बच्चों को जल्दी स्कूल भेजने में मदद मिली, स्वच्छ गैस से स्वास्थ्य बचाने में मदद मिली। उज्ज्वला गैस महिलाओं का संभल बनी है। इसीलिए केन्द्र सरकार ने 75 लाख और लाभार्थियों को जोड़ने का फैसला किया है।

विकास श्रीवास्तव, लखनऊ.

बारिश से सड़कें खस्ताहाल

हर बरसात में सड़कों की हालत बदतर हो जाती है और महीनों या कई बार सालों तक उसको दुरुस्त नहीं किया जाता है जिसके कारण गड्ढे लगातार बढ़ते जाते हैं। इससे सड़क दुर्घटनाएं तो बढ़ती ही हैं लेकिन लोगों का चलना भी दूभर हो जाता है। शहरों में तो सड़कों की सुध-खैर भी ली जाती है, लेकिन अधिकांश ग्रामीण सड़कें दुर्दशा की शिकार हैं। उनका कोई पुरसाहाल नहीं है। वर्षों तक गड्ढों की भराई नहीं होती है। शहरों में तो बात-बात पर सड़कें काट देने या उनको खोद डालने की परम्परा सी बन गयी है। एक तरफ सड़क बनकर तैयार होती है और दूसरी तरफ उसे खोदने वाले पहुंच जाते हैं। ऐसा लगता है कि जैसे इंतजार करते हैं कि जल्दी से सड़कें बनें ताकि उनकी खोदाई व तहस-नहस करने काम शुरू हो सके। यह दरअसल विकास में नियोजन की कमी का परिणाम है। अगर पहले से यह अनुमान लगा लिया जाये ताकि जो सड़क बनायी जायेगी वहां उसके नीचे से सीवर भी बनना है, अंडर ग्राउण्ड बिजली की लाइन जाने है, कम्युनिकेशन केबल बिछाना है, जैसी चीजों का पहले से ही अनुमान लगाकर नियोजन कर लिया जाये तो एक तरफ सड़कें बनने के बद ही दूसरी तरफ उसकी खोदाई न हो। सिर्फ विकास के लिए सड़कों सड़कों को नहीं खोदा जाता है बल्कि कई बार स्वागत द्वार बनाने, टेंट लगाने, होर्डिंग के लिए भी खोदाई होती है। इसतरह की खुदाई पर रोक लगाने और मजबूत सड़क बनाने की जरूरत है।

मनोज कुमार सिंह, बाराबंकी.

संक्षेप

शिवसेना जिलाध्यक्ष ने किया कार्यकारिणी विस्तार

बाराबंकी। सिविल लाइन स्थित शिवसेना जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष किशन लाल रावत ने बैठक का आयोजन किया। बैठक मे कार्यकारिणी विस्तार करते हुये अनुराग पटेल को जिला महासचिव, सूरज रावत को शिवसेना का उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया। तथा शिवसेना जिला संगठन का विस्तार हर घर पहुंचाने का आवाहन किया।

डॉक्टर दंपती ने उत्पीड़न और चौथ वसूली का लगाया आरोप

आगरा। कमला नगर में रहने वाले एक डॉक्टर दंपती ने क्षेत्र के ही संजय अग्रवाल पर मानसिक उत्पीड़न और चौथ वसूली का प्रयास करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डॉ. संधि जैन और डॉ. राजीव जैन के अनुसार, संजय अग्रवाल ने पहले उनके मकान को अवैध बताकर शिकायत की थी, जिस पर सील लगी थी। बाद में अपील पर यह सील हटा दी गई। दंपती का आरोप है कि इसके बाद उनसे चौथ वसूलने का प्रयास किया गया।

सावन के पहले सोमवार गूंजा भोले का जयकार

जिला संवाददाता

बाराबंकी। श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर जनपद के प्रमुख शिवालयों में उमड़े लाखों श्रद्धालुओं के मध्य जिला एवं पुलिस प्रशासन की प्रभावी व्यवस्थाओं, सुदृढ़ सुरक्षा प्रबंधन तथा सतत निगरानी के चलते जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने देर रात्रि श्री लोधेश्वर महादेवा मंदिर परिसर में मौजूद रहकर संपूर्ण व्यवस्थाओं की कमान संभाली। तथा प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित, सुगम एवं

डीएम एवं एसपी ने श्री लोधेश्वर महादेवा मंदिर में रहकर संभाली व्यवस्थाओं की कमान

व्यवस्थित दर्शन सुनिश्चित कराये। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने मंदिर परिसर, दर्शन मार्ग, बैरिकेडिंग, पार्किंग, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, चिकित्सा शिविर, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता तथा कंट्रोल रूम का स्थलीय निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों द्वारा श्रद्धालुओं को कतारों का निरंतर अनुश्रवण किया जाता रहा, जिससे दर्शन व्यवस्था देर रात्रि से ही सुचारु एवं व्यवस्थित बनी रही।

श्री लोधेश्वर महादेवा मंदिर के अतिरिक्त जनपद के अन्य प्रमुख शिवालयों पर भी प्रशासन एवं पुलिस अधिकारी लगातार भ्रमणशील रहे तथा सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करते रहे।

सभी प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुगम वातावरण में दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

धार्मिक स्थलों को लेकर शहजाद नदी पुल के अप्रोच रोड में बदलाव की मांग

ललितपुर। शहजाद नदी पर निर्माणाधीन पुल के अप्रोच रोड की लंबाई कम करने तथा ललितेश्वरी माता मंदिर एवं कौशल किशोरजी मंदिर (कुश-कुटी) के मार्गों को सर्विस रोड के बजाय सीधे अप्रोच रोड से जोड़े? की मांग को लेकर सोमवार

कुशवाहा समाज ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

को कुशवाहा समाज ललितपुर के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि ललितेश्वरी माता मंदिर नगर की ऐतिहासिक एवं प्रमुख धार्मिक आस्था का केंद्र है। मान्यता है कि इसी मंदिर के नाम पर ललितपुर नगर का नाम पड़ा। यहां प्रतिवर्ष शारदीय नवरात्रि के दौरान विशाल मेले का आयोजन होता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु चुनरी यात्रा, बैंड-बाजे और डीजे के साथ शामिल होकर धार्मिक परंपरा का निर्वहन करते हैं। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि कौशल किशोरजी मंदिर (कुश-कुटी) भी कुशवाहा समाज का प्रमुख धार्मिक स्थल है। यहां प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों में लगभग 20 हजार श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉली, बग्गियों, झांकियों और अन्य वाहनों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है। समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि यदि दोनों मंदिरों के मार्ग केवल सर्विस रोड से जोड़े गए तो बड़े वाहनों, धार्मिक शोभायात्राओं और श्रद्धालुओं के आवागमन में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। इससे भविष्य में धार्मिक आयोजनों के सुचारु संचालन के साथ-साथ दोनों प्रमुख धार्मिक स्थलों की गरिमा भी प्रभावित हो सकती है। ज्ञापन के माध्यम से जिलाधिकारी से मांग की गई कि शहजाद नदी पर बन रहे पुल के अप्रोच रोड की लंबाई कम करते हुए ललितेश्वरी माता मंदिर एवं कौशल किशोर जी मंदिर (कुश-कुटी) के मार्गों को सीधे अप्रोच रोड से जोड़ा जाए, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके और नगर की धार्मिक आस्था एवं सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षण सुनिश्चित हो सके। ज्ञापन सौंपने वालों में कुशवाहा समाज जिलाध्यक्ष प्रकाश कुशवाहा, नगराध्यक्ष रमेश कुशवाहा, जिला मीडिया प्रभारी एवं पत्रकार राहुल कुशवाहा, पंचायत मंडल जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुशवाहा (राजू मुखिया), पंचायत मंडल नगराध्यक्ष कल्ली कुशवाहा, गणेश कुशवाहा,

सिद्धेश्वर महादेव मंदिर मे पूर्व कैबिनेट मंत्री गोप ने किया रुद्राभिषेक

बाराबंकी। सावन मास देवाधिदेव महादेव को अत्यंत प्रिय है। सावन में भगवान भोलेनाथ के साथ मां पार्वती की पूजा की जाती जिससे मनुष्य सभी इच्छाएं पूर्ण होती है। उक्त विचार पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप ने नगर पंचायत सिद्धौर स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर मे श्रावण मास के प्रथम सोमवार को देवाधिदेव भगवान भोलेनाथ महाराज का विधि विधान पूर्वक रुद्राभिषेक करने के उपरांत मंदिर परिसर में उपस्थित भक्तों के बीच व्यक्त किये। इस अवसर पर राम गोपाल रावत, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ0 कुलदीप सिंह, अजय वर्मा बबलू, जिला प्रवक्ता वीरेंद्र प्रधान, बलराम सिंह, सानू सिंह राठौड़, पवन वर्मा, आकाश यादव, अभिषेक यादव, पिंटू यादव, राजेश यादव, रोशन सिंह, सतीश यादव, राजेश सिंह, उत्तम लाल आदि मौजूद रहे।

आज मनायी जायेगी जिला बार संस्थापक पं. कन्हैयालाल शुक्ल की जयंती

बाराबंकी। जिला बार एसोसिएशन के संस्थापक/अध्यक्ष स्व: पं0 कन्हैया लाल शुक्ल की जन्मजयंती पर कल दिनांक 4 अगस्त को दोपहर 2 बजे बार सभागार मे पुष्पांजलि एंव श्रद्धांजलि सभा, जीवन परिचय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया जायेगा। जिसमे वक्ताओ द्वारा उनके आदर्शो, विचारों पर व्यक्त किये जायेगे। उक्त जानकारी उनके प्रपौत्र पं0 प्रित्युशकांत शुक्ला ने दी।

डॉ. मुकेश कुमार ने किया प्रादेशिक चिकित्सा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा संघ अध्यक्ष का पदभार ग्रहण

बाराबंकी। प्रादेशिक चिकित्सा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा संघ उत्तर प्रदेश की जनपद जिलाध्यक्ष डॉ0 राजेश कुमार कुशील का जनपद हरदोई स्थानांतरण के उपरांत जिला कार्यकारिणी की बैठक मे सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद का समस्त प्रभार जिला कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष डॉ0 मुकेश कुमार को सौंपा गया। इस अवसर पर जिला कार्यकारिणी पदाधिकारियों द्वारा डॉ0 कुशील के कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके उज्वल भविष्य एवं नई तैनाती के लिए शुभकामनाएं दीं गई। तथा नवनियुक्त पदभार ग्रहण करने वाले अध्यक्ष डॉ0 मुकेश को बधाई देते हुए चिकित्सकों के हितों एवं स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रभावी रूप से कार्य करने का आवाहन किया गया। इस अवसर पर डॉ0 पूनम सचान, सचिव डॉक्टर सुनील वर्मा, कोषाध्यक्ष डॉ नीलम चैधरी, डॉ0 राजाराम, डॉ0 छोटे लाल मौजूद रहे।

संवेदनशील व दूरदर्शी पहल से बदलेगी सहरिया बच्चों की तकदीर, खुलेंगे शिक्षा के द्वार

ललितपुर। शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के योगी सरकार के संकल्प को साकार करते हुए जिलाधिकारी सत्य प्रकाश की संवेदनशीलता एवं दूरदर्शी पहल ने सहरिया जनजाति के हजारों परिवारों के जीवन में नई आशा का संचार किया है। उनकी अभिनव सोच और प्रभावी प्रशासनिक रणनीति के परिणामस्वरूप जनपद के 1496 सहरिया बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र जारी किये जा चुके हैं, जिससे अब इन बच्चों के लिए प्रमाण पत्र केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि बच्चों के उज्वल भविष्य, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा एवं सम्मानजनक जीवन का प्रथम अधिकार है।

उल्लेखनीय है कि लगभग 6 माह पूर्व जनसुनवाई के दौरान सहरिया समुदाय के लोगों ने जिलाधिकारी को बताया था कि जन्म प्रमाण पत्र न होने के कारण उनके बच्चों के आधार कार्ड नहीं बन पा रहे

1496 बच्चों को मिला जन्म प्रमाण पत्र, अब शिक्षा, छात्रवृत्ति, पोषण एवं अन्य सरकारी योजनाओं का खुलेगा रास्ता

अनवरत चलेगा अभियान, सहरिया बाहुल्य सभी ग्रामों में कैम्प लगाकर बनाये जायेंगे जन्म व पहचान अभिलेख- डीएम

जन्म प्रमाण पत्र केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि बच्चों के उज्वल भविष्य, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा एवं सम्मानजनक जीवन का

शिक्षा, छात्रवृत्ति, पोषण, स्वास्थ्य, आधारकार्ड तथा अन्य सरकारी योजनाओं का मार्ग प्रशस्त होगा।

इस पहल की विशेषता यह रही कि जिलाधिकारी ने केवल समस्या का संज्ञान नहीं लिया बल्कि उसके मूल कारण को पहचानते हुए जनजाति बाहुल्य ग्रामों में विशेष शिविर आयोजित कराने, जन्म प्रमाण पत्र एवं आधारकार्ड जैसे आवश्यक अभिलेख मौके पर ही तैयार कराने की अभिनव कार्ययोजना लागू कराई। यही दूरदर्शी निर्णय आज हजारों परिवारों के लिए सामाजिक एवं आर्थिक बदलाव का आधार बन रहा है।

जिलाधिकारी के इस संवेदनशील व दूरदर्शी अभियान के अंतर्गत अब तक 1496 सहरिया बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र जारी हो चुके हैं। इनमें विकासखण्ड बिरधा में 604, जखौरा में 370, महरौनी में 247, तालबेहट में 204, बार में 38 तथा मड़ावरा में 33 जन्म प्रमाण पत्र जारी किये गए हैं।

जिलाधिकारी ने इस अवसर पर कहा कि ह्यह्यह अभियान निरंतर जारी रहेगा, ताकि कोई भी पात्र बच्चा केवल आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में अपने संवैधानिक अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि जन्म

हैं और वे सरकारी योजनाओं तथा विद्यालय में प्रवेश जैसी सुविधाओं से वंचित हैं। इस गंभीर समस्या को जिलाधिकारी ने अत्यंत संवेदनशीलता से लेते हुए तत्काल अधिकारियों की टीम गठित की और जनजाति बाहुल्य गांवों में विशेष अभियान संचालित करने के निर्देश दिये। आज उसी दूरदर्शी निर्णय का परिणाम है कि हजारों बच्चों की पहचान सुनिश्चित हुई है और उनके भविष्य के नये द्वार खुल गये है।

महिला ने दो मुंहे सांप ने डसा

बाह। डेरक गांव में रविवार दोपहर एक बजे करीब घर में सांप निकलने पर प्रीती ने अंधविश्वास में पैर छूने को झुक कर हाथ बढ़ाया था, इसी दौरान दो मुंहे सांप ने अंगुली में डस लिया। डसने के बाद सांप घर में घुस गया। पति सोनू ने सांप को घेर कर पकड़ लिया और डंडे के सहारे बोरे में बंद कर अस्पताल लेकर पहुंचा। बोरे में बंद सांप को देख कर अस्पताल परिसर में अफरा तफरी मच गई। डेरक के सोनू ने चिकित्सक को बताया कि दोपहर में बोरी सरकाते समय सांप निकला था। अंधविश्वास में प्रीती ने पैर छूने को झुककर अपना एक हाथ आगे बढ़ाया था।

एसपी ने परखी कोर्ट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था

डीएफएमडी, बैग स्कैनर, हवालात और सीसीटीवी कंट्रोल रूम का लिया जायजा

ललितपुर। जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई ने सोमवार को न्यायालय परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लेते हुए ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने न्यायालय परिसर के प्रवेश द्वार पर पहुंचकर डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर और बैग स्कैनर की कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा कर्मियों को निर्देशित किया कि न्यायालय में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति और सामान की नियमानुसार गहन जांच सुनिश्चित की जाए। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या आपत्तिजनक वस्तु की जानकारी तत्काल उच्चाधिकारियों को दी जाए। निरीक्षण के दौरान एसपी ने न्यायालय परिसर स्थित सदर हवालात का भी निरीक्षण किया। उन्होंने हवालात की साफ-सफाई, बंदियों की सुरक्षा व्यवस्था और उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली।

उन्होंने निर्देश दिए कि बंदियों के लिए पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखी जाएं। साथ ही महिला एवं पुरुष बंदियों की सुरक्षा और निगरानी में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। पुलिस अधीक्षक ने जेल से न्यायालय आने-जाने वाले बंदियों के लिए उपयोग किए जाने वाले बंदी वाहन तथा उसमें तैनात पुलिस बल की ड्यूटी का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने पुलिस कर्मियों को निर्देश दिए कि बंदियों को वाहन से उतारते और बैठाते समय विशेष सतर्कता बरती जाए तथा उनकी लगातार निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि बंदियों के आवागमन के दौरान सुरक्षा संबंधी सभी निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किया जाए, जिससे किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को रोका जा सके। इसके बाद एसपी ने न्यायालय परिसर स्थित सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान परिसर में लगे सभी सीसीटीवी कैमरे क्रियाशील पाए गए। उन्होंने कंट्रोल रूम में तैनात पुलिस कर्मियों को न्यायालय परिसर की लगातार निगरानी करने और संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए। एसपी संजीव कुमार बाजपेई ने न्यायालय परिसर में तैनात पुलिस बल को निर्देशित किया कि सभी कर्मचारी अपने निर्धारित ड्यूटी प्वाइंट पर पूरी सतर्कता के साथ तैनात रहें।

घनश्याम हत्याकांड में छह आरोपी गिरफ्तार

ललितपुर। कोतवाली पुलिस ने पुरानी रंजिश के चलते हुई बुजुर्ग की हत्या के सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त लोहे की रॉड, सब्बल तथा एक सफेद रंग की क्रेटा कार भी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह तथा क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के पर्यवेक्षण में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने यह

हत्या में प्रयुक्त रॉड, सब्बल व क्रेटा कार बरामद

पुरानी रंजिश में जेसीबी चालक को बुलाकर हमला

हादसे का बहाना बनाकर पहुंचे माता-पिता पर भी किया था जानलेवा हमला

उपचार के दौरान बुजुर्ग की हुई थी मौत

कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, 28 जुलाई 2026 को पीड़िता ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि कुछ लोगों ने उसके पति कृष्णपाल तथा सास-ससुर से अवैध रुपये की मांग की। विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया और पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। मामले में कोतवाली में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना में गंभीर रूप से घायल हुए पीड़िता के ससुर घनश्याम यादव (65) की झांसी में उपचार के दौरान मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने मुकदमे में हत्या की धारा जोड़कर जांच तेज कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में पांच पुलिस टीमों का गठन किया गया था। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वर्ष 2023 में दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई थी, जिसमें उनके पक्ष के लोगों को चोटें आई थीं। उसी घटना की रंजिश में उन्होंने

28 जुलाई को कृष्णपाल को आईटीआई के पास जेसीबी मशीन चलाने के बहाने बुलाया और उस पर हमला कर दिया। इसके बाद कृष्णपाल के माता-पिता को फोन कर दुर्घटना का झांसा देकर मौके पर बुलाया और रास्ते में लोहे की रॉड एवं सब्बल से हमला कर फरार हो गए। बाद में घनश्याम यादव की मौत की जानकारी मिलने पर सभी आरोपी छिपते फिर रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों में तालाबपुरा निवासी गुल्लू उर्फ भरत यादव, थाना बानपुर के ग्राम टीकरा निवासी संदीप तिवारी, थाना जाखलौन के ग्राम बंदरगुढ़ा निवासी सोनू यादव उर्फ सुंदर सिंह, थाना बानपुर के ग्राम दिदौरा निवासी मोहित यादव, सिद्धनपुरा निवासी प्रभान यादव तथा तालाबपुरा निवासी शक्ति बाल्मीक शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त एक लोहे की रॉड, एक सब्बल तथा सफेद रंग की क्रेटा कार (नंबर यू.पी.94 ए.एफ. 0635) बरामद की है। पुलिस का कहना है कि बरामद वाहन का उपयोग घटना को अंजाम देने में किया गया था। इस कार्रवाई को प्रभारी निरीक्षक अनुराग अवस्थी के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस टीम ने अंजाम दिया। उन्होंने बताया कि शेष आरोपियों को भी शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

चकबंदी प्रक्रिया में किसानों ने लगाया धांधली करने का आरोप

ललितपुर। तहसील एवं जिला ललितपुर अंतर्गत ग्राम अंडेला के किसानों ने चकबंदी प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि चकबंदी कार्य में नियमों की अनदेखी कर मनमाने तरीके से कार्रवाई की जा रही है, जिससे छोटे और गरीब किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिलाधिकारी को दिए गए शिकायती पत्र में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव में चक नक्शा और चक बनाए जाने की प्रक्रिया चल रही है। इस दौरान कई किसानों से बिना जानकारी दिए खाली रुखबंदी रजिस्टर पर हस्ताक्षर और अंगूठे के निशान लगवाए जा रहे हैं। आरोप है कि चक बुक के पन्नों में बदलाव करने तथा चक नक्शे पर सफेदा (व्हाइटनर) लगाकर चक नंबरों में परिवर्तन किए जाने की भी आशंका है। ग्रामीणों ने शिकायती पत्र में आरोप लगाया कि सहायक चकबंदी अधिकारी विजय श्रीवास्तव 30 जून 2026 को सेवानिवृत्त हो चुके हैं, लेकिन इसके बाद भी वह और उनके पुत्र अनुराग श्रीवास्तव उर्फ छोटू चकबंदी से जुड़े कार्यों में हस्तक्षेप कर रहे हैं। किसानों का आरोप है कि उन्हें अलग-अलग बुलाकर दबाव बनाया जा रहा है और पैसों के लेन-देन के माध्यम से चक परिवर्तन किए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रभावशाली और बड़ी जोत वाले लोगों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से छोटे किसानों की जमीनों को प्रभावित किया जा रहा है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। किसानों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि ग्राम अंडेला की चकबंदी प्रक्रिया से संबंधित सभी अभिलेख जैसे चक नक्शा, चक-बुक और रुखबंदी रजिस्टर को तत्काल सरकारी अभिरक्षा में लिया जाए, ताकि उनमें किसी प्रकार की छेड़छाड़ न हो सके। इसके साथ ही ग्रामीणों ने मामले की गहन जांच कराने, संबंधित लोगों की भूमिका की पड़ताल करने और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायत की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन और चकबंदी आयुक्त, लखनऊ को भी भेजी गई है। ज्ञापन देने वालों में पहलवान सिंह, कृष्णपाल, रामकिशन, शिवराज सिंह, पूरन सिंह, हरिशंकर, रामसेवक, राजाराम सहित ग्राम अंडेला के दर्जनों किसान शामिल रहे।

बीएसए के निरीक्षण में ताले में बंद मिले विद्यालय, कई शिक्षकों का वेतन: मानदेय रोका

जिला संवाददाता

ललितपुर। जनपद में बेसिक शिक्षा बेपटरी हो चुकी है। शिक्षकों, शिक्षामित्रों द्वारा समय से विद्यालय न जाना और विद्यालय न जाकर साथी शिक्षकों से उपस्थिति का मैनेजमेंट कर लेना, छात्र-छात्राओं से घरेलू काम करवाना और न करने पर उन्हें पीटना और धमकियां देना भी कोई नई बात नहीं है।

बेपटरी बेसिक शिक्षा को पटरी पर लाने के लिए, बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रत्नेश कुमार ने सोमवार को विकासखंड बार और महरौनी क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कई विद्यालयों में शिक्षकों की अनुपस्थिति, विद्यालय बंद मिलना, साफ-सफाई की खराब स्थिति, एमडीएम व्यवस्था में लापरवाही और कंपोजिट ग्रांट के उपयोग में अनियमितताएं सामने आई। बीएसए ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अनुपस्थित शिक्षकों व शिक्षामित्रों का वेतन एवं मानदेय रोकने तथा संबंधित विद्यालय प्रभारियों से एक सप्ताह में स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान सुबह करीब 8.40 बजे यू.प्रा.वि. दिदौरा (बार)

विद्यालय में रंगाई-पुताई नहीं कराई गई थी और परिसर में गंदगी मिली।

अनेकों विद्यालयों में मिलीं खामियां, स्पष्टीकरण तलब

कंपोजिट ग्रांट से कोई कार्य नहीं कराया गया था

विद्यालय बंद मिला। मौके पर कक्षा छह के छात्र अजय और देवराज चाबी लेकर पहुंचे और अधिकारियों की मौजूदगी में विद्यालय का ताला खोला।

विद्यालय में रंगाई-पुताई की स्थिति खराब मिली। कंपोजिट ग्रांट से कोई कार्य नहीं कराया गया था। हैंडवाश निष्क्रिय पाए गए तथा शौचालयों में गंदगी मिली। बीएसए ने प्रभारी प्रधानाध्यापक महेश सोनी से एक सप्ताह में स्पष्टीकरण मांगा है। वहीं अनुपस्थित अनुदेशक बसंत एवं हरिप्रकाश का मानदेय रोकने के निर्देश दिए गए। खंड शिक्षा अधिकारी बार को तीन दिन में विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। इसके बाद प्राथमिक विद्यालय दिदौरा (बार) का निरीक्षण किया गया। यहां 60 नामांकित बच्चों के सापेक्ष मात्र 25 छात्र उपस्थित मिले। शिक्षामित्र सुरेंद्र सिंह और उर्मिला देवी बिना सूचना अनुपस्थित पाए गए। निरीक्षण में सहायक अध्यापिका नेहा कुमारी की छुट्टी का ऑनलाइन रिफरेंस नंबर दर्ज नहीं मिला। विद्यालय में रंगाई-पुताई नहीं कराई गई थी और परिसर में गंदगी मिली।

इस पर प्रभारी प्रधानाध्यापक संदीप कुमार खरे से स्पष्टीकरण मांगा गया। सहायक अध्यापिका नेहा कुमारी का वेतन अवरुद्ध करने और अनुपस्थित शिक्षामित्रों का मानदेय काटने की कार्रवाई की गई। महरौनी विकासखंड के यू.प्रा.वि. नैगुवां में निरीक्षण के दौरान एमडीएम व्यवस्था में गंभीर लापरवाही सामने आई। रसोइयों ने बताया कि विद्यालय में कभी गैस पर भोजन नहीं बनाया गया, बल्कि हमेशा चूल्हे पर ही खाना तैयार किया जाता है। बीएसए ने इसे गंभीर वित्तीय अनियमितता मानते हुए जांच के निर्देश दिए। विद्यालय में 181 नामांकित बच्चों के सापेक्ष 109 छात्र उपस्थित मिले। शौचालयों के दरवाजे क्षतिग्रस्त पाए गए। बिना सूचना अनुपस्थित शिक्षामित्र भागीरथ का मानदेय रोक दिया गया।

वहीं प्रभारी प्रधानाध्यापक अशोक कुमार तिवारी से एक सप्ताह में जवाब मांगा गया है। विकासखंड बार के प्राथमिक विद्यालय सुनवाहा में 148 नामांकित बच्चों के सापेक्ष 80 छात्र उपस्थित मिले।

विद्यालय में रंगाई-पुताई का कार्य गुणवत्ताविहीन पाया गया और परिसर में बड़ी-बड़ी झाड़ि ?यां उगी मिलीं। बिना सूचना अनुपस्थित शिक्षामित्र मेहरवान सिंह का मानदेय काटने तथा प्रभारी प्रधानाध्यापक अक्षय मिश्रा से स्पष्टीकरण मांगने के निर्देश दिए गए। वहीं उच्च प्राथमिक विद्यालय सुनवाहा में 83 नामांकित बच्चों के सापेक्ष मात्र 10 बच्चे उपस्थित मिले।

परिसर में गंदगी और घास मिलने पर सफाई कराने के निर्देश दिए गए। अनुपस्थित अनुदेशक सुनील प्रकाश त्रिपाठी और बलराम कुशवाहा का मानदेय रोकने तथा प्रभारी प्रधानाध्यापक शिवप्रकाश से जवाब-तलब किया गया।

बीएसए रत्नेश कुमार ने कहा कि विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था, स्वच्छता और शासन की योजनाओं के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

निरीक्षण लगातार जारी रहेगा और लापरवाही मिलने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

उज्जमा का कातिल पति पुलिस ने किया गिरफ्तार

आगरा। जिले में पत्नी की बेरहमी से हत्या करने वाले फरहान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हत्याकांड के बाद से ही आरोपी फरार था। पत्नी की खून से सनी लाश घर में मिली थी। गले और सिर पर कई वार किए गए थे।

ताजगंज थाना पुलिस ने पत्नी उज्जमा की हत्या के आरोपी फरहान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे ताजमहल के पास दबिश देकर पकड़ा। फरहान 28 जुलाई को पत्नी उज्जमा की हत्या के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस के अनुसार आरोपी ने उज्जमा के सिर पर ईंट और गले पर हमला कर हत्या की थी। घटना के बाद वह मौके से भाग निकला था। लगातार तलाश के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पूछताछ जारी है।

पुलिस हत्या के कारण और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है। भैरों खिड़की, कोतवाली, झांसी निवासी उज्जमा ने कैंसर से पति की मौत के बाद 20 अप्रैल को ताजगंज के नगला पैमा निवासी फरहान से दूसरा निकाह किया था।

प्रदर्शन कर निकाली दोपहिया वाहन रैली निकाली, विधायक को सौंपा ज्ञापन

ललितपुर। बुन्देलखण्ड विकास सेना के कार्यकर्ताओं ने केन्द्रीय प्रमुख हरीश कपूर के नेतृत्व में मानव श्रृंखला बनाकर कर पृथक बुन्देलखण्ड राज्य निर्माण के लिए प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता स्थानीय कंपनी बाग में एकत्र होकर मुख्य मार्ग पर मानव श्रृंखला बनाकर प्रदर्शन किया। इसके उपरांत दोपहिया वाहन से रैली निकालकर नारेबाजी करते हुए सदर विधायक रामरतन कुशवाहा के आवास पर पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से सदर विधायक रामरतन कुशवाहा से मांग की है कि उ. प्र. में आगामी विधानसभा चुनाव आने वाले हैं और हर बार बुन्देलखण्ड प्रान्त निर्माण को लेकर आश्वासन का झुनझुना पकड़ा दिया जाता है और बाद में नतीजा सिफर रहता है। सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने कहा कि भाजपा हमेशा से छोटे राज्यों के गठन की समर्थक रही है। भाजपा शासनकाल में कई छोटे राज्यों का गठन हुआ है परंतु अभी भी उचित प्लेटफार्म पर पृथक बुन्देलखण्ड प्रान्त का मामला उठायेंगे। इसके अलावा बु. वि. सेना ने क्षेत्र आज भी उद्योगों के अभाव, बेरोजगारी, पलायन, जल संकट, सिंचाई की कमी, सूखा-बाढ़, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली एवं पेयजल जैसी गंभीर समस्याओं को उठाया। बुविसे ने कहा कि बुन्देलखण्ड की धरती महारानी लक्ष्मीबाई, गोस्वामी तुलसीदास, राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त, मेजर ध्यानचंद तथा बाबू वृन्दावनलाल वर्मा जैसी महान विभूतियों की यह पावन भूमि आज भी उपेक्षा का दंश झेल रही है। पृथक बुन्देलखण्ड प्रान्त का गठन क्षेत्रीय असंतुलन दूर करने, प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने तथा समग्र एवं संतुलित विकास सुनिश्चित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम सिद्ध होगा।

इस मौके पर सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने भरोसा दिलाया कि वो

संक्षेप

लॉजिटेक ने एमके250 ब्लूटूथ कॉम्बो पेश किया

नई दिल्ली। लॉजिटेक ने आज अपना एमके250 ब्लूटूथ माउस और कीबोर्ड कॉम्बो और के250 ब्लूटूथ कीबोर्ड पेश किया है। ये नए प्रोडक्ट किफायती मूल्य में लॉजिटेक की भरोसेमंद क्वालिटी और बेहतरीन डिजाइन पेश करते हैं, जो फर्स्ट-टाईम वायरलेस यूजर्स के लिए परफेक्ट है। ये आधुनिक और कॉम्पैक्ट टूल बिना कॉम्प्रोमाईज के शानदार फंक्शनैलिटी प्रदान करने के लिए बनाए गए हैं। ये सुगम ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ आराम और क्लीन एवं ड्यूरेबल डिजाईन पेश करते हैं, जिससे काम से लेकर पढ़ाई और रोजमर्रा की मल्टीटास्किंग तक सब-कुछ बहुत आसान हो जाता है।यह एफिशियंसी और फ्लुइडिटी का बेहतरीन तालमेल प्रदान करता है। एमके250 कॉम्बो में के250 ब्लूटूथ कीबोर्ड के साथ एम196 वायरलेस माउस है, जो एक संपूर्ण और आधुनिक सेटअप पेश करता है। यह कई रंगों, जैसे ग्रेफाईट, ऑफ-व्हाईट और रोज में उपलब्ध है। एमके250 कॉम्बो यूजर्स को अपने व्यक्तिगत स्टाईल के अनुरूप सेटअप रखने में समर्थ बनाता है। रंगों की उपलब्धता अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग हो सकती है।

रुपये में मजबूती से सोने में 900 रुपये की गिरावट

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को रुपये की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सुस्त हलचल के कारण सोने की कीमतें 900 रुपये गिरकर 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 900 रुपये टूटकर ।,47,400 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) रह गई। पिछले कारोबारी सत्र में सोना ।,48,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सुस्त हलचल और भारतीय रुपये के मजबूत होने के कारण सोमवार को सोने की कीमतें एक सीमित दायरे में रहीं।

सैमसंग ने पेश किया नो कॉस्ट ईएमआई प्लान

नई दिल्ली। सैमसंग ने गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी जेड फोल्ड8 और गैलेक्सी जेड फ्लिप8 के लिए 30 महीने के नो-कॉस्ट ईएमआई ऑप्शन लॉन्च करके प्रीमियम स्मार्टफोन खरीदने के तरीके को नया रूप दिया है, जिससे सैमसंग की नई फोल्डेबल तकनीक अब पहले से कहीं आसानी से लोगों तक पहुंच सकेगी।हर महीने की किस्त का बोझ कम करने के मकसद से बनाई गई इस नई फाइनेंसिंग सुविधा से ज्यादा से ज्यादा ग्राहक बिना किसी डाउन पेमेंट के गैलेक्सी एआई से लैस सैमसंग की नई गैलेक्सी जेड सीरीज का अनुभव ले सकेंगे।अब ग्राहक गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा को सिर्फ 6,667 रुपये प्रति महीने से खरीद सकते हैं, जो पिछली पीढ़ी के गैलेक्सी जेड फोल्ड7 के मुकाबले 9% कम मासिक ईएमआई है। गैलेक्सी जेड फोल्ड8 सिर्फ 6,000 रुपये प्रति महीने से उपलब्ध है, जबकि गैलेक्सी जेड फ्लिप8 सिर्फ 4,167 रुपये प्रति महीने से शुरू होता है, जिससे नई और शानदार फोल्डेबल तकनीक अब और ज्यादा लोगों की पहुंच में आ गई है।यह 30 महीने की नो-कॉस्ट ईएमआई सुविधा सैमसंग फाइनेंस+ (डीएमआई फाइनेंस द्वारा संचालित), टीवीएस क्रेडिट, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और पूनावाला फिनकॉर्प के जरिए उपलब्ध है, गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा वायलट शैडो, ग्रेफाइट, क्रीम और ग्रीन शैडो (केवल ऑनलाइन उपलब्ध) रंगों में उपलब्ध है, जिसकी शुरूआती कीमत 1,99,999 रुपये है।

29 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक मिला

हैदराबाद। महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने हैदराबाद के बहादुरपल्ली में अपने कैंपस में आज अपना पांचवा दीक्षांत समारोह मनाया जिसमें 1309 विद्यार्थियों को स्नातक डिग्रियां और 29 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, लॉ, डिजाइन एवं अन्य स्कूलों और अकादमिक कार्यक्रमों से स्नातक हुए विद्यार्थियों के साथ ही 22 पीएचडी छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं। इस समारोह में अकादमिक उत्कृष्टता और स्नातकों की पेशेवर यात्राओं में एक नए अध्याय की शुरूआत का जश्न मनाने के लिए विद्यार्थी, उनके माता पिता, शिक्षक, उद्योगपति और गणमान्य अतिथि शामिल हुए। 2026 के बैच के लोग ऐसी दुनिया में बड़े हुए हैं जहां जीवन में एक बार होने वाली घटनाएं हर साल होती दिखती हैं। ऐसी दुनिया में आगे बढ़ने के लिए दो महाशक्तियों की जरूरत होती है: असाधारण बदलाव के बीच खुद को ढालने की क्षमता और साथ ही आंतरिक शक्ति व जीवन के किसी बड़े मकसद का एहसास।

सेंसेक्स में 544 अंकों की उछाल

मुबंई। स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही और दोनों मानक सूचकांक लाभ में रहे। वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने के बीच कच्चे तेल के दाम में नरमी से बीएसई सेंसेक्स 544 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी 391 अंक के लाभ में रहा।

कारोबारियों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से भी बाजार को समर्थन मिला। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 544.39 अंक यानी 0.70 प्रतिशत चढ़कर 78,639.03 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 800.46 अंक यानी एक प्रतिशत चढ़कर 78,895.10 अंक तक पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला निफ्टी 390.70 अंक यानी 1.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,774.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों

में इंटरग्लोब एविएशन, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस, इटर्नल, आईटीसी और एक्सिस बैंक प्रमुख रूप से बढ़त में रहे। दूसरी तरफ, सन फार्मा, भारती एयरटेल, मारुति और टाटा स्टील के शेयर नुकसान में रहे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 4.62 प्रतिशत टूटकर 83.88 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को शुद्ध रूप से 277.48 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की लिवाली की। लगातार चार महीने की बिकवाली के बाद विदेशी निवेशक जुलाई में भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध खरीदार बने। उन्होंने आकर्षक मूल्यांकन, कंपनियों के बेहतर वित्तीय नतीजों और वैश्विक परिस्थितियों में नरमी के बीच 20,200 करोड़ रुपये का निवेश किया। अमेरिका और ईरान के बीच फिर से बातचीत की उम्मीदों के चलते कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट से बाजार को राहत मिली है। इससे मुद्रास्फीति और कंपनियों की आय को लेकर चिंताएं कम हुई हैं। उन्होंने कहा, एफआईआई निवेश में सुधार और रुपये की मजबूती से भी बाजार धारणा को समर्थन मिला। हालांकि, अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल का ऊंचा स्तर उभरते बाजारों में विदेशी निवेश के लिए अब भी एक प्रमुख जोखिम बना हुआ है।

सेंसेक्स शुक्रवार को 166.49 अंक चढ़कर 78,094.64 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 66.45 अंक बढ़कर 24,383.60 अंक पर रहा था।

रुपये में लगातार छठे दिन तेजी, 12 पैसे चढ़कर 95.31 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया सोमवार को लगातार छठे कारोबारी सत्र में मजबूत बने रहने के साथ ही 12 पैसे की बढ़त के साथ 95.31 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर हमले टालने के फैसले के बाद डॉलर के कमजोर होने से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लिवाली और घरेलू शेयर बाजार में तेजी से भी रुपये को समर्थन मिला।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.15 प्रति डॉलर पर खुला। दिन में यह 95.11 से 95.34 के दायरे में कारोबार करता रहा। अंत में यह 95.31 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की बढ़त है। रुपया सोमवार तक

लगातार छह कारोबारी सत्रों में तीन प्रतिशत से अधिक मजबूत हुआ है। रुपया शुक्रवार को सात पैसे मजबूत होकर 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। अमेरिकी राष्ट्रपति के सप्ताहांत में ईरान पर हमले की योजना रद्द करने से रुपये को मजबूती मिली। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच सोमवार शाम वार्ता होने वाली है। इससे वैश्विक निवेशकों की जोखिम लेने की धारणा मजबूत हुई। कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट ने भी रुपये को समर्थन दिया। हमें उम्मीद है कि वैश्विक बाजारों में जोखिम लेने की धारणा मजबूत होने से रुपये में हल्के सकारात्मक रुख के साथ कारोबार होगा। हालांकि, अमेरिका और ईरान के बीच यदि भू-राजनीतिक तनाव फिर बढ़ता है तो रुपये की तेज बढ़त सीमित हो सकती है। डॉलर के मुकाबले रुपये का हाजिर भाव 94.90 से 95.50 रुपये के दायरे में रह सकता है। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत टूटकर 99.84 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 544.39 अंक यानी 0.70 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78,639.03 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 390.70 अंक यानी 1.60 प्रतिशत चढ़कर 24,774.30 अंक पर बंद हुआ।

भारत-उज्बेकिस्तान को व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य रखना चाहिए: गोयल

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान को अगले तीन वर्ष में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य रखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि खनन, दवा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर का है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को मजबूत करने में व्यापार को अग्रणी भूमिका निभानी होगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने यहां इंडिया-उज्बेकिस्तान बिजनेस फोरम की बैठक को संबोधित करते हुए कहा,

आइए, अगले तीन वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य रखें। उन्होंने दोनों देशों के कारोबारियों से एक-दूसरे की अर्थव्यवस्था में निवेश करने का भी आह्वान किया। गोयल ने कहा कि जहां भारत सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), कुशल कार्यबल और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में मजबूत है।

विनिर्माण गतिविधियों की वृद्धि पांच साल के निचले स्तर पर

नयी दिल्ली। देश में विनिर्माण गतिविधियों की वृद्धि जुलाई में घटकर पांच साल के निचले स्तर पर आ गई। मुख्य रूप से चुनौतीपूर्ण बाजार परिस्थितियों के बीच नए कारोबारी ऑर्डर की रफ्तार धीमा पड़ने से वृद्धि कम रही। यह जानकारी सोमवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में दी गई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जुलाई में घटकर 53.5 पर आ गया जो जून में 54.2 था। यह अगस्त, 2021 के बाद का सबसे निचला स्तर है और दीर्घकालिक औसत 54.2 से भी कम है। एचएसबीसी इंडिया क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) नए ऑर्डर, उत्पादन, रोजगार, आपूर्तिकर्ताओं की

डिलिवरी अवधि और खरीदे गए माल भंडार जैसे संकेतकों के आधार पर स्थिति का आकलन करता है। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) में 50 से ऊपर का स्तर गतिविधियों में विस्तार और 50 से नीचे का स्तर गिरावट को दर्शाता है। नए ऑर्डर में वृद्धि की दर जुलाई में चार वर्षों से अधिक समय में दूसरी सबसे कमजोर रही। सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों ने बताया कि विज्ञापन और मांग में मजबूती से बिक्री को कुछ सहारा मिला, लेकिन चुनौतीपूर्ण बाजार परिस्थितियों और प्रमुख उत्पादों में ग्राहकों की घटती रुचि ने इसे प्रभावित किया। सर्वेक्षण में रोजगार के मोर्चे पर कहा गया कि भारत के विनिर्माण उद्योग में रोजगार सृजन लगातार तीसरे महीने कमजोर रहा। रोजगार वृद्धि की दर मौजूदा 29 महीने की निरंतर वृद्धि अवधि में सबसे कम रही। जुलाई में कंपनियों ने आपूर्ति श्रृंखला की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखा। वास्तव में कच्चे माल की डिलिवरी में लगने वाला समय सर्वेक्षण के इतिहास में लगभग रिकॉर्ड तेजी से घटा। इससे आपूर्ति श्रृंखला में उल्लेखनीय सुधार का संकेत मिला।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक सोमवार को शुरू हो गई। एमपीसी अपने फैसले की घोषणा पांच अगस्त यानी बुधवार को करेगी।

वैश्विक अनिश्चितताओं और मुद्रास्फीति से जुड़े जोखिमों के बने रहने के बीच अधिकतर विशेषज्ञों का मानना है कि छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूत स्थिति के बावजूद सतर्क रुख अपनाएगी। समिति द्वारा नीतिगत रेपो दर में कोई बदलाव नहीं करने की उम्मीद की जा रही है। रिजर्व बैंक ने जून में अपनी प्रमुख नीतिगत रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था और पश्चिम एशिया में संघर्ष के प्रभाव का आकलन करने के लिए स्थिति के अनुसार कदम उठाने का रुख अपनाया था। केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति का अनुमान 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया था। इसका मुख्य कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में वृद्धि का पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों पर असर पड़ने से लागत बढ़ना बताया गया था। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का अनुमान भी अप्रैल में जताए गए 6.9 प्रतिशत के अनुमान से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया था।

पश्चिम एशिया में तनाव घटने से कच्चे तेल के दाम छह प्रतिशत गिरे

नयी दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता की उम्मीद के बीच पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के संकेतों से वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। इससे घरेलू वायदा बाजार में कच्चे तेल का भाव सोमवार को छह प्रतिशत से अधिक टूटकर 7,601 रुपये प्रति बैरल पर आ गया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अगस्त में आपूर्ति वाले कच्चे तेल के वायदा अनुबंधों का भाव 512 रुपये यानी 6.31 प्रतिशत फिसलकर 7,601 रुपये प्रति बैरल रह गया। कारोबार के दौरान यह अनुबंध अपने निचले सर्किट स्तर तक भी पहुंच गया। इसी तरह सितंबर आपूर्ति वाले अनुबंध का भाव भी निवेशकों की व्यापक बिकवाली के बीच 415 रुपये यानी 5.3 प्रतिशत टूटकर 7,424 रुपये प्रति बैरल पर आ गया। कारोबारियों ने

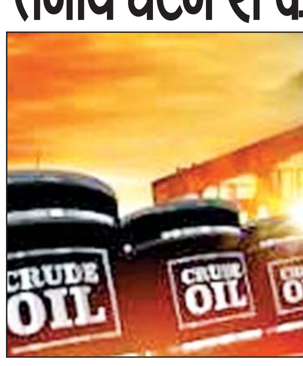

बताया कि घरेलू बाजार में यह तेज गिरावट विदेशी बाजारों की कमजोरी के अनुरूप रही। बाजार सहभागियों ने जोखिम वाले सौदों में कटौती की क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक प्रयासों से होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिये तेल आपूर्ति में लंबे समय तक व्यवधान टल सकता है। घरेलू बाजार में बिकवाली अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेज गिरावट के अनुरूप रही। इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज (आईसीई) पर अक्टूबर में आपूर्ति वाले ब्रेंट कच्चे तेल के अनुबंधों का वायदा भाव 6.38 डॉलर यानी 7.3 प्रतिशत टूटकर 81.55 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं, अमेरिकी मानक वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) का भाव भी 80 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से नीचे आ गया। न्यूयॉर्क मर्केंटाइल एक्सचेंज (एनवाईएमईएक्स) पर इसकी कीमत 5.89 डॉलर यानी करीब सात प्रतिशत की गिरावट के साथ 78.78 डॉलर प्रति बैरल रही। विश्लेषकों ने बताया कि भू-राजनीतिक तनाव कम होने के संकेत मिलने के बाद निवेशकों ने तेजी से मुनाफावसूली की। इससे वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर चिंताएं कम हुईं, हालांकि उनका कहना है कि क्षेत्र में घटनाक्रम पर अब भी सतर्क नजर बनाए रखने की जरूरत है। गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ वार्ता सोमवार को होगी। हालांकि, उन्होंने किसी समझौते की समयसीमा नहीं बताई। ट्रंप ने इससे पहले कहा था कि उन्होंने तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर मतभेद सुलझाने और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की उम्मीद में प्रस्तावित सैन्य हमले को टाल दिया है।

ईपीएस-95: न्यूनतम मासिक पेंशन 7500 रुपये मासिक करने की मांग को लेकर पेंशनधारक करेंगे प्रदर्शन

नयी दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की पेंशन योजना ईपीएस-95 के दायरे में आने वाले पेंशनधारकों ने न्यूनतम पेंशन 7,500 रुपये मासिक किए जाने की मांग को लेकर पांच अगस्त को देशव्यापी प्रदर्शन का सोमवार को आह्वान किया। वर्तमान में कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के तहत न्यूनतम मासिक पेंशन ।,000 रुपये है।

यह व्यवस्था एक सितंबर, 2014 से लागू है। ईपीएस-95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति ने कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के तहत न्यूनतम मासिक पेंशन 7,500 रुपये किए जाने, महंगाई भत्ता (डीए) देने, पेंशनधारकों और उनके जीवनसाथी को मुफ्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा उच्चतम न्यायालय के फैसलों के अनुरूप पात्र सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उच्च पेंशन का लाभ देने की मांग के समर्थन में प्रदर्शन का आह्वान किया है। काफी समय से लंबित पेंशन सुधारों की मांग को लेकर ईपीएस-95 के तहत आने वाले हजारों पेंशनधारक पांच अगस्त को नयी दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन करेंगे। समिति का कहना है कि कई साल से ज्ञापन देने, शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने और सरकार से अपील करने के बावजूद इस संबंध में कोई सार्थक नीतिगत फैसला नहीं लिया गया है। राउत ने कहा कि ईपीएस-95 के करीब 81 लाख पेंशनधारक पिछले एक दशक से अधिक समय से इन मांगों को उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से बार-बार आश्वासन दिए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। राउत ने कहा कि बड़ी संख्या में ईपीएस-95 पेंशनधारकों को औसतन केवल ।,171 रुपये मासिक पेंशन मिलती है, जो मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों में जीवन-यापन के लिए अपर्याप्त है। समिति का कहना है कि देश के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास में दशकों तक योगदान देने वाले श्रमिक ऐसी सेवानिवृत्ति आय के हकदार हैं जिससे उन्हें आर्थिक सुरक्षा तथा सम्मानजनक जीवन मिल सके।

पेज एक का शेष

नीट प्रश्नपत्र लीक

कानूनी प्रक्रिया को लेकर वरिष्ठ वकील वृंदा ग्रोवर से चर्चा की है। ग्रोवर ने कहा कि मुद्दा यह था कि मामलों को वापस लिया जाए या प्राथमिकी को रद्द किया जाए। उन्होंने कहा, यह शिक्षा व्यवस्था में सुधार के बारे में था। ये युवा लोग हैं जिनके सामने पूरी जिंदगी पड़ी है। अगर प्राथमिकी रद्द भी की जाएगी तो बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में कई प्राथमिकी दर्ज हैं। उन्होंने कहा, राज्यों के साथ इस पर काम करने के बाद हम फिर से इस अदालत का रुख करेंगे। उन्होंने कहा कि अलग-अलग सरकारी वकीलों से मामले बंद करने के लिए कहना एक लंबा और अनिश्चित प्रक्रिया है। वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने बताया कि प्रदर्शनों के दौरान वकीलों के बच्चों को भी पीटा गया था। उन्होंने कहा, वीडियो बेहद चौंकाने वाले हैं। हमने अदालत को 300 वीडियो सौंपे हैं। चूंकि ऊपर से निर्देश आए हैं, इसलिए पुलिस आयुक्त को इन सब पर ध्यान देना चाहिए। शंकरनारायणन ने कहा, हमने बिना वर्दी वाले उन लोगों की पहचान की है, जो कथित पुलिस ज्यादती में शामिल थे। पुलिस आयुक्त और आरएएफ (त्वरित कार्य बल) निदेशक को यह बताने का निर्देश दिया जाना चाहिए कि पुलिस ने पैलेट गन आदि का इस्तेमाल क्यों किया। शंकरनारायणन ने कहा कि पुलिस को मनमाने ढंग से कार्वाई करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। शंकरनारायणन ने कहा, हमने (अदालत को) वीडियो दिखाए हैं। हम इस गंभीर मामले की ओर अदालत का ध्यान आकृष्ट करना चाहते हैं। हलफनामे में इन सवालों के जवाब दिए जाएं। जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने कहा कि आपराधिक रिकॉर्ड शब्द का आशय स्पष्ट करने की जरूरत है क्योंकि छात्रों पर यातायात नियम तोड़ने, छोटे-मोटे अपराध या राजनीतिक कारणों से दर्ज मामले हो सकते हैं।

जिनका राम

ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में महिलाओं की भागीदारी विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बढ़ी है। महिला श्रमबल की भागीदारी 12 प्रतिशत से बढ़कर 37-38 प्रतिशत से अधिक हो गई है। सरकार कामकाजी महिलाओं के लिए श्रमजीवी छात्रावास बना रही है और मिशन शक्ति के माध्यम से महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं तथा निवेश और औद्योगिक विकास के कारण रोजगार के नए अवसर लगातार बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सावन माह की महत्ता बताते हुए कहा कि यह किसानों, विद्यार्थियों और शिवभक्तों के लिए विशेष महत्व का समय है। उन्होंने कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सुरक्षा और सुविधाओं के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने बताया कि 7 अगस्त से विधानसभा और विधान परिषद के सदस्य भी विभिन्न धार्मिक आयोजनों में भाग लेंगे।

योगी ने आलम

(आजमगढ़) से समाजवादी पार्टी के टिकट पर विधानसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। वे विधानसभा की विभिन्न समितियों के सदस्य रहे। वर्तमान में विधानसभा की आचार समिति के भी सदस्य थे। उम्र के इस पड़ाव पर भी उनकी राजनीतिक सक्रियता अन्य जनप्रतिनिधियों को प्रेरित करती थी। आलम बदी का निर्वाचित होना दशार्ता है कि जनप्रतिनिधि के रूप में यदि हम जनता व क्षेत्र के प्रति समर्पित रहे तो आयु की सीमा मायने नहीं रखती। सीएम योगी ने कहा कि आलम बदी सरल, विनम्र व जनसामान्य से जुड़े जनप्रिय नेता थे। उत्तर प्रदेश की राजनीति में वे सादगी और बेदाग छवि के लिए जाने जाते थे। समाज के गरीब-वंचित वर्ग के उत्थान, सामाजिक कार्यों, शिक्षा के प्रसार में उनकी विशेष रुचि थी। वे अपने क्षेत्र के बुनियादी मुद्दों को लेकर सदैव सदन में आवाज उठाते थे। व्यवहार कुशल व लोकप्रिय जनप्रतिनिधि तथा सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में क्षेत्र के विकास व जनता के कल्याण के लिए वह सदैव समर्पित रहे। आलम बदी के निधन से प्रदेश ने कुशल राजनीतिज्ञ व समाजसेवी को खो दिया है। मुख्यमंत्री ने पूर्व सदस्य राजेंद्र त्रिपाठी, पूर्व विधायक भोला पांडेय, अमिताभ लवानिया, सुब्बाराम, जगन्नाथ चौधरी, रामप्यारे आजाद, गोपीनाथ वर्मा, यशपाल सिंह, राधेश्याम भारती, संग्राम सिंह, हरिनारायण राजभर, डॉ. भगवत दयाल, अरुण कुमार सिंह मुन्ना, ओमवती देवी, मोहर सिंह, अफसर यू अहमद, तेजभान सिंह, रुद्र प्रताप सिंह, प्यारेलाल शंखवार, ओमकार सिंह, हनुमंत सिंह के निधन पर भी शोक जताया।

मानसून सत्र

कार्यवाही शुरू होने पर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ विधायक आलमबदी के निधन पर शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। सदन ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की, जिसके बाद विधानसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस विधायक आराधना मिश्रा 'मोना' तथा सपा के ओम प्रकाश सिंह, अतुल प्रधान, संग्राम यादव, डॉ. रागिनी सोनकर सहित कई विधायक शामिल रहे।

रेडियो के

कल्याण, यातायात नियमों और अन्य सामाजिक विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम तैयार कर लोगों को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की विषम भौगोलिक परिस्थितियों में सूचनाओं का त्वरित प्रसार कई बार जीवनरक्षक साबित होता है। विशेषकर वर्षाकाल में भूस्खलन, सड़क बंद होने या अन्य आपात परिस्थितियों में लोगों तक प्रशासन के निर्देश, मौसम संबंधी जानकारी, सुरक्षित मार्गों और राहत-बचाव व्यवस्थाओं की सूचना समय पर पहुंचाना जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में रेडियो प्रभावी संचार माध्यम बन सकता है। राज्य की पहचान हिमालय, नदियों और प्राकृतिक संपदा के साथ-साथ यहां की जीवंत लोकसंस्कृति से भी है। उत्तराखंड की बोलियां, लोकधुनें, पारंपरिक गीत-संगीत, नृत्य, लोककलाएं और स्थानीय पर्व-त्योहार पीढ़ियों से इसकी सांस्कृतिक पहचान को जीवित रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि ओहो एफएम इन परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने और स्थानीय कलाकारों को मंच देने की दिशा में काम कर सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में युवा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन अनेक क्षेत्रों में कर रहे हैं। स्टार्टअप, स्वरोजगार, खेल, कला, साहित्य, संगीत, तकनीकी क्षेत्र और नए प्रयोगों में युवाओं की भागीदारी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि स्थानीय युवाओं की उपलब्धियों और संघर्ष की प्रेरक कहानियों को रेडियो कार्यक्रमों का हिस्सा बनाया जाए तो इससे दूसरे युवाओं में भी आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की प्रेरणा पैदा होगी। मुख्यमंत्री ने सूचना के वर्तमान परिवेश पर कहा कि आज लोगों के पास सूचनाओं के अनेक स्रोत हैं, लेकिन हर सूचना सही हो, यह जरूरी नहीं। ऐसे में रेडियो जैसे स्थापित माध्यमों के लिए विश्वसनीयता बनाए रखना बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि तथ्य आधारित जानकारी, संतुलित चर्चा और सकारात्मक विषयों को प्राथमिकता देकर संचार माध्यम समाज में स्वस्थ संवाद और विश्वास का वातावरण तैयार कर सकते हैं।

उन्होंने ओहो एफएम के शुभारंभ पर टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रेडियो स्टेशन को मनोरंजन के साथ जनहित और सामाजिक सरोकारों को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ओहो 89.2 एफएम स्थानीय मुद्दों को आवाज देने, प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान दिलाने, प्रतिभाओं को आगे लाने और जनता तथा शासन के बीच संवाद को मजबूत करने में उपयोगी मंच साबित होगा। कार्यक्रम में विधायक सविता कपूर, ओहो रेडियो के आरजे काव्य तथा सामाजिक, सांस्कृतिक एवं मीडिया क्षेत्र से जुड़े अनेक लोग उपस्थित रहे।

बांकी उपचुनाव

अनिल दास को 311 तथा निर्दलीय सिकंदर कुमार को 264 मत मिले। किशोर की जीत को उनकी पार्टी से बाहर के कई नेताओं ने भी भाजपा के अहंकार के लिए सबक करार दिया। इनमें जनशक्ति जनता दल के अध्यक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद के बड़े पुत्र तेज प्रताप यादव तथा भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य भी शामिल हैं। भाकपा (माले) लिबरेशन विपक्षी इंडिया गठबंधन की सहयोगी पार्टी है। 30 जुलाई को हुए मतदान से पहले कई दिनों तक प्रशांत किशोर और भाजपा की ओर से जोरदार चुनाव प्रचार किया गया था। चुनाव प्रचार के दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर चुनावी अनियमितताओं के आरोप लगाए और इस संबंध में निर्वाचन आयोग का भी रुख किया। 1970 के दशक के जेपी आंदोलन के प्रमुख नेताओं में रहे वरिष्ठ समाजवादी नेता शिवानंद तिवारी ने कहा कि बांकीपुर का जनादेश हाल के छात्र आंदोलनों में भाजपा के प्रति दिखे व्यापक असंतोष की पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए।

गुजरात की

व्यक्त करते हुए वडोदरा नगर निगम के पूर्व पार्षद सतीश गोविंदभाई पटेल ने कहा कि लोगों ने एक बार फिर भाजपा में अपना विश्वास जताया है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि मांजलपुर को भारतीय जनता पार्टी का गढ़ बनाए रखने के लिए मैं दिल से सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करता हूं। विधायक के रूप में अपनी प्राथमिकताओं के बारे में पूछे जाने पर पटेल ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता, विशेषकर जरूरतमंद और वंचित वर्ग की सेवा के लिए हमेशा तैयार रहता है और वह इस कार्य को आगे बढ़ाएंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री

श्रद्धांजलि अर्पित की है। पुण्यतिथि के मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री बाबू बनारसी दास के सुपौत्र व बीबीडी ग्रुप के प्रेसिडेंट एवं डॉ. अखिलेश दास फाउंडेशन के अध्यक्ष, बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट, उ.प्र. बैडमिन्टन एसोसिएशन अध्यक्ष व यूपी ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष विराज सागर दास ने बाबूजी की स्मृतियों को याद करते हुए कहा कि आज मेरे पूज्य पितामह बाबू बनारसी दास जी ने अपना पूरा जीवन उत्तर प्रदेश के अपने समाज को व अपने देश की जनता को समर्पित किया। उन्होंने 13 साल की उम्र में ही अपना घर छोड़ दिया और स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हुए, वे लड़कियों को शिक्षा देने के समर्थक रहे और 16 वर्ष की उम्र में लड़कियों के लिए स्कूल खोला। उस दौर में वे लगातार स्वतंत्रता संग्राम की वजह से जेल में बंद रहे। उन्होंने अपना पूरा जीवन सिर्फ इसलिए लगाया कि वे किस प्रकार से अपने देशवासियों की और अपने प्रदेशवासियों की सेवा कर सकें। आजादी के बाद जो उत्तर प्रदेश की पहली विधानसभा बनी, उसमें वे विधायक बने। 1985 में जब उनका स्वर्गवास हुआ तब वे लोकसभा सांसद थे। 28 फरवरी 1979 को बाबू जी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने और 18 फरवरी 1980 तक उन्होंने प्रदेश की बागडोर संभाली। वे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष रहे। यहां की कैबिनेट में मंत्री रहे। उन्होंने राज्य सभा के उपसभापति के रूप में भी कार्य किया। यह दर्शाता है कि वे लगातार किस प्रकार से जनता से चुनकर आते रहे, जनता ने किस प्रकार हमेशा उन पर अपना आशीर्वाद बनाये रखा और उन्होंने किस प्रकार हमेशा जनता की सेवा की। आप सब के आशीर्वाद से, आप सब के प्यार से और इसी को आगे लेकर जाना चाहता हूं और इसी प्रकार से जो मैंने अपने बाबा, अपने पिता जी, अपनी माता जी से सीखा है, उसी प्रकार से अपने लखनऊ की जनता, अपने प्रदेश की जनता के लिए सेवा करूंगा।

दलीप ट्रॉफी : अर्शदीप उत्तर क्षेत्र टीम में शामिल

भारतीय टेस्ट टीम से बाहर हुए हरियाणा के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज भी उत्तर क्षेत्र की टीम में

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को 23 अगस्त से शुरू होने वाली दलीप ट्रॉफी के लिए जम्मू कश्मीर के विकेटकीपर कन्हैया वधावन की अगुवाई वाली उत्तर क्षेत्र की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। सीमित ओवरों के विशेषज्ञ अर्शदीप को 2025 में इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिली थी, लेकिन चोट और टीम संयोजन के कारण वह टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण नहीं कर सके थे। हाल में भारतीय टेस्ट टीम से बाहर हुए हरियाणा के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को भी उत्तर क्षेत्र की टीम में शामिल किया गया है। जम्मू कश्मीर की ऐतिहासिक रणजी ट्रॉफी जीत के बाद चयनकर्ताओं ने वहां के छह खिलाड़ियों को टीम में जगह देकर उनके प्रदर्शन को सम्मान दिया है। वधावन के अलावा सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल, हरफनमौला अब्दुल समद, बाएं हाथ के स्पिनर आबिद मुश्ताक, तेज गेंदबाज सुनील कुमार और युधवीर सिंह को भी टीम में शामिल किया गया है। दिल्ली के आयुष बदोनी को उपकप्तान बनाया गया है।

जम्मू कश्मीर के कप्तान और 41 वर्षीय अनुभवी बल्लेबाज पारस डोगरा को टीम में जगह नहीं मिली। चयनकर्ताओं का मानना है कि दलीप ट्रॉफी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी दावेदारी मजबूत करने वाले खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण मंच है। जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी राष्ट्रीय टीम की जिम्मेदारियों के कारण इस टूर्नामेंट में उपलब्ध नहीं रहेंगे। जम्मू कश्मीर के बाद दिल्ली के सबसे अधिक चार खिलाड़ियों को टीम में जगह मिली है। इनमें सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान, पूर्व कप्तान यश ढुल, मध्यक्रम के बल्लेबाज आयुष दोसेजा और उपकप्तान बदोनी शामिल हैं। स्पिन और हरफनमौला विकल्प के रूप में निशांत सिंधू, आबिद मुश्ताक और अर्जुन शर्मा को टीम में शामिल किया गया है। वहीं दूसरी ओर जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी को चोटिल जसप्रीत बुमराह की जगह सोमवार को श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया। इस तरह से वह भारत की टेस्ट टीम में जगह बनाने वाले कश्मीर घाटी के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। बुमराह को फिटनेस के आधार पर टेस्ट टीम में शामिल किया गया था लेकिन वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के दौरान बाएं घुटने में लगी चोट से अभी तक पूरी तरह नहीं उबर पाने के कारण श्रीलंका दौरे से बाहर हो गए हैं। नबी को पहली बार सीनियर राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक बयान में कहा, पुरुष चयन समिति ने बुमराह के स्थान पर औकिब नबी को टीम में शामिल किया है। जम्मू और कश्मीर के इस तेज गेंदबाज को पहली बार सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। कश्मीर के बारामूला के एक गांव के रहने 29 वर्षीय नबी जम्मू कश्मीर के तीसरे खिलाड़ी हैं जिन्हें भारत की सीनियर टीम में चुना गया है। उनसे पहले परवेज़ रसूल और उमरान मलिक को सीमित ओवरों के लिए सीनियर राष्ट्रीय टीम में चुना गया था। रसूल और मलिक सीमित ओवरों के प्रारूप में भारत के लिए खेल चुके हैं। नबी ने पिछले दो रणजी ट्रॉफी सत्र में कुल 104 विकेट लिए थे, जिनमें 2025-26 सत्र में लिए गए 60 विकेट भी शामिल हैं।

उन्होंने जम्मू कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। वह बल्लेबाजी में भी उपयोगी योगदान देने में सक्षम हैं। वह हाल ही में श्रीलंका दौरे पर गई भारत ए टीम का भी हिस्सा थे, जहां उन्होंने दो प्रथम श्रेणी मैचों में छह विकेट लिए थे। तेज गेंदबाज बुमराह को इस श्रृंखला से बाहर होना पड़ा क्योंकि उनके घुटने में सूजन ज्यादा गंभीर निकली। बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्पोर्ट्स साइंस टीम ने भारतीय टीम के आगामी व्यस्त कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए इस अनुभवी तेज गेंदबाज की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी में किसी तरह की जल्दबाजी दिखाने से परहेज किया। यह 32 वर्षीय तेज गेंदबाज चोट लगने के कारण पिछले महीने लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में नहीं खेल पाए थे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज बी साई सुदर्शन को भी श्रीलंका दौरे के लिए फिटनेस के आधार पर टीम ने चुना गया है क्योंकि वह अभी भी उस पैर की चोट से उबर रहे हैं। श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला 15 अगस्त को गॉल में शुरू होगी। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए भारतीय टीमः शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जड़ेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन, औकिब नबी।

मांडविया ने भारोत्तोलकों को किया सम्मानित

एजेंसी

नयी दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय भारोत्तोलकों को सम्मानित करते हुए कहा कि उनका प्रत्येक पदक देश के लिए अपार खुशी लेकर आया है। भारतीय भारोत्तोलन टीम ने राष्ट्रमंडल खेलों में एक स्वर्ण, छह रजत और एक कांस्य पदक जीता। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू एकमात्र स्वर्ण पदक विजेता रहीं। मीराबाई को 30 लाख रुपये का चेक दिया गया, जबकि रजत और कांस्य पदक विजेताओं को क्रमशः 20 लाख रुपये और 10 लाख रुपये दिए गए।

मांडविया ने सम्मान समारोह के दौरान कहा, शायद आपको इसका अहसास न हो, लेकिन आपका जीता हर पदक देश को अपार खुशी देता है। जब भी आप में से किसी ने पदक जीता, संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले इसकी घोषणा की गई। जो खिलाड़ी इस बार पदक नहीं जीत पाए उन्हें यह याद रखना चाहिए कि खिलाड़ी कभी हारता नहीं है। वह या तो जीतता है या जीत हासिल करना सीखता है। मीराबाई ने राष्ट्रमंडल खेलों में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। इससे पहले उन्होंने 2018 और 2022 में भी स्वर्ण पदक जीता था।

उन्होंने सम्मान समारोह के बाद पीटीआई से कहा, मैं बेहद खुश हूं। मुझे बहुत प्यार मिला है। आज हम सभी को सम्मानित किया गया। यह हम खिलाड़ियों के लिए बहुत बड़ा पल है। मुझे खुशी है कि मैं भारत के लिए कुछ कर पाई हूं। मीराबाई ने कहा कि उनका ध्यान अब अगले महीने जापान में होने वाले एशियाई खेलों पर है।

उन्होंने कहा, एशियाई खेलों में मैं 49 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करूंगी, क्योंकि 48 किलोग्राम वर्ग को समाप्त कर दिया गया है। एशियाई खेलों में पदक जीतना मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यही एक पदक मेरे पास नहीं है। वहां प्रतियोगिता बेहद कड़ी है, लेकिन मैं वह पदक जीतने के लिए अपनी जीजान लगा दूंगी। मीराबाई ने कहा मैंने अभी तक ओलंपिक के लिए योजना नहीं बनाई है। अभी मेरा पूरा ध्यान एशियाई खेलों पर है। उसके बाद ही मैं ओलंपिक पर विचार करूंगी।

संक्षेप

कामिला रखिमोवा ने वीनस विलियम्स को हराया

टोरंटो। वीनस विलियम्स का वापसी के बाद पहली जीत के लिए इंतजार और बढ़ गया क्योंकि उन्हें नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। वीनस को कामिला रखिमोवा ने 6-4, 6-1 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। बारिश के कारण यह मैच देर से खेला गया। इस डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली 46 वर्षीय वीनस जुलाई 2025 से लगातार 12 मैच हार चुकी हैं। 24 वर्षीय रखिमोवा उज्बेकिस्तान की रहने वाली हैं। वह विश्व रैंकिंग में 82वें स्थान पर काबिज हैं।

माइक स्मिथ पाकिस्तान के बल्लेबाजी कोच बने

लाहौर। बल्लेबाजों के लगातार खराब प्रदर्शन से परेशान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर माइक स्मिथ को राष्ट्रीय टीम का नया बल्लेबाजी कोच बनाया है। वह आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए टीम के साथ जुड़ेंगे। लेवल चार के बल्लेबाजी कोच स्मिथ को टी20 फ्रेंचाइजी क्रिकेट के साथ काफी अनुभव है, विशेषकर पाकिस्तान सुपर लीग की कई टीम के साथ काम करने का। पीसीबी के एक भरोसेमंद सूत्र ने कहा कि स्मिथ के साथ यह करार मौखिक रूप से किया गया था। पीसीबी द्वारा विज्ञापन दिए जाने के बाद बल्लेबाजी कोच के पद के लिए आवेदन करने पर उन्हें दावेदारों की सूची से छांटा गया। स्मिथ को इस महीने इंग्लैंड में पाकिस्तान टीम से जुड़ने के लिए हरी झंडी मिलने की उम्मीद है जहां 19 अगस्त से तीन टेस्ट मैच होने हैं।

गांगुली ने मजबूत टीम संस्कृति बनाने में निभायी अहम भूमिका

जोहानिसबर्ग। प्रिटोरिया कैपिटल्स के कप्तान केशव महाराज ने टीम के मुख्य कोच और भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को मजबूत टीम संस्कृति विकसित करने का श्रेय देते हुए कहा कि उनके साथ मिलकर तैयार किए गए नेतृत्व समूह ने पिछले सत्र में फ्रेंचाइजी को एसए20 के फाइनल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रिटोरिया कैपिटल्स लीग के चौथे सत्र में फाइनल में पहुंचने में सफल रहा लेकिन टीम तीन बार की चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप से रोमांचक मुकाबले में तीन रन से हार गयी थी। महाराज ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, ऐसे टूर्नामेंटों में मजबूत टीम संस्कृति विकसित करना बेहद जरूरी होता है और इस मामले में गांगुली का योगदान शानदार रहा।

पीएचडी के मेरे शोध विषय से खेल में मदद मिलती है : सीमा

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों की महिला चक्का फेंक स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाली सीमा कालीरमण ने कहा कि कल्पना और सकारात्मक आत्म-चर्चा पर डॉक्टरेट के उनके शोध विषय से उन्हें खेलों में काफी मदद मिलती है और इससे वह शारीरिक और मानसिक रूप से किसी भी चुनौती के लिए तैयार रहती हैं। सीमा हरियाणा के भिवानी स्थित चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय से पीएचडी कर रही हैं। उन्होंने बताया कि उनका शोध अकादमिक क्षेत्र से परे उनकी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बन गया है। ग्लास्गो से घर लौटने के बाद 27 वर्षीय सीमा ने पीटीआई से कहा, मेरे शोध का विषय है खेल प्रदर्शन पर कल्पना और सकारात्मक आत्म-चर्चा प्रशिक्षण का प्रभाव। यह सीधे तौर पर मेरे खेल से जुड़ा है और मैं इसके सिद्धांतों को स्वयं पर लागू करती हूं।

उन्होंने कहा मैं प्रतियोगिता के दौरान शांत बने रहने, अपनी क्षमता बढ़ाने और मांसपेशियों की रिकवरी पर ध्यान देती हूं। मेरा पीएचडी शोध इन्हीं पहलुओं पर केंद्रित है और इससे मुझे बहुत मदद मिली है। हमें सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। राष्ट्रमंडल खेलों में 58.65 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक जीतना सीमा के लिए एक उल्लेखनीय वापसी थी, क्योंकि वह 2025 एशियाई चैंपियनशिप में पोडियम से चूक गई थीं और केवल 16 सेंटीमीटर से चौथे स्थान पर रही थीं।

हर्षिता टूर डी फ्रांस फेम्स से जुड़ने वाली पहली भारतीय महिला

एजेंसी

एगल (स्विट्जरलैंड)। भारत की युवा साइकिलिस्ट हर्षिता जाखड़ ने प्रतिष्ठित टूर डी फ्रांस फेम्स का हिस्सा बनने वाली पहली भारतीय महिला बन कर इतिहास रच दिया है। राजस्थान की 19 साल की खिलाड़ी ने रविवार को इस कठिन बहु-चरणीय साइकिल रेस के दूसरे चरण के औपचारिक शुभारंभ (सेरेमोनियल स्टार्ट) में आठ प्रतिभाशाली साइकिलिस्ट के दल का नेतृत्व किया।

इस दल में अफगानिस्तान, अल्जीरिया, चिली, इथियोपिया (दो साइकिलिस्ट), नामीबिया और युगांडा की खिलाड़ी शामिल थीं। प्रतियोगिता की शुरुआत एक अगस्त को लुसान से हुई और इसका समापन नौ अगस्त को नीस में होगा। अंतरराष्ट्रीय साइकिलिंग संघ (यूसीआई) द्वारा चयनित इस विशेष दल ने यूसीआई वर्ल्ड साइक्लिंग सेंटर (डब्ल्यूसीसी) रोड टीम की कुछ साइकिलिस्ट के साथ रेस मार्ग के 4.5 किलोमीटर लंबे न्यूट्रलाइज्ड सेक्शन (गैर-प्रतिस्पर्धी शुरुआती चरण) पर सवारी की। यूसीआई के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य उभरती प्रतिभाओं को विश्वस्तरीय प्रतियोगिता का अनुभव प्रदान करना है। टूर डी फ्रांस फेम्स महिलाओं की प्रतिष्ठित बहु-चरणीय साइकिल रेस है, जिसे पुरुषों की प्रसिद्ध टूर डी फ्रांस के समकक्ष माना जाता है। यह यूसीआई महिला विश्व टूर कैलेंडर की प्रमुख प्रतियोगिताओं में शामिल है।

यूसीआई के अध्यक्ष डेविड लैपार्तिएं ने दूसरे चरण की शुरुआत से पहले खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए भारतीय साइकिलिस्ट की उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस विशेष दल के लिए उन राष्ट्रीय साइकिल महासंघों के खिलाड़ियों का चयन किया जाता है जिनके पास शीर्ष स्तर की प्रशिक्षण सुविधाओं और प्रतिस्पर्धाओं तक पहुंच उपलब्ध नहीं है। हर्षिता ने कहा, बचपन में अपने पिता की प्रेरणा से मुझे साइकिलिंग से लगाव हुआ और तभी से टूर डी फ्रांस में भाग लेना मेरा सपना रहा है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट से यूपीसीए को बड़ी राहत

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने रिट-सी संख्या 3329/2026 द क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश बनाम उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन एवं अन्य में उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के पक्ष में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए सीएयूपी की याचिका खारिज कर दी। न्यायालय ने याचिका में की गई विभिन्न मांगों और उठाए गए दावों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। माननीय न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन एवं माननीय न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने अपने निर्णय में माना कि वर्ष 2005 में तत्कालीन सोसाइटी के विघटन और उसकी परिसंपत्तियों, दायित्वों तथा कार्यों का उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन कंपनी को हस्तांतरण विधिसम्मत था। न्यायालय ने अपने निर्णय में यह भी कहा कि इस प्रक्रिया के लिए राज्य सरकार की अनुमति आवश्यक नहीं थी, क्योंकि सरकार यह स्थापित नहीं कर सकी कि उसका उस संस्था में कोई वित्तीय योगदान अथवा हित था। न्यायालय ने याचिकाकर्ता की उन मांगों को भी अस्वीकार कर दिया, जिनमें यूपीसीए की परिसंपत्तियां और संसाधन उसे हस्तांतरित करने, बीसीसीआई को निर्देश जारी करने, यूपीसीए को क्रिकेट गतिविधियों के संचालन से रोकने, सीबीआई अथवा अन्य एजेंसी से जांच कराने तथा यूपीसीए की बीसीसीआई से संबद्धता और वित्तीय सहायता की जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित करने की मांग शामिल थी।

सीएयूपी की याचिका खारिज

राष्ट्रमंडल खेल : भारत का प्रदर्शन उम्मीद से बेहतर

एजेंसी

ग्लास्गो। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में कई ऐसे खेल शामिल नहीं थे जिनमें भारत का रिकॉर्ड अच्छा रहा है लेकिन इसके बावजूद देश ने उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया तथा मुक्केबाजों, जूडो खिलाड़ियों और पैरा एथलीटों के दमदार प्रदर्शन के बलबूते पर 39 पदकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया। इस बार राष्ट्रमंडल खेलों में केवल 10 खेल शामिल थे। कुश्ती, निशानेबाजी, बैडमिंटन और हॉकी जैसे खेल इसमें शामिल नहीं थे जिनमें भारत का प्रदर्शन अच्छा रहा है। खेलों के शुरू होने से पहले नहीं लग रहा था कि भारत शीर्ष पांच में जगह बना पाएगा। लेकिन भारत का 122 सदस्यीय दल 13 स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य पदक लेकर लौटा, जिससे पता चलता है कि देश अन्य खेलों में भी अच्छी प्रगति कर रहा है। भारत को चौथा स्थान दिलाने में मुक्केबाजी की भूमिका अहम रही। भारतीय मुक्केबाजों ने राष्ट्रमंडल खेलों में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड सात स्वर्ण पदक और कुल मिलाकर 10 परक हासिल किए। जहां महिला मुक्केबाजों ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए शानदार प्रदर्शन किया, वहीं पुरुषों ने भी अपना पूरा दम दिखाया।

भारत के मुक्केबाज चमके, जूडो में दिखाया दम

इस प्रदर्शन को हालांकि इस संदर्भ में देखना जरूरी है कि कई यूरोपीय और एशियाई देशों की अनुपस्थिति के कारण प्रतियोगिता ओलंपिक या विश्व चैंपियनशिप जितनी कठिन नहीं थी। फिर भी भारत ने इस अवसर का पूरा लाभ उठाया। इसके अलावा जूडो भी भारत के लिए एक और बड़ा सकारात्मक पहलू था। लंबे समय से हाशिये पर रहने वाले इस खेल में राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अपने पिता के निधन के कुछ महीनों बाद अस्मिता डे का स्वर्ण पदक और हर्ष सिंह का खिताब पिछले कुछ वर्षों में इस खेल में देश की निरंतर प्रगति का पता चलता है।

नीरज से भी बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करना गलती

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी रोहित यादव ने सोमवार को स्वीकार किया कि राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में श्रीलंका के स्वर्ण पदक विजेता रमेश पथिरागे के बड़े थ्रो का पीछा करना और नीरज चोपड़ा से भी बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करना गलती थी। इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने 31 जुलाई को पुरुषों के भाला फेंक फाइनल में 81.56 मीटर के थ्रो के साथ सातवां स्थान हासिल किया।

पथिरागे ने 89.75 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि भारत के नीरज चोपड़ा (85.83 मीटर) और यशवीर सिंह (85.41 मीटर) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए। यादव ने कहा कि दूसरे प्रयास में 81.56 मीटर का थ्रो करने के बाद उन्हें लगा कि वह पदक जीतने की अच्छी स्थिति में हैं, जिसके बाद उन्होंने अपने शेष चार प्रयासों में सब कुछ झोंक देने का फैसला किया। सोमवार को ग्लास्गो से लौटने के बाद रोहित ने कहा मेरा दूसरा थ्रो लगभग 81 मीटर (81.56 मीटर) था और मुझे लगा कि मैं कम से कम शीर्ष आठ में तो जगह बना ही लूंगा। उसके बाद मैंने इसके बाद अपनी पूरी ताकत लगाने का फैसला किया। उन्होंने कहा मुझे लगा कि मैं रमेश के थ्रो की बराबरी कर सकता हूं। मैं सोच रहा था कि मैं उस मुकाम को हासिल कर सकता हूं जहां तक उस दिन नीरज भी नहीं पहुंच पाया था। इसी सोच के कारण मैं थोड़ा अति आत्मविश्वासी हो गया था। यादव अपने शेष प्रयासों में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सके। उनके तीसरे और पांचवें प्रयास फाउल रहे, जबकि उन्होंने अपने चौथे और छठे प्रयास में क्रमशः 73.70 मीटर और 79.55 मीटर का थ्रो किया।

बृजभूषण को बरी करने के फैसले के खिलाफ अपील करेंगे पहलवान : विनेश

एजेंसी

नयी दिल्ली। विश्व चैंपियनशिप की पदक विजेता विनेश फोगाट ने सोमवार को कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज कराने वाली महिला पहलवान दिल्ली की एक अदालत द्वारा उन्हें बरी करने के फैसले के खिलाफ अपील करेंगी। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न मामले में सिंह और सह आरोपी विनोद तोमर को बरी कर दिया।

विनेश ने एक्स पर पोस्ट किया, शुरू से ही पूरा प्रशासन, सरकार और व्यवस्था बृजभूषण को बचाने में लगी हुई है। हमें बहुत दुख है कि अदालत ने महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन हिंसा के आरोपों में बृजभूषण शरण सिंह को दोषी नहीं पाया। उन्होंने कहा महिला पहलवानों ने अपने वकीलों को इस फैसले के खिलाफ अपील करने का निर्देश दिया है। अपील जल्द से जल्द दायर की जाएगी।

हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है और पहलवान अपना संघर्ष जारी रखेंगे। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने भाजपा के पूर्व सांसद सिंह और डब्ल्यूएफआई के पूर्व सहायक सचिव तोमर को इस मामले में बरी किया। विनेश ने पहलवान साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया के साथ मिलकर अप्रैल-मई 2023 में दिल्ली के जंतर-मंतर पर सिंह के खिलाफ 36 दिनों तक धरना प्रदर्शन में भाग लिया था।

अलविदा ग्लास्गो, राष्ट्रमंडल खेलों की बैटन भारत को मिली

एजेंसी

ग्लास्गो ।ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों के समापन के साथ ही भारत ने दुनिया को अहमदाबाद आने का एक शानदार न्योता दिया। समापन समारोह के मंच पर भारत के प्राचीन दर्शन, आधुनिक कला और सांस्कृतिक भव्यता का अनूठा संगम देखने को मिला और इसके साथ ही 2030 में

अहमदाबाद में फिर मिलेंगे

अहमदाबाद में होने वाले खेलों के शताब्दी संस्करण की यात्रा आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई। समापन समारोह में रविवार को ग्लास्गो ने राष्ट्रमंडल खेलों की बैटन भारत को सौंपी। इससे पहले संगीत और नृत्य के ताने बाने में तैयार किये गए अद्भुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने भारत की पहचान ऐसे देश के रूप में रखी जहां परंपरा और आधुनिकता साथ में बसते हैं। किंग चार्ल्स तृतीय के प्रतिनिधि प्रिंस एडवर्ड (ड्यूक आफ एडिनबर्ग) ने खेलों के समापन की औपचारिक घोषणा की। उन्होंने कहा जिस तरह से आपने प्रतिस्पर्धा की, खेलों का आयोजन किया और समर्थन किया , उसके लिये धन्यवाद। आपने आज एक बार फिर राष्ट्रमंडल की भावना और मूल्यों को जीवंत कर दिया। शुक्रिया ग्लास्गो। उन्होंने कहा मैं सभी देशों और प्रदेशों के खिलाड़ियों को भारत के अहमदाबाद आने का न्योता देता हूं जहां चार साल बाद 24वें राष्ट्रमंडल खेल होंगे जो इन खेलों का शताब्दी संस्करण भी है। समापन समारोह में जैसमीन लंबोरिया भारत की ध्वजवाहक थी जिन्होंने महिला मुक्केबाजी 57 किलोवर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। औपचारिक तौर पर ध्वज सौंपने का कार्यक्रम राष्ट्रमंडल खेलों के ध्वज की पूरे परिसर में सांकेतिक यात्रा के साथ शुरू हुआ। स्कॉटलैंड और भारत के ध्वज वाहकों की अगुवाई में जुलूस ने गेम्स के मुड़े हुए झंडे को नीचे उतारा। इसके बाद ग्लास्गो की लॉर्ड प्रोवोस्ट जैकलीन मैकलारेन ने इसे राष्ट्रमंडल खेल स्कॉटलैंड की उपाध्यक्ष सुसान जैक्सन, स्कॉटिश नेटबॉल खिलाड़ी एमिली निकोल, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डॉ. डोनाल्ड रुकारे, दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा और आखिर में गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी को सौंपा।

इसके साथ ही स्कॉटलैंड से भारत को मेजबानी की जिम्मेदारी आधिकारिक तौर पर सौंप दी गई। इसके बाद से समारोह भारत की सांस्कृतिक विरासत के जश्न में डूब गया। भारत की प्रस्तुति तीन खंडों में थी जिसमें दर्शकों को एक ऐसी यात्रा पर ले जाया गया जिसे आयोजकों ने साझा मूल्यों, संस्कृति और आपसी जुड़ाव का जश्न मनाने वाला बताया। इसकी थीम वसुधैव कुटुम्बकम थी जो राष्ट्रमंडल के एकता और दोस्ती के आदर्शों के अनुरूप है। पहली प्रस्तुति में भारत के राष्ट्रगीत वंदेमातरम के 150 साल पूरे होने का जश्न मनाया गया और नृत्य की अगुवाई अभिनेत्री मानुषी छिल्लर ने की। शानदार डिजिटल दृश्यों के बीच सैकड़ों नर्तकों ने भारत की विविधता की एक जीवंत तस्वीर पेश की, जबकि गायक शंकर महादेवन के दिल को छू लेने वाले संगीत ने ऑर्केस्ट्रा की भव्यता को भारतीय संगीत परंपराओं के साथ मिलाया।

लोकसभा में विपक्ष का भारी हंगामा

राम मंदिर चढ़ावा और छात्रों पर बल प्रयोग मामले में कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों ने राम मंदिर चढ़ावा में अनियमितता तथा आंदोलन के दौरान छात्रों पर पुलिस करवाई के विरोध में सोमवार को सदन में भारी हंगामा किया जिसके कारण पीठासीन अधिकारी को सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी। पीठासीन अधिकारी कृष्णा प्रसाद तेनेती ने दो बार के स्थगन के बाद दो बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की विपक्षी दलों के सदस्य हंगामा करते हुए और नारे लगाते हुए सदन के बीचों बीच आ गये। पीठासीन अधिकारी ने सदस्यों से अपनी सीटों पर जाने का आग्रह किया लेकिन विपक्षी सदस्यों का हंगामा रुका नहीं। हंगामे के बीच संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीश संख्या) संशोधन विधेयक 2026 सदन में चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया।

इस पर तृणमूल कांग्रेस के सौगत राय के सांविधिक प्रस्ताव को सदन में ध्वनि मत से खारिज कर दिया। पीठासीन अधिकारी ने सदस्यों से विधेयक पर चर्चा करने का आग्रह किया लेकिन विपक्ष के सदस्य हंगामा करते रहे तो टेनेती ने हंगामे के बीच ही विधेयक को पारित कराने के लिए सदन में रखवाया जिसे सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। हंगामा नहीं रुक तो श्री टेनेती ने सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी। विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुनराम मेघवाल ने विधेयक को चर्चा के

लिए पेश करते हुए कहा कि यह न्यायिक सुधार की दिशा में एक

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला विधेयक लोकसभा में पास

महत्वपूर्ण कदम है। विधेयक में उच्चतम न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश सहित न्यायाधीशों की संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने का प्रावधान है। इससे लंबित मामलों का निपटान आसान हो जाएगा और बड़ी पीठों के गठन का मामलों के निस्तारण पर असर नहीं होगा। संविधान लागू होने के समय उच्चतम न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश सहित न्यायाधीशों की संख्या केवल आठ थी। बाद में आवश्यकता को देखते हुए अगस्त 1956 में तत्कालीन गृहमंत्री गोविंद बल्लभ पंत एक अधिनियम लेकर आए, जिसके तहत यह संख्या बढ़ाकर 11 की गई थी।

एमएसएमई विकास संशोधन विधेयक राज्यसभा में पारित

नयी दिल्ली। राज्यसभा ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक 2026 को सोमवार को विपक्ष के हंगामे के बीच ध्वनिमत से पारित कर दिया। सदन ने विधेयक के अनेक प्रावधानों के बारे में कांग्रेस के अजय माकन और वाम दलों के एए रहीम, जॉन ब्रिटास और वी शिवादासन के संशोधन के प्रस्तावों को भी ध्वनिमत से नामंजूर कर दिया। सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी के हंगामे के बीच संक्षिप्त जवाब के बाद सदन ने विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया जिसके बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी। विपक्ष के सदस्यों ने छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सदन में आने और जवाब देने की मांग करते हुए विधेयक पर चर्चा के दौरान जोरदार नारेबाजी की। श्री मांझी ने चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की चुनौतियों और जरूरतों को पूरा कर इसके विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

भारत व उज्बेकिस्तान के बीच सहयोग की अपार संभावनाएं : राष्ट्रपति मुर्मू

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान के बीच खनन क्षेत्र (विशेष रूप से दुर्लभ खनिज), खेती, फार्मास्यूटिकल्स और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। उज्बेकिस्तान गणराज्य के विदेश मंत्री सैदोव बख्तियार ओडिलेविच राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मिलने आए थे। इस दौरान मुर्मू ने कहा कि दोनों देशों के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंध हैं, जिनकी जड़ें प्राचीन व्यापारिक मार्गों से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि स्थापत्य कला, भाषा, खान-पान, संगीत और धार्मिक परंपराओं में साझा विरासत ने दोनों देशों की साझेदारी को और

मजबूत किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि उज्बेक प्रतिनिधिमंडल में उच्च-स्तरीय नेताओं की मौजूदगी और इस यात्रा के दौरान भारत-उज्बेकिस्तान व्यापार मंच का आयोजन, दोनों तरफ के व्यवसायों का एक-दूसरे के बाजारों में बढ़ता भरोसा दिखाता है। राष्ट्रपति कार्यालय से जारी एक बयान के अनुसार, उन्होंने खनन क्षेत्र (विशेषकर दुर्लभ खनिज), कृषि, फार्मास्यूटिकल्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में भारत और उज्बेकिस्तान के बीच सहयोग की अपार संभावनाओं पर भी जोर दिया। मुर्मू को यह जानकर खुशी हुई कि उज्बेकिस्तान के 3,000 से अधिक अधिकारी, पेशेवर और छात्र देश के आईटीईसी (इंडियन टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन) प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं अन्य छात्रवृत्ति कार्यक्रम से लाभान्वित हुए हैं।

राष्ट्रपति ने दुनिया के सबसे मुश्किल समुद्रों को पार करने वाले महिला सैन्य दल की सराहना की

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को तीनों सेनाओं की महिला कर्मियों के उस दल की सराहना की, जिसने विश्व के सबसे मुश्किल समुद्रों को सफलतापूर्वक पार किया। साथ ही राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी यह कामयाबी युवा भारतीयों को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करेगी।

राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारतीय सेना के नौकायन पोत त्रिवेणी के चालक दल की सदस्यों ने राष्ट्रपति भवन में मुर्मू से मुलाकात की।

संक्षेप

पीओके में हिंसा, चुनाव में शरीफ की पीएमएल एन की बड़ी जीत

लाहौर। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हुए चुनावों के दूसरे चरण में पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) ने जबरदस्त जीत हासिल की। पार्टी ने चुनाव वाली 18 में से 14 सीटें जीतीं, जिससे उसे इस इलाके में सरकार बनाने का मौका मिलेगा। पीओके के चुनाव आयुक्त गुलाम मुस्तफा मुगल ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान पीपल्स पार्टी ने बाकी चार सीटें जीतीं। पीओके में जारी चुनावों का दूसरा चरण रविवार को हिंसा और धांधली के आरोपों के बीच हुआ। इस हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। मुगल ने बताया कि जिन तीन और सीटों पर रविवार को मतदान होना था, वहां अब मंगलवार को मत डाले जाएंगे। उन्होंने बताया, भूस्खलन और खराब मौसम की वजह से सड़कें बंद हो गईं, जिससे मतदान कर्मी और चुनाव सामग्री चुनाव क्षेत्र तक नहीं पहुंच पायी। पीओके की तथाकथित विधानसभा की 45 सीटों के लिए चुनाव 27 जुलाई से 10 अगस्त के बीच तीन चरणों में हो रहे हैं। भारत का कहना है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का पूरा केंद्र-शासित क्षेत्र उसके अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं।

नीट-यूजी विवाद के बाद एनटीए ने सुरक्षा पुख्ता करने के लिए 7.5 करोड़ की निविदा आमंत्रित की

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2026 प्रश्नपत्र लीक विवाद के बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने मिंटो रोड स्थित अपने मुख्यालय, ओखला स्थित क्षेत्रीय कार्यालयों, भंडारण केंद्रों और अन्य अधिसूचित स्थानों पर चौबीस घंटे की सुरक्षा सेवाओं के लिए 7.5 करोड़ रुपये की निविदा आमंत्रित की है। निविदा दस्तावेज के मुताबिक, इस कदम का उद्देश्य एनटीए के कर्मियों, आगंतुकों, संपत्तियों, परिसरों, अभिलेखों, गोपनीय परीक्षा सामग्री, सर्वर रूम, स्ट्रॉन्ग रूम और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों की सुरक्षा करना है। एनटीए की ओर से 25 जुलाई को जारी आरएफपी (प्रस्ताव के लिए अनुरोध) में कहा गया है कि दो साल के अनुबंध का अनुमानित मूल्य बिना किसी बदलाव के 7.5 करोड़ रुपये और जीएसटी है।

5 मेट्रो स्टेशनों पर, अर्पण केंद्र की शुरुआत : सीएम

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पुराने कपड़े दान करने की योजना के तहत सोमवार को पांच मेट्रो स्टेशनों पर अर्पण केंद्रों की शुरुआत की। दिल्ली सरकार की परियोजना के तहत अनुपयोगी कपड़े एकत्र करने के लिए मेट्रो के 10 स्टेशनों पर अर्पण नाम से संग्रह केंद्र बनाए जाएंगे और दान में मिले कपड़ों का पुनर्चक्रण कर बैग, परिधान, सजावटी सामान और धागा समेत अन्य उत्पाद बनाए जाएंगे। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, गुप्ता ने पंजाबी बाग पश्चिम मेट्रो स्टेशन के अलावा शालीमार बाग, मयूर विहार फेस-1, शाहदरा और

रोहिणी पश्चिम स्टेशनों पर अर्पण केंद्रों की शुरुआत कर दी। यह पहल दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) एवं दिल्ली मेट्रो लेडीज वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से शुरू की गई है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने क्यूआर कोड आधारित डिजिटल प्रणाली के माध्यम से वस्त्र दान प्रक्रिया का अवलोकन भी किया। गुप्ता ने कहा, जब अपशिष्ट को संसाधन में बदला जाता है और विकास के साथ प्रकृति का संरक्षण सुनिश्चित किया जाता है, तभी वास्तविक अर्थों में विकसित समाज का निर्माण होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुराने वस्त्रों का पुनर्चक्रण केवल कचरा कम करने का माध्यम नहीं है।

ई20 पेट्रोल के विरोध में प्रधानमंत्री आवास तक मार्च करेंगे केजरीवाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वह मंगलवार को 100 लोगों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आवास तक मार्च करेंगे और ई20 ईंधन के खिलाफ ज्ञापन सौंपेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में इसे बढ़ावा दे रही है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भारत ने अमेरिका से इथेनॉल खरीदने के लिए ट्रंप के सामने घुटने टेक दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल को लगातार बढ़ावा देना किसी छिपे हुए एजेंडे का संकेत है।

केजरीवाल ने सोमवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैं कल 100 लोगों के साथ प्रधानमंत्री आवास जाकर जनता द्वारा हस्ताक्षरित याचिकाएं व्यक्तिगत रूप से सौंपूंगा और इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करूंगा। लोगों को अपनी गाड़ियों में कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद सरकार इसे जारी रखे हुए है जिसका मतलब है कि इसके पीछे कोई छिपा हुआ एजेंडा है। उन्होंने कहा लोग कह रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी पर

अमेरिका से इथेनॉल खरीदने के लिए ट्रंप का दबाव है।

नहीं रहे जस्टिस लिब्रहान

चंडीगढ़। अयोध्या में बाबरी मस्जिद विध्वंस की परिस्थितियों की जांच के लिए गठित आयोग की अध्यक्षता करने वाले न्यायमूर्ति मनमोहन सिंह लिब्रहान का 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रोहित सूद ने बताया कि न्यायमूर्ति लिब्रहान का रविवार को यहां निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को किया जाएगा। न्यायमूर्ति लिब्रहान ने 1964 में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में वकालत शुरू की थी।

ई20 पेट्रोल पर जनता में बढ़ रहा आक्रोश, जवाबदेही और पारदर्शिता की जरूरत

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि देशभर में ई20 पेट्रोल की बिक्री को लेकर लोगों में नाराज़गी बढ़ रही है और वे जवाबदेही तथा पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। मुख्य विपक्षी दल ने यह आरोप भी लगाया कि मोदी सरकार के मंत्री लोगों को यह भरोसा दिलाने में नाकाम रहे हैं कि ई20 पेट्रोल पूरी तरह सुरक्षित है, क्योंकि इसके समर्थन में कोई ठोस आंकड़े या रिपोर्ट उपलब्ध नहीं हैं। ई20 पेट्रोल एक ऐसा ईंधन है जिसमें 20 प्रतिशत एथनॉल और 80 प्रतिशत सामान्य पेट्रोल मिला होता है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 29 जुलाई को संसद में ई20 पेट्रोल के देशव्यापी क्रियान्वयन पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी द्वारा दिए गए जवाब से समाधान की बजाय और अधिक सवाल खड़े हुए हैं। उनके अनुसार, गडकरी का दावा है कि ई20 को वर्षों तक वैज्ञानिक परीक्षण के बाद लागू किया गया है और इससे वाहनों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचने का कोई प्रमाण नहीं है। रमेश ने पर कहा लेकिन पिछले कई महीनों से देशभर के उपभोक्ता और मैकेनिक कम माइलेज, इंजन के प्रदर्शन में गिरावट, वाहनों

पर ई20 के दीर्घकालिक प्रभाव को लेकर चिंता, इंजन की अनुकूलता, ठंडे मौसम में स्टार्ट होने में दिक्कत, 2023 से पहले बने वाहनों में तेजी से घिसावट, पुराने वाहनों में फ्यूल इंजेक्टर जाम होने, ईंधन पाइपों में जंग लगने तथा रबर के पुर्जों में दरार आने जैसी समस्याओं की शिकायत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आम उपभोक्ताओं के पास ई20 ईंधन के अलावा लगभग कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। रमेश ने दावा किया कि 2023 से पहले बने 44,000 से अधिक पेट्रोल वाहनों के मालिकों पर जून 2026 में किए गए एक स्वतंत्र सर्वेक्षण में बड़ी संख्या में लोगों ने ई20 लागू होने के बाद प्रतिकूल प्रभाव महसूस होने की बात कही। उन्होंने कहा सितंबर 2025 में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने जैव ईंधन के कारण वाहन या इंजन को नुकसान पहुंचने संबंधी शिकायतों को बकवास बताया था।

पूर्व पर्यावरण मंत्री ने आरोप लगाया कि जुलाई, 2026 की ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) की रिपोर्ट के बावजूद मोदी सरकार ई20 से जुड़े दावों को लगातार खारिज कर रही है। उन्होंने कहा कि टिकाऊपन संबंधी परीक्षणों में यात्री वाहनों के इंजनों में खराबी और विफलता के मामले भी सामने आए।

इंटरटेनमेंट...

'रामायण' के मेकर्स को रामलीला महासंघ की चेतावनी

मुंबई। रणबीर कपूर, सनी देओल और यश स्टारर फिल्म 'रामायण' को लेकर विवाद शुरू हो गया है। श्री रामलीला महासंघ ने फिल्म के डायरेक्टर नितेश तिवारी और प्रोडक्शन कंपनी को एक पत्र लिखकर चेतावनी दी है। महासंघ के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने मांग की है कि इस दिवाली पर देश-विदेश में रिलीज होने से पहले यह फिल्म उनके प्रतिनिधिमंडल को दिखाई जाए। महासंघ का कहना है कि उन्हें मिली जानकारी के मुताबिक फिल्म में ऐसे कई सीन हो सकते हैं, जो हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचा सकते हैं। अगर विवादित सीन नहीं हटाए गए तो सिनेमाघरों के बाहर प्रदर्शन किया

रिलीज से पहले हमें फिल्म दिखाएं, विवादित सीन न हटाने पर सिनेमाघरों के बाहर होगा प्रदर्शन

जाएगा। हालांकि अब तक डायरेक्टर नितेश तिवारी या फिल्म के प्रोडक्शन हाउस की तरफ से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। शांत, तेजस्वी और मर्यादा पुरुषोत्तम की छवि में रणबीर कपूर का लुक प्रभावशाली नजर आया। रिलीज से पहले स्पेशल स्क्रीनिंग की मांग श्री रामलीला महासंघ के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने पत्र में कहा कि फिल्म को सिनेमाघरों में उतारने से पहले एक विशेष शो में महासंघ को दिखाया जाए। महासंघ यह तय करना चाहता है कि फिल्म में भगवान राम, रामायण के पात्रों या सनातन धर्म से जुड़ा कोई गलत चित्रण या संवाद तो नहीं है। अर्जुन कुमार ने

चेतावनी दी है कि मेकर्स ने उनकी मांग नहीं मानी, तो दिल्ली समेत देश के अन्य राज्यों में सिनेमाघरों के बाहर हिंदू संगठनों के साथ मिलकर हजारों कार्यकर्ता विरोध-प्रदर्शन और धरना देंगे।

'आदिपुरुष' गलत चित्रण से फ्लॉप हुई थी फिल्म महासंघ ने अपने पत्र में साल 2023 में आई फिल्म 'आदिपुरुष' का उदाहरण दिया है। अर्जुन कुमार ने याद दिलाया कि भूषण कुमार के प्रोडक्शन और प्रभास-सैफ अली खान स्टारर इस फिल्म के कई दृश्यों पर सनातन समाज और रामलीला से जुड़े लोगों ने कड़ा विरोध जताया था। उस फिल्म में सोने की लंका को काला दिखाया गया था और महाज्ञानी रावण व उसकी सेना का चित्रण मंगोल लुटेरों की तरह किया गया था। इस भारी विरोध के कारण करोड़ों के बजट में बनी वह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी। रणबीर कपूर बने हैं भगवान राम, यश निभा रहे रावण का रोल फिल्म 'रामायण' में बॉलीवुड और साउथ सिनेमा के बड़े कलाकार एक साथ नजर आने वाले हैं। रणबीर कपूर फिल्म में भगवान राम की भूमिका में हैं, जबकि साई पल्लवी माता सीता का किरदार निभा रही हैं।

'खतरों के खिलाड़ी ने मुझे बदल दिया' : अविनाश

मुंबई। टीवी और रियलिटी शोज में अपनी अलग पहचान बना चुके अविनाश मिश्रा अब 'खतरों के खिलाड़ी' में नजर आने वाले हैं। दैनिक भास्कर से बातचीत में उन्होंने शो के मुश्किल स्टंट्स, अपने डर, रोहित शेट्टी से मिली सीख और शो के दौरान हुए भावनात्मक बदलावों पर खुलकर बात की। बहुत अच्छा लग रहा है। सबसे पहले आपका शुक्रिया। 'खतरों के खिलाड़ी' वाकई शानदार शो है। मेरे लिए यह भारत का सबसे बेहतरीन रियलिटी शो है। मैं जब भी किसी शो में जाता हूं, चाहता हूं कि लोग मुझे एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में देखें। खुशी है कि लोगों के बीच मेरी वही छवि बन रही है। हर शो में मैं अपना असर छोड़ना चाहता हूं और इस बार भी लोगों को वह महसूस हो रहा है। यह पूरी तरह माइंडसेट पर निर्भर करता है।

अप कॉमेडियन कुणाल कामरा का बेंगलुरु शो रद्द

मुंबई। बेंगलुरु में स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने अपने शो रद्द कर दिए हैं। व्हाइटफील्ड इलाके में होने वाले इन शो का हिंदुत्ववादी कार्यकताओं ने कड़ा विरोध किया था। पुलिस ने सोमवार को इस बारे में जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, कुणाल कामरा ने रविवार को खुद व्हाइटफील्ड पुलिस स्टेशन जाकर अधिकारियों को सूचित किया कि वे अपने निर्धारित शो आगे नहीं बढ़ाएंगे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कामरा ने हिंदुत्ववादी कार्यकताओं के विरोध के चलते व्हाइटफील्ड में होने वाला इवेंट रद्द करने का फैसला लिया है। कुणाल कामरा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए बताया कि सोमवार, मंगलवार, बुधवार और गुरुवार के शो अब कोरमंगला के एक वेन्यू में शिफ्ट कर दिए गए हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि व्हाइटफील्ड शो के लिए खरीदे गए टिकटों का रिफंड बुकमायशो प्लेटफॉर्म द्वारा प्रोसेस किया जाएगा। साथ ही, उन्होंने दर्शकों से कोरमंगला वेन्यू के लिए टिकट बुक करने का आग्रह किया है।

हिंदू संगठनों ने किया था विरोध, उखढ़ प्रोटेस्ट में राम-सीता के बयान से भी हुआ था विवाद

कंगना ने सोनाक्षी के पहनावे पर उठाए सवाल?

मुंबई। स्टूडेंट प्रोटेस्ट पर लगातार विवादित बयान दे रहीं कंगना रनोट ने अब बिना नाम लिए एक एक्ट्रेस के लिए अपमानजनक टिप्पणी की है। उन्होंने एक्ट्रेस के लुक की तुलना पॉकेटमार से करते हुए उनकी भाषा, पति और पहनावे पर सवाल खड़े किए हैं। कंगना ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट री-शेयर की है, जिसमें लिखा है, ह्यनाम नहीं लूंगा पर एक मोटी जिहादी कूद कूद कर नीट प्रोटेस्ट पर वीडियो बना रही थी। पर झारखंड प्रोटेस्ट के टाइम मुंह बंद है। इस पोस्ट को कंगना ने लाइक किया और फिर इसके साथ लिखा है, मेरे बारे में भी इस तरह की कई फर्जी खबरें फैलाई जा रही हैं। यह वाली भी पूरी तरह झूठी है। मैं किसी को शर्मिंदा नहीं करना

चाहती, लेकिन मैंने देखा है कि इन दिनों एक एक्ट्रेस ऐसे कपड़े पहनती है और ऐसे बात करती है जैसे कोई पॉकेटमार हो। वह हाफ पैंट, उल्टी कैप पहनती है और प्रदर्शनकारियों के गटरछाप व्यवहार का जोश के साथ समर्थन करते हुए जेबकतरे जैसी भाषा बोलती है। आगे कंगना ने लिखा, मुझे हमेशा लगता है कि आप जिस तरह के कपड़े पहनते हैं, उसका सीधा असर आपकी सोच और व्यक्तित्व पर दिखाई देता है। मेरी प्यारी साथी एक्ट्रेस, अगर आपका पुरुष साथी आपको जेबकतरे जैसा महसूस करा रहा है, तो मुझे अफसोस है। आप पहले बहुत सलीके से कपड़े पहनती थीं और बेहद शालीनता से बात करती थीं। आपको क्या हो गया? आपकी राय आपकी अपनी है, लेकिन अपने स्टाइल पर थोड़ा और ध्यान दें। अगर आपको मदद की जरूरत हो।

पॉकेटमार जैसे कपड़े पहनती है, पहले सलीके के पहनती थी; पति-भाषा पर भी तंज

Viraj
आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी**
(पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com